सुप्रभात
रांची, रविवार
27.04.2025
* * नगर संस्करण। पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित

सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net | बैशाख, कृष्ण पक्ष, अमावश्या, संवत् 2082 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 282

12 रिलायंस इंडस्ट्रीज के कार्यकारी निदेशक बने अनंत

न्यूज डायरी

प्रचंड गर्मी में बिजली कटने से लोग बेहाल

रांची। राजधानी में प्रचंड गर्मी में बिजली कटने से शनिवार को दिनभर लोग बेहाल नजर आये। वही शहर के विभिन्न इलाकों में सुबह से ही बिजली की आंखमिचौली जारी रही। बिजली विभाग ने नामकुम स्थित सब स्टेशन की मरम्मत के चलते सुबह आठ से सुबह 11 बजे तक बिजली कटे जानी की सूचना दी थी। इससे इस सब स्टेशन के दायरे में आनेवाले मेन रोड, कोकर के शहरी और ग्रामीण, नामकुम, खेलगांव, टाटीसिलवे सहित अन्य इलाकों में बिजली कटी रही। बावजूद इसके इन इलाकों में 11 बजे तक बिजली की आपूर्ति नही की गयी।

ईरान के बंदरगाह में भीषण विस्फोट

तेहरान (ईरान)। दक्षिणी ईरान के एक बंदरगाह में शनिवार को आग लगने और भीषण विस्फोट होने से कम से कम 516 लोग घायल हो गये। हादसे में कई लोगों की मौत की भी खबर है। सरकारी टेलीविजन के अनसार यह विस्फोट राजई बंदरगाह पर हुआ, जो कि इस्लामिक गणराज्य के लिए कंटेनर शिपमेंट की एक प्रमुख सुविधा है। अधिकारियों ने अभी तक विस्फोट का कोई कारण नहीं बताया है।

लाहौर हवाई अड्डे में भीषण आग, अफरा-तफरी मची

लाहौर। पाकिस्तान में लाहौर के अल्लामा इकबाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गयी और सभी उड़ानें रद्द कर दी गयी। घटना में किसी के हताहत या घायल होने की रिपोर्टें नहीं है। आग लगने से हवाई अड्डे पर मौजूद नागरिकों में अफरा-तफरी मच गयी, जिसके कारण निकासी और अन्य कर्मचारियों के संचालन में बाधा उत्पन्न हुई। आग लगने का कारणों का अभी पता नहीं चला है।

पाक की फायरिंग का मिला तगड़ा जवाब

नयी दिल्ली। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ कठोर निर्णयों से बौखलाये पाकिस्तान की सेना ने शुक्रवार पूरी रात कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर फायरिंग की। भारतीय सेना ने इसका जोरदार जवाब दिया। फायरिंग के दौरान किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

झुका पाकिस्तान निष्पक्ष जांच को तैयार

कराची। पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल मुनीर ने पहलगाम में हमले से कुछ दिन पहले ही एक बेहद भड़काऊ भाषण दिया था। भारत का कहना है कि मनीर के बयान से ही पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों की हत्या हुई। वही शनिवार को पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान पहलगाम आतंकी हमले की किसी भी 'तटस्थ, पारदर्शी और विश्वसनीय' जांच में भाग लेने के लिए तैयार है। सेनाध्यक्ष की भी किसी भूमिका की वह जांच कराने को तैयार हैं।

आतंकी संगठन 'हिज्ब उत तहरीर' से जुड़े झारखंड के तार

एटीएस ने छापामारी कर धनबाद से चार को दबोचा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सुरक्षा एजेंसियों द्वारा लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। आतंकियों के जारी स्केच से मिलते-जुलते दो लोगों को शुक्रवार की देर रात पटना में देखा गया। इस बीच एटीएस की जांच अब धनबाद और कोडरमा तक भी पहुंच गयी है। कोडरमा से एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया है। एटीएस ने शनिवार को धनबाद के बासेपुर से एक बड़े आतंकी संगठन के झारखंड विंग का खुलासा करते हुए एक महिला समेत चार संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। एटीएस का कहना है कि ये चारों प्रतिबंधित आतंकी संगठन हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) अलकायदा इंडियन सबकॉन्टिनेंट (एक्यूआइएस)और आइएसआइएस जैसे अन्य कई आतंकी संगठनों से जुड़े हुए थे। इस बारे में एक प्रेस विज्ञप्ति में एटीएस ने बताया कि आंतंकी संगठनों से जुड़े ये चारों आरोपी अवैध हथियारों के कारोबार और देश विरोधी गतिविधियों में शामिल थे।

युवाओं को करता है गुमराह : झारखंड एटीएस ने जानकारी में बताया कि कूटना मिली थी कि एचयूटी, अलकायदा ,आईएसआईएस और कुछ अन्य प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों से जुड़े कुछ व्यक्ति युवकों को अपने नेटवर्क से जोड़ता है। सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों के उन्हें गुमराह कर रहा हैं। साथ ही साथ धार्मिक कप्तरता को बढ़ावा देते हुए राष्ट्र विरोधी गतिविधियों का संचालन कर रहा है। यह बात भी प्रकाश में आयी कि इन संगठनों से जुड़े व्यक्ति अवैध आर्म्स के व्यापार के साथ साथ राष्ट्र विरोधी गतिविधियों का संचालन में लगा है।

जिन्हें दबोचा गया : गुलफाम हसन (21) अलीनगर, बैंकमोड़ थाना, धनबाद। आयान जावेद, (21) अमन सोसाईटी भूली ओपी धनबाद। मो० शहजाद आलम (20) अमन सोसाईटी भूली बाईपास, धनबाद। शबनम परवीन, (20) पति-आयान जावेद, धनबाद। (शेष पेज 11 पर)

प्रतिबंध के बाद पहला मामला

प्रतिबंधित आतंकी संगठन हिज्ब उत तहरीर के झारखंड मॉड्यूल का खुलासा किया गया है। झारखंड एटीएस की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर धनबाद जिले में छापेमारी कर इस मॉड्यूल का खुलासा किया है। एटीएस ने बताया गया है कि एचयूटी को यूएपीए अधिनियम-1967 के तहत 2024 में केंद्र भारत सरकार ने प्रतिबंधित किया गया है। प्रतिबंधित होने के बाद यह देश का पहला मामला सामने आया।

हथियार व डिजिटल एविडेंस मिले

गिरफ्तार संदिग्ध आतंकियों के पास से दो पिस्टल, 12 कारतूस, कई इलेक्ट्रोनिक्स डिवाइस जैसे मोबाइल फोन, लेपटॉप के साथ साथ भारी मात्रा में प्रतिबंधित संगठनों से संबंधित दस्तावेज और पुस्तक मिले हैं। इस संबंध में एटीएस, रांची में आपराधिक कांड दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गयी है।

स्वीडन में हेमंत ने वोल्वो ट्रक प्लांट का दौरा किया

झारखंड में निर्माण इकाई स्थापित करने पर चर्चा

खबर मन्त्र टीम

रांची। अपने विदेश दौरे के क्रम में सीएम हेमंत सोरेन ने शनिवार को स्वीडन के दूसरे प्रमुख शहर गोथेनबर्ग में वोल्वो ट्रक प्लांट का दौरा किया और प्लांट के अधिकारियों से बातचीत की। उनके साथ उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी था। प्लांट अधिकारियों के साथ सीएम हेमंत ने झारखंड में वोल्वो द्वारा ट्रक निर्माण इकाई स्थापित करने की संभावना पर चर्चा की। खनन कार्यों के लिए ट्रकों और डंपरों में राज्य की विशिष्ट आवश्यकताओं पर भी चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने वोल्वो ट्रक एक्सपीरियंस सेंटर का भी दौरा किया। सेंटर में फर्म ने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, पैसेंजर और रोड सेफ्टी और अन्य उत्पादों जैसे मिरर-लेस कैमरा इनेबल्ड ट्रक कैब, ट्रकों के लिए 3-पॉइंट सस्पेंशन आदि में अपने नवीनतम नवाचारों को प्रदर्शित किया। मुख्यमंत्री ने प्लांट में किये जा रहे अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास की सराहना की और वोल्वो के इलेक्ट्रिक ट्रकों को चलाने वाले 440 किलोवाट के मोटर्स की स्थायित्व और मजबूती के बारे में जानकारी ली।

गोथनबर्ग स्वीडन का प्रथम बंदरगाह तथा दूसरा प्रधान नगर है। वोल्वो, जादुई द्वीपसमूह द्वीपों और विश्व स्तरीय समुद्री भोजन के लिए प्रसिद्ध, गोथेनबर्ग नॉर्डिक्स में सबसे बड़ी गैर-राजधानी है और स्वीडन के खूबसूरत पश्चिमी तट पर स्थित है। यह शहर चट्टानी तटरेखा, गहरे जंगलों, शांत झीलों और पश्चिम में बढ़ते समुद्र से घिरा हुआ है। यहां पानी का जहाज बनाने का बहुत बड़ा केंद्र है। सूती मिलें, रसायनक कागज, चमड़े, शराब तथा लकड़ी के बहुत से कारखाने हैं। (शेष पेज 11 पर)

पहलगाम में पाकिस्तान का सीधा हाथ, भारत ने दिये पक्के सबूत

सैन्य अभियान के लाइव मीडिया कवरेज पर रोक

कुछ बड़ा करने की आशंका से पाक के हाथ-पांव फूले

एजेंसी

नयी दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश में गम और गुस्सा का माहौल है। भारत सरकार ताबड़तोड़ कार्रवाई भी कर रही है। इस बीच सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। मीडिया चैनलों के लिए सरकार ने एडवाइजरी जारी कर दी है, जिसमें सैन्य अभियान के लाइव कवरेज पर रोक लगा दी गयी है। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार इससे इस बात को बल मिलता है कि भारत शीघ्र ही कुछ बड़ा करने जा रहा है। इससे पाकिस्तानी हुक्मरानों के हाथ-पांव फूल रहे हैं। वहीं दूसरी ओर भारत ने इस बत के ठोस सबूत जुटा लिये हैं कि पर्यटकों पर हमले के पीछे पाकिस्तान का सीधा हाथ है। भारत ने पाकिस्तान की भूमिका को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निर्णायक कार्रवाई शुरू कर दी है। पूरा विश्व खड़ा साथ खड़ा है। संुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने भी पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है।

मीडिया चैनलों के लिए एडवाइजरी जारी : केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय शनिवार को सभी मीडिया चैनलों, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है। इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में सावधानी बरतने और मौजूदा कानूनों तथा नियमों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया गया है। एडवाइजरी में साफ कहा गया है कि रक्षा अभियानों या सुरक्षा बलों की गतिविधियों से संबंधित किसी भी प्रकार की रियल टाइम कवरेज, दृश्य प्रसारण या स्रोत आधारित जानकारी का प्रसारण नहीं किया जाना चाहिए। समय से पहले संवेदनशील जानकारी का खुलासा करने से शत्रुतापूर्ण तत्वों को लाभ मिल सकता है और हमारे सुरक्षा बलों की कार्यकुशलता तथा उनकी सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है।

साभार

मंत्रालय ने अतीत के उदाहरण भी याद दिलाये हैं। करगिल युद्ध, मुंबई आतंकवादी हमला और कंधार अपहरण की घटनाएं, जहां अनियंत्रित कवरेज ने राष्ट्रीय हितों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला था। इसलिए मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और आम नागरिकों से यह अपेक्षा की गयी है कि वे न केवल कानूनी दायित्वों का पालन करें बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति नैतिक जिम्मेदारी भी निभाएं। मीडिया को केवल सरकार द्वारा नियुक्त अधिकारी की समय-समय पर ब्रीफिंग तक सीमित रहना होगा। (शेष पेज 11 पर)

175 संदिग्ध हिरासत में

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद सुरक्षा बलों के द्वारा अनंतनाग जिले में व्यापक तलाशी और घेराबंदी अभियान शुरू किया गया है. इसमें जम्मू कश्मीर पुलिस के अलावा सेना, सीआरपीएफ और अन्य सुरक्षा बल शामिल हैं। वहीं 175 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। साथ ही कुपवाड़ा ने एक आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ करते हुए हथियार व गोला-बारूद बरामद किया गया है।

झारखंड में दस पाकिस्तानी भारत छोड़ने के आदेश से खलबली

रांची। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने वीजा लेकर रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को अब भारत छोड़ने का सख्त निर्देश जारी किया है। झारखंड में भी पाकिस्तान के 10 नागरिक अभी रहे हैं, केंद्र के आदेश के बाद उनमें हलचल मची हुई है। इनमें तीन नाबालिग हैं। ऐसे में कौन-कौन और कब झारखंड छोड़कर पाकिस्तान जायेगा इस पर फैसला लिया जा रहा है। झारखंड के अलग-अलग शहरों से ये 10 पाकिस्तानी नागरिक निवास कर रहे हैं। उनमें रांची के डोरंडा में तीन, हिंदपीढ़ी में एक, जमशेदपुर के मानगो व धातकीडीह में तीन तथा अन्य धनबाद व हजारीबाग में हैं। विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सात पाकिस्तानी नागरिकों को लॉन्ग टर्म वीजा प्राप्त है। वहीं तीन पाकिस्तानी नागरिक नाबालिक बच्चे हैं। तीनों फिलहाल वीजा पर अपने ननिहाल में रह रहे हैं।

तीन बच्चों पर मामला लटका : तीनों बच्चे हाल में ही कराची से रांची आये हैं। अभी भारत और पाक के बीच चल रही तनातनी के बीच भारत में रह रहीं तीनों बच्चों की मां को फिलहाल पाकिस्तान जाने का वीजा नहीं मिलेगा।

नववधु समेत तीन की सड़क हादसे में मौत

खबर मन्त्र संवाददाता

चतरा। इटखोरी-चतरा मुख्य मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में मौके पर ही तीन महिलाओं की मौत हो गयी। दो बच्चों समेत सात लोग गंभीर रूप से घायल हैं। यह हादसा राजपुर थाना अंतर्गत गंधरिया गांव के पास हुई। सभी भद्रकाली मंदिर से पूजा कर लौट रहे थे। उनका स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गयी। हादसे के शिकार लोगों की पहचान लावालौंग थाना क्षेत्र के रखेद गांव के रहने वालों के रूप में हुई है। मृतकों और घायलों में एक ही परिवार के लोग शामिल हैं। हादसे का कारण चालक को नींद आना बताया जा रहा है। गाड़ी चला रहे चालक ओडिशा पुलिस में होमगार्ड जवान हैं। हादसे में उनकी पत्नी की मौत हो गयी है। जवान की शादी चार दिन पहले ही हुई थी। ससुराल वालों के साथ वह भद्रकाली मंदिर दर्शन को गये थे। घायलों में सभी की हालत गंभीर है। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को रांची रिम्स रेफर कर दिया गया है। ओडिशा के राउरकेला क्षेत्र का रहने वाले यह जवान अब इस हादसे के बाद सदमे में हैं। स्थानीय पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने बताया कि स्कॉर्पियो की रफ्तार तेज थी. संभावना जताया जा रहा है कि चालक को झपकी आने से गाड़ी अनियंत्रित होकर टकराई होगी।

51 हजार से अधिक युवाओं को बांटे गये नियुक्ति पत्र

आपके हाथों में देश का भविष्य : मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली। पीएम मोदी ने 'रोजगार मेला' के तहत शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति-पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं को संबोधित करते हुए युवा शक्ति की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत का युवा आज अपने परिश्रम और इनोवेशन से दुनिया को ये दिखा रहा है कि हममें कितना सामर्थ्य है। अपना दायित्व सही से निभायें------अपने संबोधन में पीएम ने कहा कि केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में 51 हजार से अधिक युवाओं ने आज से अपने दायित्वों की शुरूआत हुई है। आपका दायित्व देश के आर्थिक तंत्र को मजबूत करना है, आपका दायित्व देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करना है, आपका दायित्व देश में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण का है, आपका दायित्व श्रमिकों के जीवन में मूलभूत बदलाव लाने का है। उन्होंने कहा कि जब युवा राष्ट्र के निर्माण में भागीदार होते हैं, तो राष्ट्र तेज विकास भी करता है और विश्व में अपनी पहचान भी बनाता है।

सरकार आपके साथ : भारत का युवा आज अपने परिश्रम और इनोवेशन से दुनिया को यह दिखा रहा है कि हममें कितना सामर्थ्य है। हमारी सरकार हर कदम पर यह सुनिश्चित कर रही है कि देश के युवाओं के लिए रोजगार-स्वरोजगार के अवसर बढ़ें। आज का यह समय भारत के युवाओं के लिए अभूतपूर्व अवसरों का समय है। आईएमएफ ने हाल ही में कहा है कि भारत, दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

पीएम मोदी ने कहा कि इस बजट में सरकार ने मैन्युफैक्चरिंग मिशन की घोषणा की है। इसका उद्देश्य है- 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देना और भारत के युवाओं को ग्लोबल स्टैंडर्ड वाले प्रोडक्ट बनाने का मौका देना। इससे न केवल देश की लाखों एमएसएमई को, हमारे लघु उद्यमियों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि पूरे देश में रोजगार के नए अवसर भी खुलेंगे। (शेष पेज 11 पर)

SHARDA GLOBAL SCHOOL
Affiliated to C.B.S.E (10+2), New Delhi

ADMISSION OPEN FOR STD. XI
Session: 2025-2026

We believe in quality not in quantity

Science: English, Physics, Chemistry, Maths /Bio (any one) IP/PHE/ Economics (any one)
Commerce: English, Accountancy, Business Studies, Economics/ Entrepreneurship (any one) IP/PHE/ Applied Maths (any one)
Humanities: English, History, Sociology, Pol. Science, IP/PHE/Economics (any one)

Additional Subject - PHE/Painting (any one) in all the Stream

- 2nd State Topper CBSE SSE
- The highlight of SSE & AISSE results: 100% First Classes.
- Students Qualified in Mathematics (IOQM 2024) and Qualified for RMO
- Affordable Fee Structure
- Early Dispersal
- Age appropriate, NEP alligned curriculum

Alumni of Sharda Global School are currently studying in IIT Roorki, BITS Pilani Hyderabad, Medical Science RIMS Ranchi, Indian Maritime University. Many more got into different Prestigious Colleges and Universities all over India.

Provisional Admission will be done on the basis of Pre-Board Result

Admission will be confirmed once Board Results are declared.

Add: Bukru, Kanke, Ranchi | Website: shardaglobalschool.com
Contact: 7542983222, 9771435100| E-mail:shardaglobalschool@gmail.com

आरोप : झारखंड में विकराल रूप ले रहा विदेशी घुसपैठ

कांग्रेस-झामुमो ने झारखंड को बारूद के ढेर पर बैठा दिया : बाबूलाल मरांडी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि विदेशी घुसपैठ की समस्या झारखंड में विकराल रूप लेती जा रही है। बांग्लादेशी घुसपैठिए संथाल परगना से बाहर अब कोल्हान में भी तेजी से बसते जा रहे हैं। पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया स्थित गांव में जहां कोई भी मुस्लिम परिवार नहीं रहता, वहां 3 हजार मुस्लिम बच्चों का आधार कार्ड बन जाना झारखंड की आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। मस्जिद मदरसों में घुसपैठिए को शरण देकर उनका अवैध दस्तावेज तैयार किए जाने की सूचना कई बार सामने आ चुकी है, इसके बावजूद हेमंत सरकार बांग्लादेशी घुसपैठ की जांच रुकवाने सुप्रीम कोर्ट तक चली जाती है। वोट बैंक और सत्ता के लालच में झामुमो कांग्रेस ने झारखंड को बारूद के ढेर पर बैठा दिया है। भाजपा झारखंड की संस्कृति और परंपराओं की रक्षा के लिए घुसपैठ के खिलाफ अपनी निर्णायक लड़ाई जारी रखेगी, ताकि मालदा, मुर्शिदाबाद जैसे हालातों से झारखंड को बचाया जा सके।

राज्य के पावर प्लांट को बंद करने की कोशिश कर रहा झामुमो : बाबूलाल

रांची। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि वर्तमान समय में उद्योग, व्यापार और कारखाने पूरी तरह से बिजली पर निर्भर हैं। लेकिन झारखंड में सरकार की विफल नीतियों और राजनीतिक स्वार्थों के कारण उपभोक्ताओं को आवश्यक बिजली आपूर्ति नहीं मिल पा रही है। राज्य में जो बिजली उत्पादन संयन्त्र स्थापित हैं, उसे भी झामुमो-कांग्रेस बंद कराने की कोशिश कर रहा है। मुख्यमंत्री निवेश के नाम पर विदेश यात्राएं कर रहे हैं, जबकि प्रदेश की बिजली व्यवस्था इतनी चरमरा गई है कि विदेशी निवेशकों का आना तो दूर की बात है, यहां काम कर रहे स्थानीय उद्यमी भी जल्द पलायन करने को विवश हो सकते हैं।

झामुमो ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला

देश को किस दिशा में ले जाना चाहती है भाजपा, बताये : विनोद कुमार पांडेय

- झारखंड में घुसपैठ के मुद्दे पर भाजपा द्वारा मचाए जा रहे शोर को पांडेय ने चुनावी प्रोपेगेंडा करार दिया

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सत्तासीन झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता विनोद कुमार पांडेय ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। भाजपा के आरोपों का पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा को स्पष्ट करना चाहिए कि वह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को किस दिशा में ले जाना चाहती है। पांडेय ने भाजपा पर धार्मिक उन्माद फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि देश की जनता अब समझने लगी है कि भाजपा किस प्रकार चुनावी लाभ के लिए समाज में विभाजन करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि बिहार और बंगाल में आगामी चुनावों को देखते हुए भाजपा एक बार फिर अपनी घृणित साम्प्रदायिक राजनीति को हवा देने का प्रयास कर रही है, लेकिन जनता ने झारखंड में हाल ही में हुए लोकसभा और विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन के पक्ष में वोट देकर यह स्पष्ट कर दिया है कि साम्प्रदायिकता की राजनीति का कोई स्थान नहीं है।

झारखंड में घुसपैठ के मुद्दे पर भाजपा द्वारा मचाए जा रहे शोर को पांडेय ने चुनावी प्रोपेगेंडा करार दिया। उन्होंने कहा कि जब केंद्र में भाजपा की सरकार पिछले दस-ग्यारह वर्षों से है, तो अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उन्हीं की है। इसके बावजूद अगर घुसपैठ की घटनाएं हो रही हैं, तो इसका जवाब केंद्रीय गृह मंत्रालय को देना चाहिए।

पांडेय ने पहलगाम आतंकी हमला का हवाला देते हुए कहा कि सुरक्षा में हुई चूक की जिम्मेदारी तय करने के बजाय भाजपा धर्म की आड़ लेकर जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे इस प्रपंच को समझें और संविधान की मूल भावना को बनाए रखने के लिए एकजुट रहें।

आइएएस अमित कुमार जनजातीय कार्य मंत्री के निजी सचिव बने

- केंद्र ने राज्य को भेजा पत्र, अमित कुमार को तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त कर नया कार्यभार ग्रहण करने का निर्देश देने को कहा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड कैडर के 2010 बैच के आईएएस अमित कुमार को जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम का निजी सचिव नियुक्त किया गया है। केंद्र सरकार ने इस संबंध में झारखंड सरकार को पत्र भेजा है। पत्र में कहा गया है कि अमित कुमार को जनजातीय कार्य मंत्री के निजी सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति को पांच वर्ष की अवधि के लिए या सह-अवधि के आधार पर, अथवा अगले आदेश तक (जो भी पहले हो) स्वीकृति प्रदान की गयी है। पत्र में यह भी कहा गया है कि अमित कुमार को तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त कर दिया जाए और उन्हें नया कार्यभार ग्रहण करने का निर्देश दिया जाये।

प्रधानमंत्री युवा 3.0 योजना में देश के युवा दिखायेंगे अपनी प्रतिभा

चयनित लेखकों को छह माह तक हर महीने मिलेंगे 50 हजार रुपये

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत प्रधानमंत्री युवा 3.0 योजना शुरू की है। इसमें 30 वर्ष तक के युवा लेखकों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल रहा है। इस योजना के तहत, चयनित लेखकों को प्रति माह 50,000 रुपये की छात्रवृत्ति छह महीने तक प्रदान की जाएगी।

योजना की मुख्य बातें

इस योजना के तहत तीन विषयों पर लिखने की आजादी है। इनमें राज्य निर्माण में प्रवासी भारतीयों का योगदान, भारतीय ज्ञान प्रणाली और आधुनिक भारत के निमार्ता (1950-2025)। लेख की अधिकतम सीमा 10,000 शब्द है। साथ में 200 शब्दों का सारांश हिंदी या अंग्रेजी में देना होगा।

योजना के फैक्ट फाइल

- 22 आधिकारिक भारतीय भाषाएं और अंग्रेजी
- चयनित लेखकों की संख्या : 50
- कितनी मिलेगी राशि : 6 महीने तक हर माह 50,000 रुपये की छात्रवृत्ति
- पुस्तक प्रकाशन और जीवन भर किताब की बिक्री पर 10% रॉयल्टी
- क्या है आवेदन की प्रक्रिया
- आवेदन की अंतिम तिथि : 10 जून 2025
- प्रविष्टियों का मूल्यांकन : 11 जून से 10 जुलाई 2025 तक
- राष्ट्रीय जूरी की बैठक : 21 से 25 जुलाई 2025
- परिणाम घोषित : 31 जुलाई 2025
- पुस्तक का प्रकाशन : 31 मई 2026 तक

राज्य सेवा के एक अधिकारी को निंदन की सजा, दूसरा दोषमुक्त

- राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी आरके राम को मिली निंदन की सजा जबकि शिवाजी भगतो को किया गया दोषमुक्त

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य सरकार ने राप्रसे के दो अधिकारियों में एक को निंदन की सजा दी है। वहीं, दूसरे अफसर को आरोप मुक्त कर दिया है। खलारी के पूर्व सीओ रवि किशोर राम को निंदन की सजा दी गई है। उन पर आरोप था कि उन्होंने बुकबुका ग्राम में 1.59 एकड़ जमीन का फर्जी तरीके से बलदेव महतो के नाम रसीद काटने में मदद की थी। जांच में पाया गया कि यह जमीन बिहार सरकार के नाम दर्ज है और राम ने 1990 से 2020 तक का लगान रसीद काटने में मदद की थी।

वहीं, ठेठईटांगर सिमडेगा के पूर्व बीडीओ शिवाजी भगत को दोष मुक्त करार दिया गया है। उन पर आरोप था कि उन्होंने बिना प्रभार सौंपे और बिना अनुमति के प्रखंड मुख्यालय से बाहर रहे और रोकड़ पंजी का अद्यतन संधारण नहीं किया। हालांकि, विभागीय कार्यवाही में उनके जवाबों से संतुष्ट होते हुए आरोप मुक्त करने की अनुशंसा की गई थी।

झारखंड में बढ़ी बादलों की आवाजाही, गर्मी से मिलेगी निजात

अगले चार दिनों तक राज्यभर में वज्रपात और ओलावृष्टि का अलर्ट

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। गर्मी से बेहाल झारखंड वासियों के लिए अच्छी खबर है। अगले कुछ दिनों तक बादलों की आवाजाही गर्मी से राहत दिलाएगी। हालांकि, इस दौरान मेघ गर्जन और वज्रपात के साथ-साथ ओलावृष्टि का खतरा बना रहेगा। कहीं-कहीं तेज हवा के साथ हल्की बारिश भी होगी।

मौसम केंद्र, रांची के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव की वजह से मौसम में बदलाव आएगा। लिहाजा, 30 अप्रैल तक झारखंड वासियों को चिलचिलाती गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी। वहीं 27 अप्रैल से पूरे झारखंड के मौसम में बदलाव की संभावना है। सबसे खास बात है कि अगले चार दिनों में पारा में 3 से 5 डिग्री की कमी आने की संभावना है।

अगले चार दिनों तक येलो और ऑरेंज अलर्ट : मौसम केंद्र, रांची ने अगले चार दिनों के लिए अलर्ट जारी किया है। 27 और 28 अप्रैल को ओलावृष्टि और तेज हवा की संभावना को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जबकि 29 अप्रैल और 30 अप्रैल के लिए येलो अलर्ट रहेगा। साथ ही चेतावनी जारी की गयी है कि मेघगर्जन के वक्त पेड़ के नीचे नहीं रुकना है। किसानों को भी खेत में काम करते वक्त सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

इधर कुछ दिनों से राज्यभर में लू चल रहा है। भीषण गर्मी के बीच लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। बिजली की आंख मिचौनी से परेशान लोग गर्मी की मार झेलने के लिए विवश हैं। राजधानी रांची में नामकुम, मोरहाबादी, कोकर, रातू रोड, हरमू, डोरंडा समेत कई इलाकों में बिजली कटती रही। शनिवार को रांची का अधिकतम तापमान 38.6, जमशेदपुर का 42.5, डाल्टेनगंज का 44.1, बोकारो का 38.5 और चाईबासा का 42.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कई जिलों का पारा 40 डिग्री पार पहुंचा

इधर, मौसम में बदलाव की संभावना के बीच पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा गर्मी डाल्टनगंज के लोगों ने झेला। वहां का अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ है। वहीं जमशेदपुर में 42.9 डिग्री सेल्सियस, चाईबासा में 42.4 डिग्री, बोकारो में 42.1 डिग्री, गोड्डा में 42.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ है। इसके अलावा देवघर, गढ़वा, जामताड़ा, पाकुड़ का पारा 40 डिग्री से ज्यादा रहा।

जस्टिस अनुभा रावत चौधरी ने बाल सुधार गृह का किया निरीक्षण

रांची। झारखंड हाईकोर्ट की जस्टिस अनुभा रावत चौधरी ने शनिवार को सिमडेगा सिविल कोर्ट का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने एक उद्यान सह ओपन जिम का उद्घाटन किया। इसके बाद बाल सुधार गृह तथा मंडलकारा का निरीक्षण किया।

जस्टिस चौधरी ने बाल सुधार गृह में बच्चों के रहने, खाने, खेलने और पढ़ने की सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने बच्चों के मानसिक और बौद्धिक विकास को बेहतर तरीके से विकसित करने का निर्देश दिया। जस्टिस चौधरी ने हाल ही में बाल सुधार गृह में एक बच्चे की मौत मामले में जानकारी ली। उन्होंने इस मामले की जांच चलने की बात कही और ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए कई निर्देश दिए। उन्होंने मंडलकारा में जेल की सुरक्षा और बंदियों को मिलने वाली सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए ताकि बंदियों को बेहतर सुविधाएं मिल सके। जस्टिस चौधरी ने बताया कि बाल सुधार गृह में बच्चे की मौत मामले की जांच चल रही है और उन्होंने ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए कई निर्देश दिए हैं।

झारखंड सरकार ने नया नियम लागू कर बढ़ायी शिक्षकों की टेंशन

तीन दिन देर से हाजिरी बनाने पर शिक्षकों का कटेगा सीएल

- नये नियम में 80 उत्कृष्ट विद्यालयों और 325 आदर्श विद्यालयों के शिक्षक फंसे

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। शिक्षकों द्वारा ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर लगातार तीन दिन देर से उपस्थिति बनाने पर इसे एक आकस्मिक अवकाश (सीएल) के रूप में गिना जाएगा। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने इस व्यवस्था को 80 उत्कृष्ट विद्यालयों (सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस) तथा प्रखंड स्तरीय 325 आदर्श विद्यालयों में लागू की है। विभागीय सचिव उमाशंकर सिंह ने इन विद्यालयों के सुचारू रूप से संचालन के लिए शिक्षकों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किया है। इसमें यह व्यवस्था लागू किए जाने की बात कही गई है।

बच्चों की 75 फीसदी उपस्थिति अनिवार्य : शिक्षा सचिव ने इन विद्यालयों में सीबीएसई तथा झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) के मानक के अनुरूप बच्चों की 75 प्रतिशत उपस्थिति भी सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। इसे लेकर उन्होंने प्रत्येक माह 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति वाले बच्चों की पहचान कर प्रधानाध्यापक द्वारा उपस्थिति बढ़ाने को लेकर बच्चों के अभिभावकों को पत्र लिखे जाने के निर्देश दिए हैं। सचिव ने पहले एवं दूसरे शनिवार को क्विज, पेंटिंग, वाद-विवाद प्रतियोगिता आदि अतिरिक्त गतिविधियां आयोजित करने के भी निर्देश दिए हैं।

जैक लेगा 8वीं से 12वीं की एसए-1 तथा एसए-2 परीक्षा

उत्कृष्ट एवं आदर्श विद्यालयों में आठवीं से 12वीं तक समेटिव असेसमेट-1 परीक्षा सितंबर तथा समेटिव असेसमेंट-2 परीक्षा मार्च माह में लिया जाएगा। वहीं, पहले से सातवीं कक्षाओं के लिए ये परीक्षाएं जेसीईआरटी द्वारा संबंधित स्कूल में ही ली जाएगी। हालांकि, मूल्यांकन दूसरे स्कूलों के शिक्षक करेंगे। 10वीं एवं 12वीं प्री बोर्ड-1 परीक्षा दिसंबर तथा प्री बोर्ड-2 परीक्षा जनवरी माह में होगी।

फेल होने पर नपेंगे हेडमास्टर और शिक्षक

सचिव ने बच्चों के बेहतर परिणाम को लेकर भी कई निर्देश दिए हैं। किसी स्कूल में 20 प्रतिशत से अधिक बच्चे असफल हुए तो उसके प्रधानाध्यापक और संबंधित विषय शिक्षक के विरुद्ध कार्रवाई होगी।

चार माह पर जारी होगा बच्चों का रिपोर्ट कार्ड

इन स्कूलों के बच्चों का रिपोर्ट कार्ड प्रत्येक चार माह पर ऑनलाइन जारी होगा। उसे संबंधित छात्र-छात्रा के अलावा उनके अभिभावक भी देख सकेंगे।

मंत्री हफीजुल हसन और आतंकवादियों की सोच में अंतर नहीं : बाबूलाल

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने फिर एक बार फिर मंत्री हफीजुल हसन पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मंत्री ने विगत दिनों ये कहा था कि वे संविधान से ऊपर शरिया कानून को मानते हैं। शरिया उनके दिल में बसता है। मंत्री जी यहीं नहीं रुके बल्कि चार कदम आगे बढ़कर यह भी कहा था कि मुसलमान सब्र में है कब्र में नहीं। सड़क पर उतरेगा तो मार काट होगा। उन्होंने कहा कि यही भाषा तो पिछले दिनों पहलगाम में आतंकवादियों ने कही। परिवार के साथ खुशियां मनाते पर्यटकों से हिन्दू मुसलमान को अलग अलग खड़ा किया, उनके धर्म पूछे, उनके कपड़े उतरवाए, कलमा पढ़ने को कहा और फिर जो हिंदू थे, उन्हें उनके परिवार के सामने गोलियों से भून डाला। आतंकवादियों ने तो संविधान की शपथ नहीं ली थी लेकिन यहां तो संविधान की शपथ लेकर मंत्री शरिया की बात कर रहे हैं। ऐसी बयानबाजी के बाद भी सीएम की चुप्पी समझ से परे है। स्पष्ट है कि इंडी गठबंधन सत्ता के लिए तुष्टीकरण राजनीति में डूबा है। श्री मरांडी ने हफीजूल हसन को मंत्रिमंडल से बाहर करने की मांग की।

पांच से कम ग्रेडिंग को खराब और 8-10 ग्रेडिंग वाले अधिकारी माने जायेंगे आउटस्टैंडिंग

निबंधन सेवा के अधिकारियों को देना होगा वर्क परफॉरमेंस का विस्तृत ब्योरा

- 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च तक का परफॉरमेंस मूल्यांकन जमा करना है

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड के निबंधन सेवा के अधिकारियों को भी अपना गोपनीय अभ्युक्ति ऑनलाइन समर्पित करना होगा। राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग ने गाइडलाइन जारी करते हुए करते हुए दिशा-निर्देश दिया है। इसी, आलोक में ऑनलाइन गोपनीय अभ्युक्तियों जमा करने का निर्देश राज्य सचिववालय से लेकर जिला स्तर के निबंधन सेवा के अधिकारियों को दिया गया है। विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 वर्ष का दिनांक 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च तक परफॉरमेंस मूल्यांकन प्रतिवेदन पीएआर जमा करने को कहा गया है। एचआरएमस के माध्यम से इसे ऑनलाइन समर्पित करने को कहा गया है। पीएआर संबंधित पदाधिकारियों के उचित माध्यम से समर्पित किए जाने के बाद उसका प्रमाण पत्र निर्गत किया जायेगा।

सभी निबंधन पदाधिकारियों का ग्रेडिंग जारी होगा। ग्रेडिंग देने वाले पदाधिकारी से निष्पक्षता की उम्मीद की गयी है। व्यर्थ की निंदा, आवांछित जानकारी विहित प्रपत्र नहीं देना है। यदि प्रतिवेदक पदाधिकारी द्वारा निर्धारित अवधि तक कार्य निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्ट जमा नहीं किया जायेगा तो विभाग ने स्पष्ट किया है कि ऐसे पदाधिकारी के प्रमोशन्न, वृति उन्नयन के दुष्प्रभाव के लिए स्वंय जिम्मेदार होंगे। वहीं, प्रतिवेदक पदाधिकारी समय पर अपना कार्य नहीं करते तो उनपर अनुशासात्मक कार्रवाई की जायेगी।

वहीं, ऐसे पदाधिकारी जिनको अनुसूचित जाति, जनजाति के कल्याण से संबंधित कार्य देखने हो तो उनके वार्षिक कार्य निष्पादन मूल्यांकन प्रतिवेदन में यह देखा जायेगा की उन्हें एसटी, एससी के कल्याण के लिए कुछ कार्य किया है की नहीं।

क्या है दिशा निर्देश

- वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए परफॉरमेंस मूल्यांकन प्रतिवेदन (पीएआर) जमा करना अनिवार्य है।
- पीएआर ऑनलाइन जमा करना होगा, जिसके बाद प्रमाण पत्र निर्गत किया जाएगा।
- सभी निबंधन पदाधिकारियों का ग्रेडिंग किया जाएगा, जो उनके प्रमोशन और वृति उन्नयन पर प्रभाव डालेगा।

ग्रेडिंग और मूल्यांकन

- पीएआर पांच भागों में होगा, जिसमें कार्य निष्पादन, गुणों और क्षमता, और कार्यालय क्षमता का मूल्यांकन किया जाएगा।
- ग्रेडिंग के आधार पर पदाधिकारियों को प्रतिकुल, अच्छा, बहुत अच्छा, या उत्कृष्ट माना जाएगा।

समय सीमा और परिणाम

- पीएआर जमा करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल है, और इसके बाद समीक्षी पदाधिकारी और स्वीकरण पदाधिकारी अपनी अभ्युक्तियों को लिखेंगे।
- समय पर पीएआर जमा नहीं करने वाले पदाधिकारियों के प्रमोशन और वृति उन्नयन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

निष्पक्षता और जवाबदेही भी तय

- ग्रेडिंग देने वाले पदाधिकारियों से निष्पक्षता की उम्मीद की गई है, और उन्हें व्यर्थ की निंदा या आवांछित जानकारी नहीं देनी है।
- प्रतिवेदक पदाधिकारी समय पर अपना कार्य नहीं करते हैं तो उन पर अनुशासात्मक कार्रवाई की जाएगी।

आतंकवादी संगठन से जुड़े लोगों की पैरवी न करें अधिवक्ता

झारखंड पुलिस को सदन विकास परिषद ने दी बधाई

रांची। सदन विकास परिषद के केंद्रीय अध्यक्ष प्रो पांडे हिमांशु नाथ राय एवं डॉ सत्य प्रकाश मिश्रा ने कहा है कि झारखंड के पुलिस पदाधिकारी भी काफी सक्रिय हैं। राज्य के कई जिलों में एटीएस के द्वारा छापेमारी में आतंकवादी संगठनों से जुड़े कई लोगों को रांची और धनबाद सहित कई जिलों से गिरफ्तार किया गया है। झारखंड पुलिस पदाधिकारी को परिषद ने बधाई देते हुए देश हित में सभी अधिवक्ताओं से अपील की है ऐसे अपराधी जिनकी साठ-गांठ पाकिस्तान आतंकवादी या अन्य आतंकवादी संगठन से है ऐसे अपराधियों को किसी भी न्यायालय में इनकी पैरवी कोई अधिवक्ता ना करें। देश हित में झारखंड के साथ-साथ देश के सभी अधिवक्ताओं से अपील है कि आतंकवादी संगठन से जुड़े लोगों का कोई भी मुकदमा में कोर्ट में अधिवक्ता के रूप में पैरवी ना करें ना करें

रांची स्टेशन पर टिकट काउंटर बढ़ाने की मांग

- लोहरदगा रूट पर दिन में नयी ट्रेन सेवा शुरू करने की मांग

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। दक्षिण पूर्व रेलवे रांची मंडल की सलाहकार समिति के सदस्य अजय राय ने ईस्टर्न रेलवे सलाहकार समिति की बैठक में यात्रियों की समस्याओं, सुझावों एवं शिकायतों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने रेलवे प्रशासन से आम यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और सेवा में सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर त्वरित कार्रवाई की मांग की। श्री राय ने रांची स्टेशन पर टिकट काउंटर की संख्या में वृद्धि करने का आग्रह किया। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए नामकुम स्टेशन पर कम-से-कम दो टिकट काउंटर स्थापित करने की मांग की। इसके अलावा यात्रियों की सुविधा को लेकर लोहरदगा-रांची मार्ग पर दिन के समय ट्रेन सेवा शुरू करने का सुझाव दिया। वहीं स्टेशन पर अव्यवस्थित दुकानों के बीच यात्रियों को बैठने की समुचित व्यवस्था करने की आवश्यकता भी जोर दिया गया। वहीं जयनगर एक्सप्रेस को प्रतिदिन चलाने की मांग रखी गयी। चर्चा रही कि जनशताब्दी एक्सप्रेस को लोहरदगा तक बढ़ाने से यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा।

सभी स्टेशनों पर साफ-सफाई की नियमित निगरानी और कर्मचारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने की बात कही गई। अजय राय ने कहा कि ये सभी मांगें आम जनता की आवाज है। रेलवे प्रशासन को इन पर शीघ्र कार्रवाई करनी चाहिए, जिससे यात्रियों को बेहतर सेवा और सुविधाएं मिल सके।

जेएसएलपीएस की सीइओ ने किया आरसेटी केंद्र का दौरा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। जेएसएलपीएस की मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी (सीईओ) कंचन सिंह ने शनिवार को आरसेटी केंद्र रांची का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र की गतिविधियों का जायजा लिया। प्रशिक्षण व्यवस्था की समीक्षा करते हुए इसके बेहतर संचालन के लिए कई जरूरी बातें बतायीं। कंचन सिंह ने जिला टीम को निर्देश दिया कि सभी प्रशिक्षण समय पर और अच्छे ढंग से पूरे होने चाहिए। साथ ही, उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा युवाओं को प्रशिक्षण से जोड़ने के लिए गांव-गांव जाकर जागरूकता अभियान चलाये। कंचन सिंह ने यह भी कहा कि केंद्र से जुड़ी सभी जानकारी क्लस्टर लेवल फेडरेशन (सीएलएफ) के माध्यम से साझा की जाये, ताकि हर स्तर पर पारदर्शिता और समन्वय बना रहे। इस दौरे में उन्होंने प्रशिक्षण ले रहे युवाओं से भी बात की, उनके अनुभव जाने और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

झारखंड राज्य आवास बोर्ड की नयी योजना के तहत 10 हजार जरूरतमंदों को मिलेगा घर

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड राज्य आवास बोर्ड ने सस्ते और सुलभ रुप से घर या जमीन देने की वृहद योजना बनाई है। इसके तहत अगले एक साल के अंदर करीब 10 हजार लोगों को घर आवंटित किया जायेगा।

रांची में हाल ही में लॉटरी के जरिए आवास आवंटन का कार्य पूरा होने के बाद आवास बोर्ड ने रांची के अलावे अन्य प्रमुख शहर में भी बने आवास और जमीन को आवंटित करने का निर्णय लिया है। झारखंड राज्य आवास बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान ने बताया है कि मई में हजारीबाग में रांची की तरह लॉटरी के जरिए बने आवास और भूखंड को आवंटित करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके बाद धनबाद, जमशेदपुर जैसे राज्य के विभिन्न शहरों में लोगों को आवास मुहैया कराया जाएगा।

धुर्वा में बनाये जायेंगे हजारों आवास, जमीन भी आवंटित करेगा बोर्ड

आवास बोर्ड के द्वारा रांची के धुर्वा में करीब 86 एकड़ में न्यू टाउनशिप बनाने का निर्णय लिया है। इस नये आवासीय परिसर में 5500 फ्लैट निर्माण होगा। जिसमें सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान की मानें तो इस नये टाउनशिप में वन बीएचके, टू बीएचके, एलआईजी, एमआईजी, एचआईजी जैसे फ्लैट बनेंगे। इसका प्रपोजल को कैबिनेट में मंजूरी के लिए भेजा गया है। इसके अलावा पुराना विधानसभा परिसर के पीछे करीब 5 एकड़ जमीन को प्लाटिंग कर बेचने की तैयारी की गई है। बोर्ड अध्यक्ष की मानें तो नये मार्केटिंग कॉम्पलेक्स निर्माण से लेकर पुराने भवनों को आवंटित किया जाएगा।

डीसी को चार सप्ताह में जमीन पर दखल दिलाने का निर्देश

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखड हाईकोर्ट ने रांची के उपायुक्त को हरमू हाउसिंग कॉलोनी के एक भूखंड पर चार सप्ताह के अंदर प्रार्थी को कब्जा दिलाने का निर्देश दिया है। कब्जा दिलाने के बाद उपायुक्त को इसकी जानकारी कोर्ट को देनी होगी। प्रार्थी जयप्रकाश सिंह की याचिका पर सुनवाई करने के बाद जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की अदालत ने यह निर्देश दिया। याचिका में कहा गया है कि प्रार्थी ने हरमू हाउसिंग कॉलोनी में आवास बोर्ड से 1500 वर्गफीट का भूखंड लिया है। इसकी राशि जमा कर दी गयी है। वर्ष 2011 में भूखंड प्रार्थी को आवंटित कर दिया गया है। प्रार्थी का कहना है कि भूखंड पर कई असमाजिक लोगों की ओर से अवरोध किया गया है। अभी तक आवास बोर्ड ने उसे जमीन पर कब्जा नहीं दिलाया है। आवास बोर्ड की ओर से कहा गया है कि यह जमीन जहां है जैसा है की शर्त पर आवंटित किया गया है। इस मामले की अगली सुनवाई 12 जून को होगी।

सिरमटोली सरना स्थल: सरकार की तानाशाही के खिलाफ उबाल

आज फूंका जायेगा मुख्यमंत्री का पुतला

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सिरमटोली सरना स्थल के सामने बन रहा रैंप और काम शुरू करने के विरोध में राज्य सरकार के खिलाफ आदिवासी संगठनों का आंदोलन थमने का नाम नहीं ले रहा है। आदिवासी संगठन के प्रतिनिधियों ने कहा कि रविवार को सीएम हेमंत सोरेन का अल्बर्ट एक्का चौक के सामने पुतला जलाया जायेगा। पूर्व शिक्षा मंत्री गीताश्री उरांव ने कहा कि रैंप पर दोबारा काम शुरू हुआ है। आज भी विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। सरना स्थल के सामने रैम्प निर्माण के विरोध में आदिवासी समाज ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। समाज के नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार आदिवासियों की आस्था और अधिकारों का दमन कर रही है। प्रेम शाही मुंडा ने कहा कि रैम्प शुरू करने के नाम पर सरकार तानाशाही रवैया अपना रही है। अगर आदिवासी समाज नाराज हुआ, तो सत्ता में फिर कभी वापसी नहीं होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि आदिवासी विधायकों में भी रैम्प मामले जैसे गंभीर मामलों पर आवाज उठाने की हिम्मत नहीं रही। प्रेम शाही मुंडा ने चेतावनी दी कि जनता के बीच जाकर धर्म के मसले पर आर-पार की लड़ाई लड़ी जायेगी। वहीं सीएम आवास का घेराव और पुतला दहन व राज्यस्तरीय आंदोलन करने का निर्णय लिया गया। कुंदरसी मुंडा ने सिरमटोली सरना स्थल विवाद का जिक्र करते हुए कहा, सरकार दस फीट जमीन जबरन अधिग्रहित कर रही है। यह जमीन आदिवासियों की है। इसे किसी भी कीमत पर वापस लिया जाएगा। आंदोलन का बिगुल बज चुका है।

गैंगरेप के सजायाफ्ता ने किशोर का लाभ लेने को याचिका दायर की

रांची। नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी कांके की छात्रा के साथ गैंगरेप मामले के सजायाफ्ता राजन उरांव की याचिका पर सुनवाई पूरी करने के बाद हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। प्रार्थी ने खुद को नाबालिग बताते हुए हाईकोर्ट से जुबेनाइल जस्टिस एक्ट का लाभ देने का आग्रह किया है। सुनवाई के दौरान राजन उरांव की ओर से कहा गया कि घटना के समय उसकी उम्र 18 वर्ष से कम थी, इसलिए जुवेनाइल जस्टिस प्रोटेक्शन एक्ट के तहत उसे लाभ देना चाहिए। सरकार की ओर से इसका विरोध करते हुए कहा गया कि जुबेनाइल के संबंध में छह साल बाद क्रिमिनल अपील में अपीलकर्ता ने मामला उठाया है।

बता दें कि रांची की एक फास्ट ट्रैक अदालत ने एनएलयू की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में 11 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

अबुआ साथी जन शिकायत नंबर पर प्राप्त शिकायतों का सात दिनों में निष्पादन करें

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। डीसी मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर शनिवार को समाहरणालय में अबुआ साथी जन शिकायत व्हाट्सएप न.- 9430328080 पर प्राप्त शिकायतों के त्वरित गति से निष्पादन के लिए समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में परियोजना निदेशक पीडीआइटीडीए रांची, संजय कुमार भगत ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं सम्बंधित पदाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से चर्चा की।

बैठक में दिए गए निर्देश कि अबुआ साथी जन शिकायत व्हाट्सएप न.- 9430328080 पर प्राप्त सभी शिकायतों का नियमानुसार निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर कराने का निर्देश दिया गया। जिन कार्यालयों में अधिक शिकायतें लंबित हैं, उन्हें एक सप्ताह के अंदर शिकायतों को निष्पादित करने का निर्देश दिया गया। संजय कुमार भगत ने कहा कि अबुआ साथी जन शिकायत न. पर प्राप्त जन शिकायतों का निष्पादन करना सभी सम्बंधित पदाधिकारियों की पहली प्राथमिकता है। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य अबुआ साथी जन शिकायत न. पर प्राप्त शिकायतों का त्वरित गति से निष्पादन करना है, ताकि आम जनता की समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द हो सके। इस बैठक में सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा राँची सह नोडल पदाधिकारी शिकायत कोषांग, रविशंकर मिश्रा एवं जिला विज्ञान पदाधिकारी राँची, राजीव कुमार एवं सम्बंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

जन शिकायत की स्थिति : अब तक कुल-3414 शिकायतें मिली, जिसमें से कुल- 1246 शिकायतों का निष्पादन किया गया और कुल-2168 शिकायतें लंबित हैं।

उपायुक्त ने वेब पत्रकारों से लिया सुझाव

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने शनिवार को 'न्यू मीडिया के साथ एक संवाद' कार्यक्रम में वेब पत्रकारों से सीधी बातचीत की गयी। समाहरणालय स्थित उपायुक्त सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न डिजिटल मीडिया के मीडियाकर्मी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान डीसी भजन्त्री द्वारा समाज में डिजिटल मीडिया के प्रभाव का जिक्र करते हुए कहा गया कि आज के समय में पूरे विश्व में डिजिटल मीडिया खबरों के संकलन और पाठकों तक पहुंचाने का सबसे मजबूत माध्यम है। तेजी से खबर लोगों तक पहुंचाने के साथ इंटरनेट के माध्यम से कई अलग प्लेटफॉर्म भी मौजूद है। उन्होंने सरकार की विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावशाली तरीके से आमजन तक पहुंचाने का अनुरोध किया। डिजिटल मीडिया तेज जरुर है, लेकिन इसे संपादन से जरुर गुजरना चाहिए। उन्होंने खबरों की सत्यता परखते हुए समाज के हित में कार्य करने का अनुरोध पत्रकारों से किया। जिला प्रशासन द्वारा जनहित के लिए किये जा रहे कार्यों को भी उपायुक्त द्वारा किया गयाा साझा किया। जिला में बेहतर व्यवस्था के लिए पत्रकारों द्वारा भी कई सुझाव दिये गये जिस पर उपायुक्त द्वारा आवश्यक कदम उठाने की बात कही गयी।

संविधान बचाओ रैली की तैयारी को लेकर प्रदेश कांग्रेस ने नेताओं को दी जिम्मेवारी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। संविधान बचाओ रैली की तैयारी को लेकर झारखंड प्रदेश मीडिया विभाग एवं कांग्रेस कोटे के बोर्ड निगम के अध्यक्ष एवं सदस्यों की बैठक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में शनिवार को हुई। प्रदेश अध्यक्ष ने उपस्थित सदस्यों को विभिन्न कार्यों का प्रभार दिया।

प्रदेश प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि वर्तमान राजनीतिक स्थिति के अनुसार पूरे देश में संविधान बचाओ रैली का आयोजन किया गया है। आगामी 3 मई को रांची के पुराना विधानसभा मैदान में रैली आयोजित की जा रही है। रैली में अखिल भारतीय कांग्रेस के वरीय नेताओं को आमंत्रित किया गया है,

बैठक में पूरे प्रदेश स्तर पर मीडिया, सोशल मीडिया सहित अन्य प्रचार प्रसार माध्यमों के द्वारा रैली के मुद्दों को व्यापक स्तर पर जनता के बीच प्रमुखता से रखने का निर्णय लिया गया। इस क्रम में प्रमंडल स्तर पर संवाददाता सम्मेलन का आयोजन तथा शहर के सभी चौक चौराहों पर होर्डिंग आदि के माध्यम से रैली का प्रचार प्रसार करने के संबंध में निर्देश दिया गया। वहीं जिला अध्यक्षों को भी इस संदर्भ में प्रचार प्रसार करने का निर्देश दिया गया। सोनाल शांति ने बताया कि देश में केंद्र सरकार द्वारा ईडी, सीबीआई एवं चुनाव आयोग आदि संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता छीनने का प्रयास, सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी को नेशनल हेराल्ड के झूठे केस में फसाने, न्यायपालिका को परोक्ष रूप से धमकाने, संविधान के बदलाव के प्रयास का विरोध रैली का मुख्य मुद्दा है।

बैठक में रविंद्र सिंह, संजय लाल पासवान, राजीव रंजन प्रसाद, कुमार गौरव, राकेश सिन्हा, सतीश पौल मुजनी, किशोर शाहदेव, सोनाल शांति, डॉ एम तौसीफ, अभिलाष साहू, निरंजन पासवान, जगदीश साहू, उज्जवल तिवारी, सूर्यकांत शुक्ला, खुर्शीद हसन रूमी,कृतिका पांडे, राजन वर्मा, अमरेंद्र सिंह शामिल थे।

अधिवक्ता परिषद ने प्रस्ताव की प्रति राज्यपाल को सौंपी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। अधिवक्ता परिषद, झारखंड का नौ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार मिश्र के नेतृत्व में शानिवार को राज्यपाल संतोष गंगवार से राजभवन में मिला। प्रतिनिधिमंडल ने एकान्टिबिलिटि ऑफ इन्डिपेन्डेन्ट जुडिशियरी विषयक प्रस्ताव की प्रति समर्पित करके उसे राष्ट्रपति और भारत के मुख्य न्यायाधीश को प्रेषित करने का अनुरोध किया। 13 अप्रैल को विजयवाड़ा में संपन्न राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में पारित प्रस्ताव की प्रतियां सभी अनुमंडल पदाधिकारियों उपायुक्तों एवं आयुक्तों को ज्ञापन स्वरूप दिया गया। पारित प्रस्ताव में न्यायिक सुधार करते हुए न्यायिक सेवा में नियुक्ति को और पारदर्शी बनाने के लिए नया विधेयक लाने, जब तक नया कानून न बने तब तक वर्तमान कॉलेजियम जारी रखने, सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक स्थायी समिति पूर्व मुख्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश व विख्यात ब्यक्ति को शामिल करके न्यायालय के कार्यों पर जिम्मेदारियों को देखने की मांग है। अगर तत्काल इस समिति नहीं बनाई जा सकती है, तो लोकपाल के अधिकार क्षेत्र में उसे लाया जाये। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रिश्तेदार व परिवार के सदस्य जहां वकालत करते हों, वहां से उनका स्थानांतरण हो। अगर सर्वोच्च न्यायालय के रिश्तेदार का मामला हो तो उनके अवकाश प्राप्ति तक वकालत न करें। अवकाश प्राप्त होने के उपरांत तीन वर्षों का कुलिंग पीरियड हो। दोनों शीर्ष न्यायालय में अवकाश ग्रहण करने की उम्रसीमा एक समान हो। सर्वोच्च व उच्च न्यायालय के न्यायाधीश व उनके परिवार के सदस्यगण, प्रत्येक वर्ष अपनी सम्पत्तियों का विवरण वेबसाइट पर डालें।

खबर एक नजर में

लोक अदालत में 190 मामले निष्पादित

रांची। डालसा के बैनर तले सिविल कोर्ट रांची में आयोजित मासिक लोक अदालत में शनिवार को 190 वादों का निष्पादन किया गया। मौके पर 23 लाख 99 हजार रुपए से अधिक का सेटलमेंट हुआ। मामलों के निष्पादन को लेकर 8 बेंच का गठन किया गया था। वहीं, 10 मई को आयोजित होनेवाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी में डालसा लगा हुआ है।

ओरमांझी और मेसरा क्षेत्र में वाहनों की जांच

रांची। जिला परिवहन पदाधिकारी रांची अखिलेश कुमार के पर्यवेक्षण में ओरमांझी एवं मेसरा क्षेत्र में लगभग 113 वाहनों के कागजातों यथा टैक्स, फिटनेश, इंश्यारेन्स, प्रदूषण प्रमाण पत्र, परमिट, ड्राईविंग लाईसेंस, ओभरलोड आदि की जांच की गई। जांच के दौरान कागजात पूर्ण नहीं रहने के कारण कुल 12 वाहनों से 155500 रुपया का दंड अधिरोपित किया गया।

एसआर डीएवी पुंदाग में नये प्राचार्य ने पदभार लिया

रांची। एसआर डीएवी पब्लिक स्कूल पुंदाग के प्राचार्य एसके मिश्र का स्थानांतरण डीएवी पब्लिक स्कूल, बोकारो, सेक्टर-4 के प्राचार्य के रूप में होने के कारण एसआर डीएवी पुंदाग परिवार ने उन्हें विदाई दी। साथ ही नए प्राचार्य डॉ तापस घोष ने प्राचार्य का पदभार ग्रहण किया, जो पूर्व में डीएवी पब्लिक स्कूल, बरियातू में प्राचार्य के रूप में महत्त्वपूर्ण सेवा प्रदान कर चुके हैं। उन्हें दिल्ली पब्लिक स्कूल, रांची में भी विज्ञान के वरिष्ठ शिक्षक के रूप में कार्य करने का दीर्घकालीन अनुभव प्राप्त है। वे विगत तीस वर्षों से अध्ययन-अध्यापन से जुड़े रहे हैं। उनकी योग्यता तथा समर्पण को देखते हुए उन्हें स्कूल तथा राज्य स्तर पर उत्कृष्ट विज्ञान शिक्षक का सम्मान भी प्राप्त हो चुका है।

निर्मला कॉन्वेंट हाई स्कूल में डॉगिंग टेबल तथा गणित और विज्ञान क्विज प्रतियोगिता

रांची। निर्मला कॉन्वेंट हाई स्कूल एदलहातू में डॉगिंग टेबल तथा गणित और विज्ञान क्विज कॉम्पिटिशन का आयोजन किया गया। मौके पर विद्यालय की सचिव सीमा शर्मा ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता के आयोजन से बच्चों में आत्मविश्वास तथा एक अच्छे वक्ता के गुणों का विकास होता है। वहीं, प्राचार्य विजय कुमार शर्मा ने कहा कि विद्यालय में डॉगिंग टेबल तथा गणित और विज्ञान क्विज कंपटीशन आयोजित करने का उद्देश्य बच्चों में स्मरण शक्ति के विकास करने के साथ-साथ गणित के प्रश्नों को तेजी से हल करने में दक्ष बनाना है। मौके पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय रैंक लाने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

स्व. लेखानंद झा की पुण्यतिथि मनी

रांची। बाबा विद्यापति स्मारक समिति के कार्यालय में शनिवार को मैथिल समाज के भीष्म पितामह स्व लेखानंद झा की प्रथम पुण्यतिथि मनायी। समिति के अध्यक्ष जयंत झा ने कहा कि मैथिल समाज के भीष्म पितामह, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं सामाजिक न्याय के सिद्धांतो पर जीवन पर्यंत चलने वाले स्वर्गीय लेखानंद झा सम्पूर्ण मैथिलवासी के लिए प्रेरणाश्रोत थे। उन्होंने अपने जीवन में मैथिल सभ्यता-संस्कृति के संरक्षण की दिशा में अपना पूरा जीवन लगा दिया। उन्होंने यह भी बताया कि स्व लेखानंद झा 50 वर्षों से रांची सिविल कोर्ट में सेवा दे चुके थे। इसके लिए उनको रांची जिला बार एसोसिएशन ने सम्मानित भी किया था। उन्होंने बताया कि स्वर्गीय लेखानंद झा मैथिल भाषा को झारखण्ड राज्य के नियोजन नीति में शामिल करने के लिए लगातार संघर्षशील रहे, जिसकी लड़ाई अभी भी झारखण्ड हाई कोर्ट चल रही है। इस कार्यक्रम में 51 ब्राम्हणों सहित सैकड़ों लोगों को भोजन कराया गया। मौके पर ज्ञानदेव झा, उदित नारायण ठाकुर, अंजनीकांत झा, जितेंद्र मिश्र, पवन सोनी, पंकज कुमार राय, सुमन कुमार झा, राजेश झा, राधेश्याम यादव, विजय यादव, अनूप झा, रंजीत कुमार लाल दास, सुमन कुमार, विनय कुमार आदि मौजूद थे।

एनएसयूआई ने किया क्यूआर कोड जारी छात्रों की समस्याओं का होगा समाधान

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड प्रदेश एनएसयुआई के द्वारा प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के सभागार में शनिवार को हम बदलेंगे पोस्टर का विमोचन किया गया। पोस्टर लॉन्चिंग के माध्यम से हम बदलेंगे झारखंड का क्यूआर कोड जारी किया गया है। जिसके माध्यम से सभी विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों से जुड़ने का काम किया जाएगा। इसके माध्यम से परीक्षा परिणाम में देरी, रजिस्ट्रेशन की त्रुटियां, छात्रवृत्ति से संबंधित अडचने, विद्यार्थियों के साथ भेदभाव, हॉस्टल, पुस्तकालय, वाई-फाई, कक्षाएं आदि से जुड़े समस्याएं हेतु विद्यार्थी अपनी बातों को सीधा झारखंड प्रदेश कार्यालय पहुंचा सकेंगे। हम बदलेंगे झारखंड के तहत ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों से जुड़ने के लिए राज्य के सभी विश्वविद्यालय का एनएसयुआई प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में भ्रमण किया जाएगा।

पोस्टर लॉन्चिंग के दौरान झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि एनएसयुआई की यह मुहिम लाभकारी साबित होगी। वही एनएसयुआई के प्रदेश अध्यक्ष विनय उरांव ने कहा कि हम बदलेंगे झारखंड के तहत राज्य के सभी विश्वविद्यालय में भ्रमण कर छात्रों के साथ संवाद किया जाएगा, एवं कुलपति को समस्याओं की सूची दी जायेगी और उसके समाधान की बात कही जाएगी।

पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में युवा आयोग के अध्यक्ष कुमार गौरव, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद, आवास बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान, अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम, एससी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष केदार पासवान, ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष अभिलाष साहू, एनएसयुआई प्रदेश उपाध्यक्ष संकेत सुमन, अमन अहमद, एनएसयुआई प्रदेश संगठन महासचिव मुशर्रफ हुसैन, एनएसयूआई प्रदेश महासचिव वजाहत उल्लाह, प्रदेश सचिव अंकिता शिखर आदि उपस्थित थे।

दाल-भात योजना : अनाज आपूर्ति के लिए निविदा जारी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची जिला प्रशासन ने मुख्यमंत्री दाल-भात योजना के तहत वर्ष 2025-26 के लिए चावल, दाल और सोयाबीन बड़ी की आपूर्ति के लिए निविदा (टेंडर) आमंत्रित की है। जिला आपूर्ति शाखा से जारी सूचना के अनुसार, टेंडर के माध्यम से जिले के 18 प्रखंडों और 12 नगर निकाय क्षेत्रों में संचालित दाल-भात केंद्रों के लिए खाद्यान्न की आपूर्ति करनी है। टेंडर भरने की प्रक्रिया 4 मई 2025 को सुबह 11 बजे से शुरू होगी और दोपहर 1 बजे तक आवेदन स्वीकार किये जायेंगे। इसमें भाग लेने के इच्छुक आपूर्तिकर्ताओं को 3300 आवेदन शुल्क और 7000 जमानत राशि के रूप में जमा करना होगा। जिला प्रशासन ने सभी पात्र आपूर्तिकर्ताओं से समय पर निविदा प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की है, ताकि मुख्यमंत्री दाल-भात योजना के तहत जरूरतमंदों को सुचारू रूप से भोजन उपलब्ध कराया जा सके।

इच्छुक आपूर्तिकर्ता जिला आपूर्ति कार्यालय, रांची से संपर्क कर सकते हैं और निर्धारित तिथि पर निविदा जमा कर सकते हैं। प्रशासन ने बताया है कि अनाज की गुणवत्ता अच्छी होनी चाहिए और तय समय पर आपूर्ति करनी होगी। नियमों का पालन नहीं करने पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

एनयूएसआरएल, रांची ने मनाया 16वां स्थापना दिवस

15 विद्यार्थियों को मिली मेधा और खेल छात्रवृत्ति

खबर मन्त्र डेस्क

रांची। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ (एनयूएसआरएल), रांची का 16वां स्थापना दिवस शनिवार को सादगीपूर्ण तरीके से मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एवं कुलाधिपति माननीय न्यायमूर्ति एमएस रामचंद्र राव थे। विशेष अतिथि के रूप में न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद, महाधिवक्ता राजीव रंजन और उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री उपस्थित रहे। मौके पर कुलपति प्रो. अशोक आर. पाटिल ने यूनिवर्सिटी की उपलब्धियों, चुनौतियों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की रैंकिंग में सुधार हुआ है और यह शीर्ष 10 राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों की ओर अग्रसर है। महाधिवक्ता राजीव रंजन ने छात्रों को जिला एवं सत्र न्यायालयों की ओर भी प्रेरित करने की आवश्यकता पर बल दिया। न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद ने विश्वविद्यालय के आरंभिक दिनों की स्मृतियों को साझा करते हुए शिक्षकों और कर्मचारियों की मेहनत की सराहना की।

मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति एमएस रामचंद्र राव ने कहा कि विश्वविद्यालय सामाजिक जिम्मेदारी और कानूनी सेवा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि कानूनी शोध और विशेषज्ञता आज के समय में विशेष महत्व रखती है, और एनयूएसआरएल इस दिशा में सराहनीय कार्य कर रहा है। समारोह के दौरान विश्वविद्यालय में 200 मेगावाट के नए सोलर पावर प्लांट का उद्घाटन हुआ। साथ ही एक नया पावर हाउस भी शुरू किया गया।

इस दौरान एनयूएसआरएल और सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के 35 छात्र और 13 टीमों को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही 15 छात्रों को मेरिट और खेल छात्रवृत्ति दी गई तथा 10 वर्ष से अधिक सेवा देने वाले शिक्षकों और कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। असिस्टेंट रजिस्ट्रार डॉ. जीसु केतन पटनायक ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

पहलगाम आतंकी हमला मामले में कोडरमा से एक संदिग्ध पकड़ाया

धनबाद का रहने वाला युवक अपने फूफा के यहां छिपा था

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमला के मामले में झारखंड एटीएस ने शनिवार को कोडरमा में भी छापामारी की। वहीं धनबाद में एक दंपति सहित आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लिए जाने के बाद मिली जानकारी के आधार पर एटीएस रांची की टीम ने कोडरमा के वंसुधरा पेट्रोल पंप के सामने स्थित दर्जी चक इलाके से एक संदिग्ध युवक को पकड़ा। पकड़े गए युवक की पहचान 20 वर्षीय मो.शहजाद आलम पिता मो.मिनहाज आलम निवासी धनबाद के रूप में की गई है। वह धनबाद के अमन सोसायटी गेट नंबर चार भूली बाईपास में अपने परिवार के साथ रहता था, पर शुक्रवार की शाम को ही कोडरमा स्थित अपने फूफा के घर पहुंचा था। वहीं एटीएस के द्वारा शनिवार सुबह करीब पांच बजे युवक को पकड़ा गया तो इलाके के लोगों को कुछ देर तक कुछ समझ में नहीं आया। बाद में पता चला कि आतंकी हमला मामले में संदिग्ध युवक को पकड़ा गया है। हालांकि इस मामले में कोडरमा पुलिस के वरीय अधिकारी कुछ भी बताने से बच रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार एटीएस रांची की टीम सुबह में पांच गाड़ियों से कोडरमा पहुंची और युवक को पकड़ा, युवक यहां अपने फूफा के यहां छिपा हुआ था। संदिग्ध युवक के संबंध में जो जानकारी सामने आई है कि उसके अनुसार वह धनबाद में ही किसी दुकान में काम करता है, जबकि पिता टेलर मास्टर हैं, युवक ने स्कूल तक की शिक्षा पूरी की है।

लो वोल्टेज का दंश झेल रहे उपभोक्ता

राजू कुमार सिंह

बेड़ो। बेड़ो शहरी क्षेत्र सहित आसपास के गांवों में लो-वोल्टेज से विद्युत उपभोक्ता भारी परेशान हैं। लोगों के घरों में चलने वाले पंखा, कूलर सहित मोटर पंप कम वोल्टेज के कारण जल रहे हैं। खेतों में लगे मोटर पंप कम वोल्टेज के कारण सिंचाई का कार्य बाधित है। घरों में लगे मोटर पंप एवं समरसेबल भी काम नहीं कर रहे हैं। इसके कारण पानी घरों की टंकी में भी नहीं चढ़ पा रहे हैं जिसके कारण पेयजलापूर्ति भी बाधित है। इसका सीधा असर सैकड़ों परिवारों पर पड़ रहा है। बूंद बूंद पानी को लेकर हाहाकार मची है। कई परिवार रात में जाग-जाग कर वोल्टेज बढ़ने का इंतजार करते हैं। रात तो रात दिन में भी वोल्टेज का नहीं रहने से पंखा और कूलर नहीं चल रहे जिससे भीषण गर्मी में लोग त्राहिमाम कर रहे हैं। घरेलु उद्योग धंधे खासकर कुटीर उद्योग ठप्प पड़ गए हैं। वोल्टेज की कमी से पंखा और मोटर पंप के जलने से लोगों को हजारों का नुकसान हो रहा है। लोगों ने कहा कि ऐसी विकट परिस्थिति कभी नहीं आयी थी। ग्रामीणों ने बताया कि विद्युत विभाग के द्वारा पूर्व में बेड़ो शहरी क्षेत्र का फीडर को सिंगल फीडर बनाया था। तब वोल्टेज भी अच्छी थी और विद्युत आपूर्ति भी बिलकुल दुरुस्त थी। ग्रामीणों ने बताया कि बेड़ो का फीडर पहले बिल्कुल अलग था जिसके कारण लो वोल्टेज की समस्याएं नहीं थी। लेकिन बेड़ो फीडर को मानो बेच दिया गया हो। इसका इतना विस्तार हो गया कि अच्छे वोल्टेज और नियमित विद्युत आपूर्ति के लिए लोग तरसने को मजबूर हो गए हैं। बेड़ो फीडर के साथ पिछले कई महीनो से जरिया, मासु, मुडामू समेत कई गांवों से जोड़ दिया गया है और बेड़ो फीडर में लोड बढ़ने के कारण वोल्टेज की भंयकर समस्या उत्पन्न हो गई है। ग्रामीणों ने बताया कि बेडो.विद्युत सब स्टेशन के कर्मियों ने बेडो.फीडर की बिजली का बंदरबांट कर दिया है। जिसके कारण ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है। ग्रामीणों ने कहा कि जब तक शहरी क्षेत्र के फीडर को अलग नहीं किया जाएगा तब तक समस्या जस का तस बनी रहेगी। बेडो.के ग्रामीणों ने चेतावनी देते हुए कहा कि विद्युत विभाग तुरंत बेड़ो शहरी क्षेत्र के ग्रामीणों का समस्याओं का समाधान करें अन्यथा बड़ा आंदोलन के लिए तैयार रहे। स्थिति अगर नहीं सुधरेंगी तो विद्युत सब स्टेशन का घेराव किया जाएगा।

स्पीड न्यूज

पहलगाम के मृत लोगों को दी गयी श्रद्धांजलि

जमशेदपुर। पहलगाम में मानवता की त्रासदी घटना को लेकर बाराद्वारी मुरारी चौक में सामाजिक कार्यकर्ताओं के द्वारा शोक तथा दीपक जलाकर भारी संख्या में सदस्यों ने श्रद्धांजलि एवं दो मिनट का मौन रखा। मुरारी अग्रवाल ने कहा कि यह पहलगाम घटना में जिस प्रकार धर्म का नाम लेकर लोगों की हत्या की गई इससे देश के हर व्यक्ति को झकझोर कर रख दिया है। आतंकवादियों ने अत्याचार का सारा पराकाष्ठा पार करते हुए निहत्थे सिविलियनस को मार कर यह नपुंसक काम किया है। कार्यक्रम में सुमित अग्रवाल मनीष अग्रवाल मिनी महेश राव सुमित जी अनिल प्रसाद प्रदीप जी पटना संजय दास दर्शन वासुदेव प्रसाद और अन्य सदस्य उपस्थित थे।

72 घंटे का अखंड हरि नाम संकीर्तन की शुरू

जमशेदपुर। पूरे विधि विधान के साथ संकोसाई हरि मंदिर में 72 घंटे का हरि नाम अखंड संकीर्तन की शुरुआत हुई। पंडित शंभूनाथ महापात्र ने मंत्रच्चारण विधि विधान के साथ तीन दिवसीय अखंड हरी नाम संकीर्तन शुरू करवाया जो मंगलवार दिन के 11 बजे तक चलेगा। इस धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन सार्वजनिक हरि मंदिर कमेटी संकोसाई रोड नंबर 1 की तरफ से किया जा रहा है। कमेटी के उपाध्यक्ष विजय गोराई ने बताया कि झारखंड और बंगाल की कुल 6 टीम हरि नाम संकीर्तन में आई हुई है जिसमें तीन टीम महिलाओं की है। बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालुओं का इस धार्मिक आयोजन में शामिल हो रहे हैं। इस कार्यक्रम के लिए हरि मंदिर को आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया गया है। शाम के वक्त गणमान्य अतिथि मंच पर विराजमान रहेंगे। इनका कमेटी की ओर से स्वागत किया जायेगा।

ढाई वर्षीय अरशान की बिस्मिल्लाह ख्वानी हुई

जमशेदपुर। जाकिरनगर शाल बगान निवासी ढाई वर्षीय मो अरशान अली की बिस्मिल्लाह ख्वानी स्थानीय मस्जिद सिबतैन के नायब इमाम कारी गुलाम सरवर ने कराया। इस के पूर्व फातिहाख्वानी की गयी। नन्हा अरशान अली की मां इरम सलीम ने बताया कि इतनी छोटी सी उम्र मे सर्वप्रथम अरबी की शिक्षा से इसकी शैक्षाणिक जीवन का आगाज किया जा रहा है।

बेड़ो में हिंदू संगठनों का विरोध प्रदर्शन

खबर मन्त्र संवाददाता

पहलगाम की घटना के विरोध में बेड़ो बंद का आवाह्न

बेड़ो में पहलगाम की घटना के विरोध में प्रदर्शन करते सनातनी।

बेड़ो। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा चुन-चुन कर जिस तरह हिंदुओं को केवल टारगेट कर उनकी हत्या की गई भविष्य में इस तरह की घटना ना हो जिसे लेकर हिंदू एकजुट होकर लड़ाई लड़ने के लिए कमर कस लें। उक्त बातें शनिवार को विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के बेड़ो प्रखंड अध्यक्ष शशि गोप टाइगर के अध्यक्षता में आतंकवादियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मसाल जुलूस निकाला। मसाल जुलूस बेड़ो के देवी मंडप चौक स्थित कारगिल चौक से निकलकर मैन रोड होते हुए महावीर चौक पहुंच। जहां मसाल जुलूस में शामिल विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के युवाओं ने आतंकवादियों और पाकिस्तान का पुतला दहन किया। इस दौरान प्रखंड अध्यक्ष शशि गोप ने कहा कि जिस तरह हिंदुओं को चुन चुन कर आतंकवादियों द्वारा मारा जा रहा है, इसका एक-एक कर हिसाब लिया जाएगा। उन्होंने पहलगाम के आतंकी हमले में मारे गए पर्यटकों की आत्मा की शांति को लेकर मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दिया। इसके अलावा उन्होंने पहलगाम की घटना के विरोध में कल बेड़ो बंद का आवाह्न किया है। मसाल जुलूस में शशी टाईगर, मनोज कुमार साहु, सत्यनारायण साहु, सुरजित भगत, ज्वाला सिंह, विकास सोनी,प्रेम महतो, अभिषेक साहु, पंकज महली, बुधू, जट्ठ महली, रमेश गुप्ता, छेदी, रोहन सिंह, गोयन्दा, सुरज,राम बड़ाईक, मुकेश राय, बाणी राय, रवि सिंह, बुधवा भगत, कैलाश महतो, शाधन, सौमित्र, सुनिल गोप, रंजन साहु, मनोज सिंह, विकास सिंह, सूर्या के साथ साथ अनेकों सनातनी सामिल थे।

सड़क हादसे में तीन युवक घायल

बेड़ो। नरकोपी थाना क्षेत्र के पहाड़ कंडरिया मोड़ के समीप शनिवार की अपराह्न लगभग डेढ़ बजे अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में 20 वर्षीय युवक रंजीत उरांव पिता मंगरा उरांव, 25 वर्षीय राजेश मुंडा पिता सीता राम मुंडा व 26 वर्षीय बबलू उरांव पिता बीजा उरांव शामिल हैं तीनों युवक नरकोपी थाना क्षेत्र के चपाडीह गांव निवासी है। घायल युवकों आस पास के ग्रामीणों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेड़ो पहुंचाया। जहां डा राजीव रंजन ने तीनों घायलों का प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल रंजीत उरांव को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार तीनों युवक चट्टी बाजार से अपने घर जा रहे थे।

स्वास्थ्य सुरक्षा के बारे में जानकारी दी गई

बुंडू। पांच परगना किसान कॉलेज बुण्डू के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा संचालित सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन जाड़ेया की ग्रामीण महिलाओं को घर-घर जाकर व्यक्तिगत स्वास्थ्य सुरक्षा के विषय मे आवश्यक जानकारी दी गई तथा किशोरियों को मासिक धर्म से संबंधित स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के विषय मे जागरूक किया गया। इस अवसर पर महिलाओं में सेनेटरी पैड का वितरण भी किया गया। इस मौके पर स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. तारकेश्वर कुमार, डॉ. आराधना तिवारी एवं संगीता जायसवाल के निर्देशन में सराहनीय कार्य किया।

शहीद परिवार के आंसुओं से द्रवित सुदेश महतो ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंक को दी चेतावनी

खबर मन्त्र संवाददाता

सिल्ली। शहीद मनीष रंजन के अंतिम संस्कार के दूसरे दिन, झारखंड के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आजसू पार्टी के सुप्रीमो सुदेश महतो ने झालदा पहुंचकर शहीद के परिवार से भेंट की और गहरी संवेदना व्यक्त की। श्री महतो ने शहीद मनीष रंजन के परिवार को ढांढस बंधाते हुए कहा, यह सिर्फ एक परिवार का नहीं, पूरे झारखंड का दुख है। शहीद मनीष रंजन की शहादत को कभी भुलाया नहीं जाएगा। आजसू पार्टी आपके साथ परिवार की तरह मजबूती से खड़ा है। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि सरकार से मिलकर शहीद के परिवार को हर संभव सहायता सुनिश्चित की जाएगी और मनीष रंजन की शहादत को सम्मान और न्याय दिलाने के लिए हर कदम उठाया जाएगा। इस दौरान श्री महतो ने शहीद मनीष रंजन के दस वर्षीय पुत्र से भी मुलाकात की। भावुक क्षणों में उन्होंने बच्चे को सांत्वना देते हुए कहा, तुम अकेले नहीं हो, पूरे झारखंड और देश की जनता तुम्हारे साथ है। तुम्हारे पिताजी का बलिदान हमारे दिलों में अमर रहेगा। मीडिया से बातचीत करते हुए श्री महतो ने पाकिस्तान प्रायोजित इस आतंकवादी हमले की तीव्र निंदा करते हुए आक्रोशपूर्ण स्वर में कहा,अब धैर्य की सीमाएं टूट चुकी हैं। निदोर्षों के रक्त का हिसाब लिया जाना चाहिए। सरकार को निर्णायक और कड़े कदम उठाने चाहिए ताकि ऐसे कायरतापूर्ण हमलों का करारा जवाब दिया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि आजसू पार्टी शहीद के परिवार के साथ एक परिवार की तरह खड़ी रहेगी। इस मौके पर आजसू पार्टी के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। जिनमें जयपाल सिंह, संजय सिद्धार्थ, चितरंजन महतो, गौतम कृष्ण साहू, जलनाथ चौधरी, नमन ठाकुर, विज्ञान जी, जितेंद्र बड़ाइक, आरती देवी, आतिश महतो, राजेश महतो, अशोक साहू, अजय महतो, नीतीश महतो, कार्तिक महतो, विकाश महतो इत्यादि प्रमुख रूप से शामिल थे। सभी नेताओं ने परिवार को भरोसा दिलाया कि इस कठिन घड़ी में वे अकेले नहीं हैं।

खलारी क्षेत्र में विकास कार्य योजनाओं को लेकर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को ज्ञापन सौंपा

खलारी। भाजपा खलारी मंडल अध्यक्ष अनिल कुमार गंझू के नेतृत्व में शुक्रवार को रक्षा राज्य मंत्री रांची सांसद संजय सेठ को खलारी क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्य योजनाओं को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें बिजुपाड़ा भाया चामा, मैकलुस्कीगंज, बालुमाथ, हेरहंज, पाकी, लेस्लीगंज होते हुए औरंगाबाद तक की 150 किलोमीटर सड़क को एनएच में परिवर्तन करने, मैकलुस्कीगंज में राष्ट्रीकृत बैंक की स्थापना करने, माण्डर से संचालित एलआईसी ऑफिस खलारी को खलारी से संचालित किया जाए, खलारी प्रखण्ड में सरकारी डिग्री कॉलेज की स्थापना करने, हजारीबाग भाया टण्डवा एनटीपीसी, खलारी बिजुपाड़ा सिसई गुमला तक की लगभग 200 किलोमीटर मार्ग को एनएच मे परिवर्तन करने, सीसीएल सेन्ट्रल अस्पताल डकरा को अपग्रेड कर सारी सुविधाओं को बढ़ाते हुए कर्मियों एवं ग्रामीणों को निःशुल्क दवा एवं इलाज की व्यवस्था करने, मैकलुस्कीगंज में शिलान्यास रेलवे फाटक पर फलाई ओवर का कार्य शुरू किए जाने की मांगें शामिल है। मौके खलारी मंडल से भरत रजक एवं शशि प्रसाद साहू भी उपस्थित थे।

डकरा सेंट्रल हॉस्पिटल में सांप व कुत्ता की वैक्सीन नही, यूनियन ने प्रबंधन को अवगत कराया

खलारी। उतरीकर्णपुरा क्षेत्र सी सी एल सेंट्रल हॉस्पिटल में अतिआवश्यक वैक्सीन, दवा उपलब्ध कराने एवं मरीज वार्ड व इमरजेंसी वार्ड का एसी मरम्मत करने के संबध में युनाइडेड कोल वर्कर के कार्यकारी अध्यक्ष दिनेश भर ने एनके जीएम को पत्र देकर अवगत कराया। पत्र के माध्यम से एनके जीएम को बताया कि अतिआवश्यक एएसभी सांप काटने पर दिया जानेवाला वैक्सीन 15 जुलाई 2024 से उपलब्ध नहीं है, वही एआरभी कुत्ते के काटने पर दिया जाने वाला वैक्सीन 27 दिसंबर 2024 से केंद्रीय अस्पताल डकरा में उपलब्ध नहीं है। यूसीडब्लू यूनियन हमेशा एन के प्रबंधन के सामने बात उठाते रही है बावजूद प्रबंधन मामले में गंभीर नहीं है महिला, पुरुष भती वार्ड एवं इमरजेंसी वार्ड का एसी बिगत कई महीनो से खराब है भीषण गर्मी को देखते हुए मरीजों की सुविधा हेतु इसे तत्काल ठीक करने की बात कही।

खलारी में प्रखंड स्तरीय रुआर 2025 कार्यक्रम का भव्य आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। प्रखंड स्तरीय रुआर 2025 कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को महावीर नगर, खलारी में किया गया। इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सुधार और स्कूलों के समग्र विकास को लेकर महत्वपूर्ण चचाएं कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी संतोष कुमार, अंचलाधिकारी प्रणव अंबष्ट, सभी पंचायतों के मुखिया, सरकारी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक और शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके बाद अतिथियों ने रुआर 2025 कार्यक्रम की रूपरेखा और इसके उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री संतोष कुमार ने कहा कि रुआर 2025 का मुख्य लक्ष्य शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाना है। हर बच्चे तक बेहतर और सुलभ शिक्षा पहुंचाने के लिए यह एक महत्वपूर्ण पहल है। रुआर 2025 कार्यक्रम के तहत सरकारी विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं जैसे स्वच्छ पेयजल, शौचालय, स्मार्ट क्लास और पुस्तकालय की व्यवस्था को बेहतर करना। विद्यालयों में बच्चों के नामांकन को बढ़ाना और ड्रॉपआउट दर में कमी लाना। शिक्षकों के नियमित प्रशिक्षण और क्षमता वृद्धि के माध्यम से शिक्षण गुणवत्ता में सुधार। विद्यालय प्रबंधन समितियां और समुदाय की सक्रिय भागीदारी से स्कूलों के विकास में सहयोग सुनिश्चित करना। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों और करियर गाइडेंस कार्यक्रमों का आयोजन। वही शिक्षा विभाग का मानना है कि जब तक हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध नहीं होगी, तब तक समाज और देश का समुचित विकास संभव नहीं है। खासकर ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में स्कूलों की स्थिति को सुदृढ़ करना समय की मांग है। इसी उद्देश्य से रुआर 2025 कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसमें स्कूलों को शिक्षा के हर स्तर पर सशक्त बनाने की रणनीति अपनाई जा रही है। कार्यक्रम में उपस्थित पंचायतों के मुखिया, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य और शिक्षक-शिक्षिकाओं ने रुआर 2025 को लेकर गहरी रुचि दिखाई। सभी ने मिलकर विद्यालयों में सुधार हेतु आवश्यक कदम उठाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। सभी उपस्थित लोगों ने मिलकर रुआर 2025 को सफल बनाने का संकल्प लिया ताकि आने वाले वर्षों में खलारी प्रखंड शिक्षा के क्षेत्र में एक नया उदाहरण पेश कर सके।

एक नजर में

गोली लगने से युवक गंभीर रूप से घायल

इटकी। इटकी में एक शादी समारोह में शामिल होने आये एक 26 वर्षीय युवक यूनुस अंसारी को गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसका रांची के जसलोक हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है जहां उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। घटना शनिवार पूर्वाहन करीब ग्यारह बजे की बताई जा रही है। यूनुस अंसारी अपने दोस्त सुहैल के साथ शादी में शामिल होने इटकी आया था। यूनुस अंसारी हुसैन नगर हाजी चौक सीमलिया का रहने वाला बताया गया है। जबकि सुहेल चापाटोली रातू थाना क्षेत्र के रहने वाले बताये जाते हैं। विदाई समारोह के लिये महुवा टिकरा गये हुए थे जहां युवक को गोली लगी। इटकी पुलिस को घटना की सूचना हॉस्पिटल प्रबन्धन और पंडरा ओपी से मिली। सूचना मिलते ही बेड़ो डीएसपी अशोक कुमार राम व इटकी थाना प्रभारी मनीष कुमार घटना स्थल पहुंच सत्यता की जांच में जुट गए है। घटना स्थल से पुलिस ने 7.5 एमएम पिस्टल का खोखा बरामद किया है। घायल के साथी सुहेल अंसारी ने पुलिस को दिए बयान में बताया है कि विदाई के समय बाइक से आय दो अज्ञात अपरधकर्मी ने गोली चलाया और भाग निकले। इटकी थाना प्रभारी ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगी।

वीर कुंवर सिंह अमर रहे से गूंजा साकची

जमशेदपुर। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह के शहादत दिवस पर नमन परिवार द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रद्धांजलि कार्यक्रम संस्थापक अमरप्रीत सिंह काले के नेतृत्व में आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर वीर शहीद को नमन किया। मौके पर मुख्य अतिथि शंभूनाथ सिंह ने कहा वीर कुंवर सिंह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के उस सूर्य थे, जिनकी ज्योति आज भी हमें राह दिखाती है। उनका अदम्य साहस, देशप्रेम और बलिदान हमें यह सिखाता है कि राष्ट्र सेवा सर्वोच्च धर्म है। हमें उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता के पथ पर निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए। मौके पर अमरप्रीत सिंह काले ने कहा कि वीर कुंवर सिंह हमारे स्वाधीनता संग्राम के ऐसे नायक हैं, जिनकी वीरता से आज भी आने वाली पीढ़ियां प्रेरणा लेती हैं। वीर कुंवर सिंह का जीवन राष्ट्रभक्ति, साहस और संघर्ष का अद्वितीय उदाहरण है। आज आवश्यकता है कि हम उनके बलिदान से प्रेरणा लेकर देश सेवा एवं सामाजिक उत्थान के लिए एकजुट होकर कार्य करें। वीर कुंवर सिंह जैसे महापुरुषों की गाथा हमें अपने कर्तव्यों के प्रति सजग बनाती है और आत्मबल बढ़ाती है।

दो दिवसीय कोबुडो का प्रशिक्षण शुरू

रांची। कोबुडो झारखंड एसोसिएशन के तत्वावधान में दो दिवसीय कोबुडो (जापानी अस्त्र-शस्त्र) का प्रशिक्षण मुंबई से आए हुए भारतीय प्रमुख हंसी परमजीत सिंह के द्वारा रविंद्र भवन सीएमपीडीआई, कांके रोड रांची में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसका शुभारंभ शनिवार को हुआ। पहले दिन के प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें मुख्य रूप से तोनफा,ननचाकु, बो का प्रशिक्षण अलग अलग ग्रुप बनाकर दिया गया। इस कैंप में शिहान सुदीप शाहदेव, शिहान भोला ओहदार, सेनसई ओमकार पासवान, विवेक कच्छप, श्रेष्ठ शाहदेव,आनंद सहित 125 लोगों ने भाग लिया।

फर्नीचर दुकान में गोली चलाने वाले गिरफ्तार

जमशेदपुर। विगत 18 अप्रैल की रात्रि अज्ञात अपराधियों द्वारा सीतारामडेरा थाना अंतर्गत न्यू बाराद्वारी में व्यवसायी विनोद अग्रवाल के फर्नीचर दुकान में गोली बारी की घटना हुई थी, जिसमें उक्त दुकान का शटर एवं सीसा का गिलास क्षतिग्रसत हो गया था। पुलिस ने इस मामले में पिंटु साव और ओमप्रकाश गुप्ता को गिरफ्तार किया है। उनके पास से देशी पिस्टल और पांच जिंदा कारतूस भी बरामद किया गया है। सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने बताया कि गुप्त सुचना के आधार पर देवनगर साव लाइन निवासी पिंटू साव से घटना के सम्बन्ध में गहन पूछताछ की गई तो उसके द्वारा बताया गया कि गत 18 -19 अप्रैल की रात्रि उनके पड़ोसी भोला ठाकुर के शादी हेतु बारात निकल रहा था जिसमे उनके साथी विपुल सिंह, अभिषेक पाण्डेय, मन्टू साव शामिल थे। बारात प्रस्थान से पूर्व न्यू बाराद्वारी गरीबो पान दुकान के पास जब वे लोग अन्य बारातियों के साथ डांस कर रहे थे तो उनके साथी विपुल सिंह का दिया हुआ है एक देशी पिस्तौल जिसमे छः राउड गोली लोड किया हुआ दिया था और वे उसे अपने कमर में खोंस रखे थे। डांस के ही क्रम में विपुल सिंह ने उनसे उक्त पिस्तौल मांग ली और पीछे जाकर अपनी गाड़ी के पास से हाथ उपर करके फायर कर दिया। फायर करने के बाद उन्होंने पुनः विपुल सिंह से उक्त पिस्तौल एवं गोली वापस ले लिया था। अगले दिन बारात से वापस आने के बाद पुलिस की सक्रियता के कारण डर से उन्होंने उक्त पिस्तौल एवं पांच जिन्दा गोली अपने अधीन काम करने वाले ओमप्रकाश साव को बारीडीह बाजार स्थित सरकारी शराब दुकान में रखने को दे दिया गया था जो पुलिस द्वारा बारामद कर लिया गया है। इस काम में संलिप्त सभी लोग शराब के धंधे से जुड़े है।

पोटका में एक माह में दूसरी बार चला बुलडोजर

पोटका। पोटका प्रखंड के कुलडीहा पंचायत के मौजा कुलडीहा में सीओ निकिता बाला ने शनिवार को खाता संख्या 395, प्लट संख्या 436 पर शिशिर पात्र द्वारा अतिक्रमण कर सरकारी जमीन पर बनाए गए घर को जेसीबी का प्रयोग कर जमींदोज किया गया। इसमें पूर्व से बने 20 गुना 14 वर्ग फीट में बने एस्बेस्टस ईट तथा पुआल से बने घर को पूर्ण रूप से तोड़ दिया गया। मौके पर मजिस्ट्रेट दुर्गा चरण पांरेया, जादूगोड़ा के पुलिस इंस्पेक्टर सुरेश प्रसाद, थाना प्रभारी आर के मंडल, सी आई शांति राम सारंगी, कर्मचारी संजय कुमार महतो, अमीन देवराज कईवर्त के अलावा सशस्त्र बल, लाठी बल तथा महिला बल उपस्थित थे।

वक्फ संशोधन का विरोध व संविधान बचाव कार्यक्रम

मुसलमानों को परेशान करने के लिए भाजपा बिल को संसद से पास कराया : बंधु तिर्की

खबर मन्त्र संवाददाता

चान्हो। बालसोकरा के मदर्शा चौंक में शनिवार को वक्फ संशोधन बिल 2025 के विरोध में वक्फ व संविधान बचाओ कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। जिसमे चान्हो, कुड़ू, कैरो व मांडर से कई गांव के महिलाएं और पुरुष ने वक्फ कानून को वापस लेने की मांग को लेकर शामिल हुए। सभी लोगों ने कहा कि वक्फ संशोधन कानून को धार्मिक अधिकारों पर हमला मानते हुए इसे वापस लेने की मांग की। और सरकार से इस कानून को वापस लेने की अपील की और कहा कि यदि हमारे मांगें नहीं मानी जाती हैं, तो पूरी झारखंड में विरोध जारी रखेंगे। आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता बिहार, झारखंड, उड़ीसा और बंगाल के अमीर ए शरीयत मौलाना सैयद अहमद वली फैसल रहमानी ने किया। कार्यक्रम में काफी संख्य में राजनेता और समाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। वली रहमानी ने कहा कि कोई भी कानून देश और राज्य हित में बनाया जाता है, परंतु जिस कानून से पूरा समाज नाराज हो वैसे कानून का कोई मतलब नहीं है। कार्यक्रम में मौजूद पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड में वक्फ संशोधित कानून लागू नहीं किया जाएगा। भाजपा मुसलमानों को परेशान करने के लिए इस बिल को लाकर संसद से पास कराई है। लेकिन झारखंड में इसे किसी भी कीमत पर लागू नहीं होने दिया जाएगा। आमया संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष एस अली ने कहा कि वक्फ संशोधन कानून मुसलमानों के धार्मिक स्वायत्तता और मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। वंही मुस्लिम समाज के सुझव पर भी सरकार ने कोई अमल नहीं किया आगे उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के खिलाफ ये आंदोलन नए कानून को वापस कराने तक जारी रहेगी। इदार ए शरिया के नाजिम ए आला कुतुबुद्दीन रिजवी ने कहा कि मुस्लिम समुदाय के बिना सहमति के कानून में संशोधन किया गया है इसे वापस लेने तक आंदोलन जारी रहेगा। तापश्चात झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री बंधु तिर्की को ज्ञापन सौंपकर वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 के खिलाफ झारखंड में एक्ट बनाने की मांग किया गया ताकि राज्य में कानून लागू नही हो सके।

पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की भरपूर निंदा की गई

कार्यक्रम में कश्मीर पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की भरपूर निंदा की गई साथ ही इसमें आतंकवादियों के हाथों जान गवाने वालों के लिए दुआएं मगफिरत किया गया और उनकी आत्मा के शांति के लिए एक मिनट का मौन रखी गई। कार्यक्रम का संचालन मौलाना जयाउर रहमान ने किया। मौके पर मुत्ताहिदा ओलमा मिल्ली काउंसिल के अध्यक्ष जाहिद इकबाल सचिव रहमतुल्लाह अंसारी अमन ग्रुप के अध्यक्ष अताउल्लाह अंसारी हकीम अंसारी अंजुमन इस्लामिया मांडर के अध्यक्ष नुरुल्लाह हबीब नदवी सचिव अफरोज अंसारी झारखंड अंजुमन महा पंचायत से जुनेद अनवर अंजुमन इस्लामीया रांची के सचिव मोहम्मद तारिक तनवीर अहमद मौलाना अबुल कलाम हलीम अंसारी नौशाद अंसारी शफीक अंसारी मौलाना गाजी सलाउद्दीन हाफिज अब्दुल अजीज मौलाना अब्दुल कय्यूम कारी असजद मौलाना आजाद वेलफेयर से मिस्टर आलम, इरशाद इमाम गफ्फार अंसारी। जिला परिषद् आदिल अजीम, ए आई एम आई एम के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद शाकिर, संजय महली, नुरुल्लाह हबीब नदवी, विधायक प्रतिनिधि अब्दुल्लाह अंसारी, मौलाना नूरूल हसन मौलाना कयूम, समेत कई मुस्लिम संगठनों के सदस्यों सहित हजारों कि संख्या में महिला पुरुष शामिल हुए।

छात्रा का अपहरण के बाद रेप और वीडियो बनाने का मामला

पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपियों को भेजा जेल

- 16 अप्रैल रात 11 बजे की थी घटना
- पीड़िता की हुई मेडिकल जांच

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। पुलिस ने थाना कांड संख्या 172/25 के दो नामजद अभियुक्त जामुनटोली के सागर उरांव और दीपक उरांव को गिरफ्तार कर तड़के जेल भेज दिया। इन पर 16 अप्रैल की रात 11 बजे डंडई हेहल के रास्ते से एक नाबालिग छात्रा को मोटर साइकिल से अपहरण कर गांव के वीरान पड़े एस्बेस्टस मकान में मारपीट कर रेप करने और अश्लील वीडियो बनाये जाने का आरोप है।

थानेदार आरएन सिंह ने बताया कि पीड़िता का सदर अस्पताल में मेडिकल जांच करायी गयी। सीडब्लूसी और संबंधित कोर्ट में उसका बयान भी रिकार्ड कराया गया।

घटना की तीव्र निंदा

समाज के लोगों ने घटना की तीव्र निंदा करते हुये दरिंदों को कठोर सजा और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाये जाने की मांग की है। बताते चलें, कि छात्रा शादी समारोह में हिस्सा लेने के बाद अकेले घर जा रही थी। इस दौरान दोनों युवकों ने उसे अगवा कर लिया था। सागर उरांव ने उसे हवस का शिकार बनाया। जबकि, दीपक ने उसका वीडियो बना लिया। मामले को लेकर उसके पिता की ओर से थाने में पोस्को एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी।

रातू : सीएन राज में शिक्षकों की आकलन परीक्षा

रातू। छोटानागपुर राज प्लस टू उच्च विद्यालय में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह के निर्देश पर बीआरसी की ओर से प्रखंड स्तरीय टीचर्स नीड असेस्मेंट (टीएनए) आयोजित कर सरकारी विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाओं की आकलन परीक्षा ली जा रही है। इसमें शनिवार को 61 लोगों ने हिस्सा लिया। 24 अप्रैल से इसकी शुरूआत की गयी है, जो 29 तक चलेगा। बीपीओ हिना नाज, शालिनी आईंद, सीआरपी सुबोध प्रसाद, विजय रंजन पाठक, प्रसिद्ध नारायण सिंह और मनीष मिश्र बतौर निरीक्षक की भूमिका निभा रहे हैं।

खबर एक नजर में

30 को श्री श्री महावीर मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा

बंडू। बुंडू नगर स्थित महावीर मंदिर का जीर्णोद्धार होने के पश्चात आगामी 30 में को श्री श्री महावीर मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन किया गया है। इसके पूर्व 28 मई को बुंडू के रानी चूआ जल स्थल से बड़ी संख्या में कलश यात्रा महिलाओं के द्वारा निकाली जाएगी। 29 मई को मंडप पूजन मूर्ति अधिवास महा स्नान और संध्या में अयोध्या से आए पंडित मृत्युंजय महाराज का कथा प्रवचन एवं संध्या भजन का कार्यक्रम होगा। 30 मई को श्री श्री महावीर मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कर सभी पूजनीय देवताओं का मूर्ति स्थापित की जाएगी। इसकी तैयारी और स्वागत के लिए कमेटी बनाया गया हैं। जिसमें अध्यक्ष दीपक कुमार जयसवाल, उपाध्यक्ष पारस जायसवाल,महासचिव मनीष कुमार जयसवाल, सचिव प्रमोद चौधरी,उप सचिव शुभम चेल, शुभम दायक, अंकेक्षक रितेश कुमार, अमन जायसवाल, संरक्षक के रूप में लक्ष्मी नारायण गुप्ता, मदन मोहन लाल भगत, प्रमोद कुमार सिंह, अरुण जैन, मनोज कुमार सिंह, संजय शर्मा ढोलू, रोहित प्रजापति, महेश साहू, अंकित जैन, महेश जयसवाल आदि शामिल है।

स्कूल रुआर 2025 कार्यक्रम का हुआ उद्घाटन

राहे। झारखंड शिक्षा परियोजना द्वारा संचालित कार्यक्रम स्कूल रुआर 2025 का उद्घाटन राहे प्रखंड सभागार में शनिवार को दीप प्रज्वलित कर किया गया। यह कार्यक्रम प्रखंड के अनामांकित और क्षितिज बच्चों को विद्यालय में वापस लाने और शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। यह 16 दिनों तक चलने वाला एक बैक टू स्कूल अभियान है, जिसका उद्देश्य स्कूल से बाहर रह गए बच्चों को स्कूल में वापस लाना है। शत प्रतिशत नामांकन और उपस्थिति सुनिश्चित करना।स्कूलों में बेहतर शिक्षा प्रदान करना तथा बच्चों को शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक करना है। इस कार्यक्रम में प्रमुख लीलमनी देवी, उप प्रमुख उमेश महतो, बीडीओ अशोक कुमार, विधायक प्रतिनिधि रोहिताश चौधरी, बीईओ शांति मुनि तिर्की, बीपीओ प्रवीण कुमार, सभी मुखिया, बीआरपी, सीआरपी, स्कूलों के प्रधानाध्यापक मौजूद थे।

कुएं में युवक की डूबने से हुए की संदिग्ध मौत

राहे। थाना क्षेत्र के दोकाद पंचायत के दरहा टोला में गुरुवार देर रात एक युवक की संदिग्ध हालत में मौत हो गई है। गांव के हरिदास स्वांसी का 22 वर्षीय पुत्र मनोरंजन स्वांसी गुरुवार शाम एक कुएं में डूबा मिला। आसपास के लोगों तत्काल कुएं से बाहर निकाल के इलाज के लिए सिंहपुर अस्पताल मुरी ले गए। इलाज के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित करके किया। घटना की सूचना पर राहे पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस से जांच की मांग किया है। पुलिस मामले की हर बिंदु पर जांच कर रही है।

रातू : फ्रेंड्स कॉलोनी से बाइक की चोरी

रातू। थाना क्षेत्र के फ्रेंड्स कॉलोनी निवासी विश्वनाथ साहू के पुत्र राकेश रंजन कुमार की पैशन प्रो बाइक जेएच 02 यू 3864 को अपराधियों ने चोरी कर ली। मामले को लेकर भुक्तभोगी की ओर से रातू थाने में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। पुलिस इसकी जांच कर रही है।

वरिष्ठ पत्रकार अरविंद स्वर्णकार को मातृ शोक

तमाड़। स्थानीय वरिष्ठ पत्रकार अरविंद स्वर्णकार उर्फ मदन सोनी की माता सीता देवी (82) का शनिवार को निधन हो गया। वे पिछले कई दिनों से अस्वस्थ थीं। उनका अंतिम संस्कार पातरा मुक्ति धाम में किया गया। सीता देवी के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और पत्रकारों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति और परिवार को इस दु:ख को सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की। शोक संवेदना प्रकट करने वालों में सांसद कालीचरण मुंडा, विधायक विकास कुमार मुंडा, जेएलकेएम महिला मोर्चा अध्यक्ष दमयंती मुंडा, जिप सदस्य दिलीप सेठ, मनोज साव, दिलीप गुप्ता, जगदीश गुप्ता, हीरालाल दास, श्यामल नायक, विजय गुप्ता, मंटू गुप्ता, अजय गुप्ता, अनिल साव, राजकुमार गुप्ता, मनोज पण्डा, संजय सेठ, संजय गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं पत्रकार शामिल रहे।

दिव्यांगों की सेवा सबसे बड़ा धर्म: डॉ प्रदीप

खबर मन्त्र संवाददाता

अनगड़ा। समाज में शारीरिक और मानसिक रूप से दिव्यांग जनों का विकास एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। इनको समाज के मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में विशेष पहल किया जाना चाहिए। दिव्यांग की सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं है। उक्त बातें राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप वर्मा ने कहीं। श्री वर्मा आज टाटी पूर्वी पंचायत में उषा मार्टिन फॉउंडेशन की ओर से आयोजित दिव्यांग सहायता कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि उषा मार्टिन के माध्यम से इर्द गिर्द के गांवों के लोगों को रोजगार के साथ ग्रामीण विकास का वैकल्पिक उपाय मिल रहा है। इसका लोगों को लाभ उठाना चाहिए ताकि समाज का संपूर्ण विकास हो सके। उन्होंने समाज को रोजगार के लिए आगे आने का आह्वान किया।उषा मार्टिन के सीएसआर हेड डॉ मयंक मुरारी ने कहा कि उषा मार्टिन के माध्यम से गांवों के विकास के लिए एकीकृत कार्यक्रम चलाया जा रहा है। टाटी पूर्वी के मुखिया कृष्णा पाहन ने कहा कि उषा मार्टिन के सहयोग से गांवों के विकास में योगदान दिया जा रहा है। महिलौंग के पूर्व पंचायत प्रमुख राजेन्द्र महतो ने कहा कि एसे सामाजिक कार्यों से समाज को लाभ मिलता है। फॉउंडेशन ने गांवों के 15 दिव्यांगों को सरकारी योजना से जोड़ने के लिए विकलांगता प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र और यूडीआईडी कार्ड बनवाया गया।

इस अवसर पर पूर्व उप प्रमुख माधुरी देवी, पूर्व सरपंच शैलेश मिश्रा, राजेन्द्र महतो, कुमार अभयकांत, दरोथिया एक्का, आर्टिफिशियल लिंब के चंद्रमौली पांडेय और उषा मार्टिन के प्रिया बागची वरूण कुमार, मोनीत बूतकुमार, भुवनेश्वर महतो, संगीता कुमारी, मेवालाल महतो राजन साहु के अलावा बड़ी संख्या में गांववासी उपस्थित थे।

प्रखंड कांग्रेस कमिटी का पुनर्गठन

ठाकुरगांव। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निदेर्शानुसार संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत बुढ़मू प्रखंड के ठाकुरगांव स्थित शुभारंभ बैंक्वेट में बैठक आयोजित किया गया। बैठक में सभी 14 पंचायत अध्यक्ष, पंचायत प्रभारी व सभी वरिष्ठ कार्यकर्ता शामिल हुए। मौके पर प्रखंड कांग्रेस कमिटी का पुनर्गठन किया गया। सर्वसम्मति से बलराम साहू को पुनः प्रखंड अध्यक्ष चुना गया। साथ ही उपाध्यक्ष जीतराम उरांव एवं बालेश्वर यादव, महासचिव हीरालाल मुंडा, कालीचरण सिंह, देवनारायण सिंह और सरवर आलम को बनाया गया। वहीं कांग्रेस पार्टी संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत हर पंचायत टोला वार्ड की कमेटी बनाकर संगठन को और धारदार बनाने का निर्णय लिया गया। कांके के विधायक प्रतिनिधि गोपाल तिवारी ने बताया कि आगामी 3 मई को शहीद मैदान में आयोजित संविधान बचाओ रैली में कांके विधानसभा से हजारों की संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे। बैठक में मुख्य रूप से बुढ़मू प्रखंड कांग्रेस आब्जर्वर इंदिरा तुरी, पूर्वी मंडल के आब्जर्वर जाकिर हुसैन, पश्चिमी मंडल के आब्जर्वर सदन कुमार, सहित कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद थे।

विधायक के सौजन्य से दशकर्म हेतू सूखा राशन दिया गया

अनगड़ा। राजाडेरा पंचायत अन्तर्गत ग्राम सुपा निवासी स्व मनेस महतो के दशकर्म हेतु उनके परिजनों को खिजरी विधायक राजेश कच्छप के सौजन्य से सूखा राशन उपलब्ध कराया गया। मौके पर कांग्रेस के पंचायत अध्यक्ष अभिराम मुण्डा उपाध्यक्ष खीरू उरांव उजियस टोप्पो मृतक के पिता झालू महतो सहित सूमीत महतो, राजू महतो, जगरनाथ महतो इत्यादी उपस्थित थे।

AFFIDAVIT

Series No. 23-24/UI/04119

I, AJAY PRASAD S/0 Brahmdeo Prasad, resident of Quater No. J-1 Mecon Colony, Near M.T.I. Office, Doranda, Ranchi, Jharkhand P.O. Doranda, PS. Doranda, Distict-Ranchi (Jharkhand)-834002 do hereby solemnly affirm and declare as follows

1. THAT I am Citizen of India and am living at my above mentioned address.
2. THAT my name is AJAY PRASAD, mentioned in my Aadhar which Aadhar No is 6072 3513 8082.
3. THAT I have changed my name and I have kept a new name as AJAY SINGH.
4. THAT my name AJAY PRASAD shall be known as AJAY SINGH in my all documents and all places.
5. THAT AJAY PRASAD and AJAY SINGH is the same and one person which is my name.
6. That my statements furnished above are true.

Sworn and signed this Affidavit at Ranchi on 25/4/2025.

12 दिवसीय वेजिटेबल फॉर्मिंग और नर्सरी मैनेजमेंट प्रशिक्षण कार्यक्रम शुभारम्भ

खबर मन्त्र संवाददाता

सिल्ली। श्री धर्मस्थला मंजूनाथेश्वर शिक्षण ट्रस्ट एवं केनरा बैंक द्वारा संचालित रूडसेट संस्थान सिल्ली में 31 दिवसीय महिला वस्त्र निर्माण गारमेंट एवम् 12 दिवसीय वेजिटेबल फॉर्मिंग और नर्सरी मैनेजमेंट प्रशिक्षण कार्यक्रम का उदघाटन समारोह दीप प्रज्वलित कर, मुख्य अतिथि वीणा देवी जिला उपाध्यक्ष रांची के द्वारा किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के विभिन प्रखंड सोनाहतु, राहे, नामकुम, लापुंग ओरमांझी, से आए 70 प्रशिक्षणार्थीयों ने भाग लिया। मुख्य अथिति ने यह संदेश दिया की आप सभी लोग मन से और संस्थान में रहकर प्रशिक्षण प्राप्त करे क्योंकि महिलाएं भी टेलरिंग के क्षेत्र में और वेजिटेबल नर्सरी के क्षेत आए और ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाए, क्योंकि आज के समय में काफी मांग है बाजारों में, प्रशिक्षण के बाद आप अपना खुद का स्वरोजगार करे, यहां पर व्यक्तित्व विकास का भी प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि आप अपना स्वरोजगार बेहतर तरीका से कर सकते है। रुडसेट संस्थान के निदेशक संजीत कुमार ने यह कहा कि आज के दौर में महिलाएं टेलर बहुत कम देखने को मिलता है।

किसलय स्कूल में पुरस्कार वितरण और चिकित्सा शिविर आयोजित

विद्यालय के मेधावी छात्र और छात्रायें सम्मानित

- शिक्षा की गुणवत्ता पर जोर
- नि:रोग रहने की मिली सीख

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। किसलय इंटरनेशनल स्कूल परिसर में शनिवार को पुरस्कार वितरण और निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। इसमें विद्यालय प्रबंधन ने मेधावी विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक एवं सह पाठ्यक्रम में उपलब्धियों के लिये सम्मानित किया। समारोह में पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी बतौर मुख्य और क्लस्टर रिसोर्स डिपार्टमेंट के मनीष मिश्र विशिष्ट अतिथि थे। उन्होंने विद्यालय के निदेशक डॉ अमन कुमार तिवारी व प्राचार्य डॉ अखिलेश कुमार उपाध्याय ने विद्यार्थियों को शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में निरंतर प्रयासरत रहने के लिये प्रेरित किया और नि:रोग रखने की सीख दी। मौके पर शिल्पी कुमारी, प्रियंका उपाध्याय, नेहा शर्मा, कुसुम वर्मा, पवन पांडेय, आयुष, विकास व हरिओम उपाध्याय आदि मौजूद थे।

AFFIDAVIT

I, Adityaa Kumari is legally daughter of JC-432051P, Rank-Sub C1k Kundan Prasad presently, Residing at Birsanagar zone no.05, Holding Number-86, East Singhbhum, Jamshedpur (JH)-831004. That, I have changed my name from Adityaa to Adityaa Kumari due to (As per aadhar in my documents). That my date of birth is 02.06.2006. After this affidavit i will be known as Adityaa Kumari and date of birth is 02 June 2006 for all pusposes. Vide affidavit no. 929, dated-22 April 2025.

आरटीसी पब्लिक स्कूल में कराटे का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

अनगड़ा। आरटीसी पब्लिक स्कूल, अनगड़ा में उत्कल कराटे स्कूल झारखंड शाखा के तत्वावधान में कराटे बेल्ट सेरेमनी का भव्य आयोजन किया गया। समारोह का उद्घाटन आरटीसी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य नरेंद्र नाथ महतो उत्कल कराटे स्कूल झारखंड के चीफ एग्जामिनर सेसाई महादेव गोप एवं नकुल यादव ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर सेसाई महादेव गोप ने कहा कि विद्यालय के छात्र-छात्राएं भविष्य में राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय स्तर की कराटे प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे। कहा कि विद्यालयों में कराटे प्रशिक्षण को अनिवार्य रूप से लागू किया जाएगा, ताकि छात्रों में आत्मविश्वास, अनुशासन एवं आत्मरक्षा की भावना का विकास हो सके।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न बेल्ट श्रेणियां प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बेल्ट एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। येलो बेल्ट अभिजीत महतो ऑरेंज बेल्ट आरुषि कुमारी, श्रुति कुमारी, सुभद्रा कुमारी, विशाल राज ग्रीन बेल्ट नैन्सी मुंडा, कोमल कुमारी, कुमारी दिव्या रानी ब्लू बेल्ट प्रीतम कच्छप, प्रिंस महतो ब्राउन बेल्ट हिमांशु कुमार, किशोर कुमार को प्रदान किया गया। मौके पर विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिका उपस्थित थे।

कार्यालय, उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, राँची
(जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग)

आम सूचना

एत्द द्वारा सूचित किया जाता है कि राँची जिला में ''झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना'' अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में संबंधित पंचायत सचिवालयों एवं शहरी क्षेत्रों में संबंधित बैंकों के शाखाओं में दिनांक- 29.04.2025 (मंगलवार) को पूर्वाह्न- 10:00 बजे से अपराह्न- 3:00 बजे तक आधार सीडिंग (NPCI Mapper) हेतु शिविर का आयोजन किया गया है।

अतः वैसे लाभुक जिनका बैंक खाता आधार संख्या के साथ सीडिंग नहीं है, उक्त शिविर में उपस्थित हो कर आधार सीडिंग (NPCI Mapper) कराना सुनिश्चित करेंगे।

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, राँची

PR 351168 (Ranchi)25-26*D

उदय बीएड कालेज के प्रशिक्षु का स्वास्थ्य जांच

खबर मन्त्र संवाददात

शविर में स्वस्थ्य जांच कराती कालेज की छात्राएं।

शिविर में उपस्थित चिकित्सक, टेकनेशियन व कर्मी।

ओरमांझी। झारखंड स्वास्थ्य मिशन रांची द्वारा शनिवार को उदय मेमोरियल बीएड कॉलेज केदल में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाकर कॉलेज के छात्र-छात्राए सहित लगभग 250 लोगों की स्वस्थ्य जांच की गई। शिविर में मेदांता हॉस्पिटल के डॉ. प्रतिमा, विकाश कुमार पाठक, मुकुंद मिश्रा, पुतुल, प्रभा कुजूर सेंटर फॉर साईट आई हॉस्पिटल के डॉ. सोनिता, डॉ. निशु कुमारी, पीयूष कुमार, कल्पना हियरिंग एंड स्पीच क्लीनिक के साहिल राज, साकेत कुमार, सिनर्जिक डेंटल क्लीनिक के डॉ. राजेश कुमार, सोमरी देवी, बिट्टू ऑप्टिकल के शाहनवाज नैयर आदि विशेषज्ञ चिकित्सकों व टेकनिशियनों द्वारा लोगों की डेंटल, आई व हेयरिंग (कान) सहित जेनरल व स्त्री रोग सहित विभिन्न बीमारियों की जांच की गई। मौके पर कालेज के सचिव संतोष महतो व निदेशक राजेश कुमार कंडरवार ने कहा अधिकांष लोगों द्वारा अपने स्वस्थ्य के प्रति लापरवाही बरती जा रही है। स्वस्थ्य खराब होने पर राहत का दवा लेते हैं। बीमारी को जानने का प्रयास नही करते। कई ऐसे गंभीर बीमारी है जिसका समय पर जांच होने व उपचार मिलने से ठीक हो सकती है। वहीं मिशन के संतोष सोनी ने शिविर लगाने का उदेश्य बताया, और कहा कोई भी व्यक्ति स्वास्थ्य लाभ से वंचित नहीं रहे। इसके लिए शहर क्षेत्र के अलावे विभिन्न गांव में भी नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच व रक्तदान शिविर लगाने का लक्ष्य है। कार्यक्रम में प्राचार्य डा. चन्दन कुमार पंकज, उपप्राचार्या दयामनी कुमारी, कार्यालय प्रबंधक रूपेश कुमार कंडरवार, जनसूचना पदाधिकारी मुकेश कुमार कंडरवार, स्वाती अंजना टोप्पो, अलका कुमारी, निर्मला कुमारी, संदीप महतो, रेहान फैजल, डॉ. मनोज कुमार राणा, संदीप कुमार, डॉ. रूबिना सिंह, अनिसा खातून, सलमा टुडू, नित्यानन्द कोईरी, सुनिता किस्पोट्टा, नम्रता कुमारी, सुजाता जोजो, अरूण कुमार पाहन, शालिनी कुमारी, रिंकू कुमारी आदि उपस्थित थें।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल संख्या-1, राँची

अति अल्पकालीन निविदा/कोटेशन आमंत्रण सूचना-12/2025-26

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल संख्या-1,राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री करने की तिथि एवं समय : दिनांक 03.05.2025 को 1.00 (एक) बजे अपराहन् तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 05.05.2025 को 3.00(तीन) बजे अपराहन् तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 05.05.2025 को 3.30(साढ़े तीन) बजे अपराहन।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : अधीक्षण अभियंता, भवन निर्माण विभाग, छोटानागपुर भवन अंचल-1, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष, राँची एवं कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या-1, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष, राँची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर नियंत्रण कक्ष राँची।
7. निविदा खोलने का स्थान : अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय।
8. कार्यो का विवरण :

क्र	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की तिथि
1	Renovation of Godown No.-1 at Kadru Ranchi	4956500	99200	5000	Three Months
2	Renovation of Godown No.-2 at Kadru Ranchi	4980300	99700	5000	Three Months
3	Renovation of 500 MT Godown at Tamar Ranchi	2490500	49900	5000	Two Months
4	Renovation of 1000 MT Godown at Silli Ranchi	2496600	50000	5000	Two Months
5	Renovation of 250 MT X 2 Godown at Angara Ranchi	2493400	49900	5000	Two Months
6	Renovation of 1000 MT Godown at Bundu Ranchi	2492100	49900	5000	Two Months
7	Renovation of 250 and 500 MT Godown at Sonahatu Ranchi	2498200	50000	5000	Two Months

नोट :- निविदा की शर्तें www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्ल संख्या-1, राँची

PR 351156 Building(25-26).D

समय संवाद

अब तो विश्व के कई मुस्लिम देशों ने भी पाकिस्तान के साथ खड़े होने से इनकार कर दिया। ऐसी स्थिति में पाकिस्तान अलग-थलग दिखाई दे रहा है। पाकिस्तान सरकार आतंकियों के सामने बेबस इसलिए है क्योंकि आज पाकिस्तान के अंदरूनी हालात ऐसे हो चुके हैं, जो बिखराव का रास्ता ही निर्मित करता है। बलूचिस्तान में पाकिस्तान के विरोध में लम्बे समय से स्वर उठ रहे हैं, आज इन स्वरों में और तेजी आती जा रही है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के नागरिक भारत के साथ अपने सुखद भविष्य का सपना देखने लगे हैं। ऐसी स्थिति में यही कहना समुचित होगा कि आतंक के मामले पर आर-पार हो ही जाना चाहिए।

अब तो आतंक पर हो आर-पार

सुरेश हिंदुस्तानी

पहलगाम में आतंकियों ने जिस बर्बरता से हिन्दू पर्यटकों को निशाना बनाकर उनकी हत्या की है, वह कई बड़े सवाल खड़े करता है। सबसे पहला सवाल तो यही है कि क्या वास्तव में भारत में हिन्दू होना अपराध है, अगर नहीं तो पाकिस्तानी आतंकियों ने उन्हें केवल हिन्दू होने की सजा क्यों दी। वैसे भी पाकिस्तान हमेशा से हिन्दुओं के बारे जहर उगलता रहा है। हाल ही में पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने हिन्दुओं के विरोध में जिस प्रकार की भाषा का प्रयोग किया, उससे ऐसा लगता है कि पाकिस्तान कभी सुधर नहीं सकता। उसे उसी की भाषा में समझाने की आवश्यकता है। आतंक के मुद्दे पर अब आर-पार करने का समय आ गया है।

भारत में हर आतंकी घटना के बाद प्रायः यह सुनाई देता है कि आतंकवाद का कोई धर्म या संप्रदाय नहीं होता। यह निश्चित रूप से इस्लामिक आतंकवाद को सही ठहराने का कार्य करते हैं। यह उस स्थिति में सही माना जा सकता था, जब आतंकी बिना धर्म पूछे गोली चलाते लेकिन पहलगाम में तो केवल हिन्दुओं को ही गोली मारी गई। जो संगठन या व्यक्ति हमेशा यह कहते रहे हैं कि आतंकियों का कोई धर्म नहीं होता, पहलगाम में हुई आतंकी घटना से उनकी आँखों से परदा हट जाना चाहिए। घटना में केवल हिन्दू पर्यटकों को धर्म पूछकर गोली मारी गई। पाकिस्तान द्वारा की गई इस आतंकी घटना के बाद स्पष्ट हो गया है कि पाकिस्तान अपनी हरकतों से तब तक बाज नहीं आएगा, जब तक उसे जैसे को तैसा जवाब नहीं दिया जाएगा।

अब पाकिस्तान के विरोध में कठोर कदम उठाने का समय आ गया है। क्योंकि बार-बार मुंह की खाने के बाद पाकिस्तान, कश्मीर में अशांति फैलाने का कायरता पूर्ण कार्य करता है। यह सारा खेल पाकिस्तान में आश्रय लेने वाले आतंकी आकाओं के इशारे पर किया गया है। सबसे बड़ी बात यह है कि पाकिस्तान के इशारे पर आतंकवादियों को कश्मीर में आश्रय कौन देता है, यह जांच का विषय है। कोई भी विदेशी आतंकी तब तक अपने कार्य में सफल नहीं हो सकता, जब तक उसे स्थानीय स्तर पर सहयोग न मिले। इसलिए ऐसी आतंकी घटनाओं को रोकने के लिए स्थानीय आतंकी तत्वों की पहचान भी जरुरी है।अभी कुछ दिन पूर्व पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने भारत और हिन्दुओं के विरोध में जहर उगला, उससे साफ हो गया कि वे अपनी सेना और आतंकियों को भारत के विरुद्ध भड़का रहे हैं। हो सकता है यह आतंकी घटना उसी का परिणाम हो। हालांकि सेना प्रमुख के जहरीले बयान के बाद उनके ही देश पाकिस्तान के उन नागरिकों की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई थी, जो पाकिस्तान के वर्तमान हालातों में समस्याओं का सामना कर रहे हैं। इसके बाद भी आतंकी सरगनाओं के इशारों पर आतंक फैलाने वालों के लिए यह बयान एक प्रकार से हौसला बढ़ाने वाला ही रहा। जहां एक ओर पूरी दुनिया आतंक की समाप्ति के कदम का समर्थन कर रही है, वहीं पाकिस्तान इसे रोकने के बजाय बढ़ाने में लगा है। अमेरिका भी पाकिस्तान को कई बार आतंक पर लगाम लगाने की चेतावनी दे चुका है, लेकिन ऐसा लगता है कि पाकिस्तान सरकार का आतंकी आकाओं पर किसी प्रकार का नियंत्रण नहीं बचा, इसके विपरीत कभी-कभी ऐसा लगता है कि आतंकियों के नियंत्रण में पाकिस्तान की सरकार कार्य कर रही है।

अब पाकिस्तान को दिन में तारे दिखाने का समय आ गया है। भारत सरकार को आतंक के विरोध में कठोर कार्रवाई करना चाहिए।

मन समर्पित गुरु में

स्वामी सत्यानंदजी परमहंस

भक्ति दृष्टि देता है। अहंकार ज्ञान को ढंक देता है। भगवान राम से वशिष्ट ने हाथ जोड़कर वरदान मांगा कि प्रेम कभी घटे नहीं ऐसा वरदान दें। राम जब वन में गये तो वहां कई ऋषियों-मुनियों ने उनका संवाद हुआ। राम की भक्ति और ज्ञान की स्थिति से ऋषियों-मुनियों को लगा कि उनका जप-तप इस दशरथ नंदन राम के आगे नहीं टिकता है। राम अहंकार रहित थे। मनुष्य भक्ति के माध्यम से ज्यादा पा सकता है। तुलसीदास ने सदैव भक्ति की महिमा का बखान किया है। जो भी जप-तप से प्राप्त बल है उससे अधिक टिकाउ भक्ति के माध्यम से प्राप्त ज्ञान दृष्टि है। जो परम आत्मा है वही परमात्मा है। मजनू से जब कहा गया कि वह खुदा की इबादत करें तो उसने कहा कि खुदा अगर लैला के रूप में आ जाये तो उसकी इबादत कर सकता है। प्रेम बड़ा है या ईश्वर? निश्चित प्रेम बड़ा है। प्रेम ही परम बना देता है, परमात्मा बना देता है। नारद, विश्वमित्र, उद्धव, परशुराम ने जो सिद्धि प्राप्त की वह जप-तप से प्राप्त की गयी थी। इसलिए इसमें भटकाव भी था और क्रोध शेष भी। लेकिन जो कृष्ण ने प्रेम के माध्यम से प्राप्त किया वह आज भी राधा-श्याम के रूप में उपस्थित है। राधा-राधा बोलो चले आयेंगे बिहारी। यह पंक्ति भक्ति मार्ग की उंचाई को बताता है। काल, कर्म,स्वभाव और गुण का घेरा लेकर जीव संसार में घूमता है। काल समय है, कर्म क्या करेगा यह कुदरत से तय होता है। स्वभाव सभी का अलग-अलग होता है। गुण से भी प्रभावित होता है। गिद्धराज का खान-पान से लेकर गुण स्वभाव, कर्म सब कुछ अलग था लेकिन प्रेम राम में था। अंतर सिर्फ ज्ञान और अज्ञान का है। खुदा ने जीने का मौका दिया। दूसरे को मत देखो। शाकिर बनेगा कि काफिर यह आपके उपर निर्भर करता है। उपनिषद में वर्णित है प्रेम ही ईश्वर है। महात्मा बुद्ध की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि जब कनिष्क का शासन था जब भारत की राजधानी पेशावर थी। बुद्ध करुणा और दया के प्रतिक थे। बौद्ध राज्य धर्म था और इसका असर सूफियों पर भी पड़ा। आज बुद्ध की मूर्तियों को तोड़ा जा रहा है जो गलत है। सीरिया, अफगानिस्तान और ईरान के आस-पास इनका प्रचार-प्रसार था। आज यह पूरा क्षेत्र हिंसा के प्रभाव में है। आश्रम में स्वामी जी के सत्संग में शामिल होने जमशेदपुर, बोकारो, पाकुड़, गया, बक्सर सहित कई स्थानों से भक्त आये । इस अवसर पर अजय कुमार ने परमहंस दयाल भक्ति गीत और भजन का कार्यक्रम प्रस्तुत किया। मन समर्पित नहीं तो पूजा पाठ भजन आश्रम दरबार का कोई मतलब नहीं है। आश्रम, कुटी सब मन लगाने का जरिया है। अगर पूजा में मन ही नहीं लगा तो पूजा व्यर्थ है। मन लगाने के लिए संग किया जाता है। स्वामी जी ने सत्संग के क्रम में कहा कि जब तक मन तैयार नहीं होगा, मन समर्पित नहीं होगा तो किसी भी आश्रम या दरबार के निर्माण का कोई अर्थ नहीं है। किसी भी कार्य का होना कल्पना से निर्धारित होता है। सबसे पहले कार्य कल्पना के माध्यम से मनुष्य के मन में आकार लेता है। उन्होंने कहा कि भक्त जहां होंगे वहीं कुटी बनती है। वगैर भक्त के कुटी का कोई मतलब नहीं है। पूर्व जीवन और इस जीवन की कल्पना से ही अगला जन्म तय होता है। किसी आम के फल का मीठापन इसे कितना जल से सींचा गया उस पर निर्भर करता है। लेकिन सिर्फ इस वर्ष के जल से कितना मीठापन आया और विगत वर्ष के जल का कितना असर है यह बताने की न तो कोई प्रकिया है न ही दुनिया में कोई मशीन इस जांच के लिए बनी है। कोलकाता कुटी के निर्माण के क्रम में गरुदेव स्वामी शिवर्धमानंदजी ने भक्तों की रुचि को समझा और कुटी का निर्माण कराया। जब तक भक्तों का मन कुटी के प्रति नहीं लगा तब तक नहीं बना। **(ब्रह्म विद्यालय सह आश्रम, छोटका राजपुर, बक्सर)**

गुणों की खान मेथी

स्नेहलता मिश्रा

मेथी का नाम सुनते ही कुछ कड़वाहट तो नहीं महसूस होती? शायद होती हो। क्योंकि मेथी के दानों में कड़वाहट तो होती ही है। असल में मेथी के दाने बेशक कड़वे होते हों, लेकिन गुणकारी बहुत होते हैं।

मेथी के ढेबरे सामग्री :

मेथी के पत्ते आधा किलो, बाजरे का आटा चार कटोरी, गेहूं का आटा एक कटोरी, थोड़ा सा गुड़, हरा धनिया, हरी मिर्च, पिसा गरम मसाला, तेल, अदरक।

विधि : मेथी के पत्तों को धोकर काट लें और उन्हें बाजरे और गेहूं के आटे में मिला दें। इसमें मसाले एवं गुड़ डालें और इस मिश्रण को गूंथ लें। ध्यान रहे कि यह ज्यादा गीला न हो, बल्कि पूड़ियों के लिए गूंथे जाने वाले आटे की तरह हो। कड़ाही में तेल डालकर गैस पर चढ़ा दें। मेथी-आटे से छोटी-छोटी पूड़ी बनाकर इन्हें तल लें। मेथी के ढेबरे तैयार हैं। इन पर बारीक कटी हरा धनिया और अदरक बुरक दें। स्वाद के लिए आप चटनी भी बना सकते हैं। इसे नाश्ते में ले सकते हैं या कभी भी गरमागरम परोस सकते हैं। ढेबरे सुपाच्य होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी अच्छे हैं। **मेथी के गट्टे सामग्री :**

बेसन 2 कप, मेथी बारीक कटी हुई 2 कप, हरी मिर्च का पेस्ट 2 छोटे चम्मच, गरम मसाला 2 छोटे चम्मच, हींग एक चुटकी, तेल मोयन, नमक स्वादानुसार। तेल 50 ग्राम, मीठी नीम 15 पत्ते, हींग एक चुटकी, जीरा एक छोटा चम्मच, हल्दी 1/2 छोटा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर एक छोटा चम्मच, गरम मसाला एक छोटा चम्मच, अमचूर एक छोटा चम्मच नमक इच्छानुसार, सफेद तिल 2 छोटे चम्मच भुने हुए, 2 हरी मिर्च लंबाई में कटी हुई, 2 छोटे चम्मच चाट मसाला, धनिया बारीक कटी हुई। **विधि :** पहले बेसन में मेथी, सभी मसाले एवं तेल डालकर पानी से कड़ा गूंथ लें। लगभग 10 से 15 मिनट तक ढक कर रखें। एक बड़े भगौने में पानी उबालें, उसमें बेसन के मोटे रोल बनाकर डालें। नुकीली सलाई से चेक करें, यदि सलाई आर पार हो जाती है तो गट्टे उबल कर तैयार हैं। ठंडा होने पर काट लें। अब कड़ाही में तेल गर्म करें। दोनों साबुत लाल मिर्च तल कर निकाल लें। अब तेल में जीरा, हींग, मीठी नीम के पत्तों को डालकर भूनें। अब इसमें हल्दी, मिर्च, गट्टे आदि डालकर हल्के हाथ से चलाएं। 3 या 4 मिनट बाद गरम मसाला और अमचूर पाउडर डालें। हल्का भूरा होने पर उतार लें।

योग के आध्यात्मिक पक्ष को जानें

- डॉ. परिणीता सिंह

योग एक ऐसी विद्या है, जिसके द्वारा शारीरिक एवं मानसिक समस्याओं का निराकरण ही नहीं बल्कि जीवन को नैतिक और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से भी सार्थक बनाता है। योग शब्द की उत्पत्ति युज धातु से हुई है, जिसका अर्थ है एक होना।

यहां एकीकरण का तात्पर्य मनुष्य के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक पक्षो का सम्मिलित होने से है।आज विश्व वैज्ञानिक एवं भौतिक दृष्टि से परिपूर्ण है, परंतु आध्यात्मिक पक्ष का विकास नहीं के बराबर है, जिस कारण कई सुविधाएं होने के बावजूद भी शारीरिक एवं मानसिक रोग उत्पन्न हो रहे हैं।मानसिक विकार एवं विकृति के कारण मनो दैहिक रोग का जैसे जाल सा फैल रहा है। जितने भी सामाजिक, राजनीतिक संस्थाएं हैं, वैसे सभी योग के चिकित्सात्मक पक्ष पर ही बल दे रहे हैं, जिससे बीमारियां तो खत्म हो रही है, परंतु सर्वांगीण व्यक्तित्व का विकास नहीं हो पा रहा है। इन दिनों योग के व्यवहारिक पक्ष से भी सिर्फ कुछ क्रियाओं जैसे आसन प्राणायम पर ही बल दिया जा रहा है। जिस कारण योग अपनी यौगिक शास्त्रीय अवधारणा में से अलग होता जा रहा है ।

जबकि संपूर्ण व्यक्तित्व के लिए कई यौगिक क्रियाओं का समावेश आवश्यक है ।यौगिक शास्त्रों में योग के व्यवहारिक एवं सैद्धांतिक पक्षों को भलीभांति समझाया गया है ।ऋषि-मुनियों ने मानवता की असीम दुख पीड़ा के उन्मूलन एवं आनंद तथा शांति की प्राप्ति के अनेकों उपाय बताएं है । जिसके द्वारा शारीरिक एवं मानसिक समस्याओं का निवारण की नहीं बल्कि जीवन को नैतिक एवं आध्यात्मिक दृष्टिकोण से भी सार्थक बनाया जा सकता है ।

संपूर्ण व्यक्तित्व की प्राप्ति के लिए मानस विज्ञान को जानना समझना अति आवश्यक है, जिसमें मन के स्वरूप, मन की कार्यप्रणाली एवं मन का विस्तार संबंधी विषय अत्यंत गहन रूप से ग्रंथों में उपलब्ध है । जिसके द्वारा शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक एवं आध्यात्मिकता का विकास किया जा सकता है। आध्यात्मिकता का जागरण अज्ञानता को समूल समाप्त करती है, जिससे मनुष्य वास्तविक स्वरूप का आनंद अनुभव करता है और सदा उन्मुक्त एवम स्वतंत्र रहता है।

(फैकल्टी योग विभाग, रांची विश्वविद्यालय रांची डायरेक्टर - डिवाइन योगा अकादमी वाइस प्रेसिडेंट - इंडियन योग एसोसिएशन, झारखंड)

1857 की क्रांति

समय के साथ 1857 की क्रान्ति आरंभ हुई। इस क्रांति का उद्घोष बंगाल की बैरकपुर छावनी से क्राँतिकारी सिपाही मंगल पाडेय ने कर दी थी। अंग्रेजों ने कुछ सैनिकों का कोर्ट मार्शल किया और कुछ को अपमानित करके बर्खास्त कर दिया। छावनी में बर्खास्त किये गये सैनिकों में एक बड़ी संख्या भोजपुरी सैनिकों की थी। वे बर्खास्त और अपमानित होकर भोजपुर लौटे। इसकी प्रतिक्रिया स्थानीय नागरिकों में हुई। जगदीशपुर में सभा हुई और अंग्रेजों से भारत को मुक्त कराने का संकल्प लिया गया। सभी सैनिक और नागरिक एकत्र होकर बाबू कुँअर सिंह के पास आये और उनसे नेतृत्व संभालने का अनुरोध किया। तब बाबू कुँअर सिंह की आयु 80 वर्ष थी फिर भी उन्होंने मातृभूमि की मुक्ति के संघर्ष का मार्ग चुना। पूरे भारत में यह क्राँति मई माह में आरंभ हुई लेकिन जगदीशपुर में इसका उद्घोष अप्रैल 1857 में ही हो गया था। बाबू कुंवर सिंह के नेतृत्व में इन सैनिकों ने पहले कारागार से सभी बंदियों को मुक्त किया और अंग्रेजों के खजाने को अपने अधिकार में ले लिया। यह तिथि 27 अप्रैल 1857 थी। इसके बाद क्राँतिकारी सैनिक दानापुर सैन्य छावनी पहुंचे और दानापुर छावनी के भारतीय सैनिकों को अपने साथ लिया और भोजपुर, शाहाबाद, आरा आदि आसपास के सभी नगरों को अपने अधिकार में ले लिया।

इस विजित क्षेत्र पर प्रशासन संचालन की व्यवस्था करके बाबू कुँअर सिंह के नेतृत्व में सैनिकों ने बीबीगंज पर धावा बोला और उसपर अधिकार कर लिया।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह

स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह

द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रधान संपादक
सौरभ कुमार
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006

e-mail
khabarmantra.city@gmail.com

R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797

धनबाद कार्यालय
लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित।
(R.N.I No. आवेदित)

*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

क्लीनिकल लैब टेक्नोलॉजी के फील्ड में जॉब

प्रशांत झा

मेडिकल और क्लीनिकल लैब टेक्नोलॉजी के फील्ड में व्यापक श्रेणी में ब्लड बैंक टेक्नोलॉजी आती है। ब्लड बैंक तकनीशियन, आमतौर पर फ्लेबोटोमिस्ट के रूप में प्रशिक्षित किए जाते हैं और यह ब्लड को इकट्ठा करने और लेबलिंग करने का काम करते हैं। ब्लड बैंक तकनीशियन आमतौर पर मेडिकल प्रयोगशालाओं और ब्लड बैंक्स में काम करते हैं। ये डोनर से ब्लड कलेक्ट करके स्टोर भी करते हैं। इसके अलावा ब्लड का टाइप, और कलेक्ट किया ब्लड सुरक्षित है कि नहीं, ब्लड में स्वस्थ अणुओं के स्तर का भी प्रशिक्षण करते हैं। ब्लड बैंक तकनीशियन का कोर्स नेशनल स्किल डेवलपमेंट कारपोरेशन के तहत आता है और इस कोर्स को करके आप एक अच्छा भविष्य तो बना ही सकते हैं साथ ही प्रधानमंत्री के मिशन कौशल भारत, कुशल भारत में भी साथ दे सकेंगे।

नेचर ऑफ वर्क

ब्लड बैंक तकनीशियन की ज्यादातर गतिविधियां कार्यालय आधारित होती हैं। वह ब्लड बैंक्स और प्रयोगशालाओं में ही काम करते हैं। डोनर से ब्लड लेकर उसकी बारीकी से रिसर्च करना, उस ब्लड का टाइप पता करने और खासकर वह ब्लड कितना सुरक्षित है यह देखना, आपातकालीन समय के लिए उस ब्लड को स्टोर करने तक का काम ब्लड तकनीशियन का ही होता है। इसके अलावा हॉस्पिटल्स की लैब में पेशेंट्स के ब्लड की जांच करना और उससे संबंधी जानकारियों को इकठ्ठा करना ही ब्लड बैंक तकनीशियन का काम होता है। इन सभी कार्य के साथ-साथ तकनीशियन ब्लड का रिकॉर्ड भी तैयार करता है। जो व्यक्ति इस फील्ड में अपने करिअर को आगे बढ़ाना चाहते हैं उनमें स्वतंत्र रूप से काम करने की क्षमता होनी आवश्यक है और साथ ही उनमे एक अच्छा विश्लेषणात्मक कौशल भी होना चाहिये।

कोर्स, योग्यता एवं अवसर

इच्छुक व्यक्ति का किसी भी संकाय वा किसी भी मान्यताप्राप्त बोर्ड से 12वीं पास होना अनिवार्य है। इन कोर्स के दौरान अभ्यर्थियों को प्रैक्टिकल ट्रेनिंग में खासा ध्यान रखा जाता है, जिसमें उन्हें तरह-तरह के ब्लड सैंपल्स की जांच करना सिखाया जाता है और इसके अलावा ब्लड की हर एक जरूरी तत्व को समझाया जाता है। साथ ही कोर्स के दौरान आपातकालीन स्थिति या किसी भी तरह की आपदा की स्थिति में किस तरह से निपटा जाए और कैसे उस स्थिति में काबू पाया जाए वह भी सिखाया जाता है। इस फील्ड में आप एसएससी के द्वारा भी परीक्षा देकर किसी भी सरकारी पद के लिए आवेदन कर सकते है।

इस कोर्स में डिप्लोमा लेने के बाद हर राज्य में सरकारी व गैर सरकारी विभाग में नौकरी के कई नए अवसर खुल जाएंगे। इसके अलावा अभ्यर्थी प्राइवेट हॉस्पिटल्स या प्राइवेट लैब में भी काम करके खासा पैसा कम सकता है। वर्तमान समय की अगर बात की जाए तो मेडिकल लैब की मार्केट में भरमार है और बड़ी-बड़ी कंपनियां जैसे डॉ पैथ लैब और रैनबैक्सी की तो हर एक शहर में लैब है।

इसमें ब्लड बैंक डिपार्टमेंट में ऐसे लोगों की अच्छी डिमांड है। इसके अलावा सरकारी अस्पतालों के ब्लड बैंक्स में भी नौकरी मिलने की संभावना बनी रहती है। डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स करने के बाद आप बतौर तकनीशियन किसी भी ब्लड बैंक में काम कर सकते हैं।

बच्चों में कॉर्टून की बुरी लत

मोनिका शर्मा

टेलीविजन स्क्रीन पर हंसते खिलखिलाते दिखते कार्टून कैरेक्टर्स को बच्चे पसंद तो करते ही हैं, उनके मन पर भी इनका असर कुछ कम नहीं होता। यही वजह है कि ऐसे कार्यक्रमों में दिखने वाले प्यारे-न्यारे चेहरे सिर्फ मनोरंजन करने वाले चरित्र भर नहीं बल्कि मासूमों की सोच और समझ को भी गहराई से प्रभावित करते हैं। तकलीफदेह है कि हमारे यहां कई कार्टून कार्यक्रम बच्चों के मनोविज्ञान के मुताबिक नहीं हैं। इनसे बच्चों का विचार और व्यवहार दोनों ही प्रभावित हो रहे हैं। कई कार्टून चरित्रों की भाषा से लेकर हावभाव तक, सब कुछ नकारात्मकता परोसने वाले हैं। ऐसे में बच्चे टीवी पर कैसे कार्टून प्रोग्राम देख रहे हैं, इसे लेकर अभिभावक खुद सजग रहें।

समय तय कीजिए

कई घरों में बच्चे घंटों कार्टून प्रोग्राम देखते हैं। कोरोना काल में बच्चों का टीवी टाइम और बढ़ा है जिसके चलते छोटे बच्चों का कार्टून कार्यक्रमों को देखने का समय भी बढ़ गया है। बहुत छोटे बच्चे जो अभी तक स्मार्ट गैजेट्स के जाल में नहीं फंसे हैं, वे टीवी स्क्रीन को ताकने में समय बिता रहे हैं। जबकि टेलीविजन में हर वक्त अपनी आंखें गड़ाए रखना बच्चों के लिए कई खतरे लिए है। बच्चों में सिरदर्द, कमर दर्द, आंखों का रूखापन, मोटापा जैसी फिजिकल समस्याएं आम हैं। ऐसे ही एकाग्रता में कमी, चिड़चिड़ापन और गुस्से जैसी कुछ व्यवहारगत तकलीफें भी लम्बे समय तक टीवी देखते रहने के चलते बच्चों को घेर रही हैं। स्कूल में एक नियत शेड्यूल में क्लासरूम का माहौल और शारीरिक गतिविधियों का समय तय था। अब बच्चे पूरा दिन घर में बिता रहे हैं। यह उन्हें शारीरिक और मानसिक समस्याओं से बचाएगा।

भाषा और बिहेवियर परखें

आमतौर पर बच्चों के साथ इन कार्यक्रमों को देखने के लिए घर के बड़े नहीं बैठते हैं। बच्चे अकेले ही अपनी दिनचर्या का बड़ा हिस्सा कार्टून प्रोग्राम देखने में बिताते हैं। इन कार्यक्रमों में क्या दिखाया जा रहा है? यह अभिभावकों को पता तक नहीं होता। जबकि कई कार्टून हिंसा और अन्धविश्वास के साथ कई चरित्र आक्रामक, अभद्र और अजीबोगरीब भाषा बोलते हैं। यह भाषा शैली मासूमों के दिलो दिमाग पर गहरा प्रभाव डालती है।

घर के माहौल में एहतियात बरतने और उनकी भाषा पर ध्यान दिए जाने के बावजूद बच्चे ऐसी भाषा बोलना सीख जाते हैं। कार्टून चरित्रों की तरह बोलने की कोशिश करते हुए कई अपमानजनक और बेहूदा शब्द उनकी बातचीत का हिस्सा बन जाते हैं। उनकी तरह बोलना और व्यवहार करना बच्चों की आदत में शुमार हो जाता है।

लत न बने

एक अध्ययन के अनुसार आज देश में 30 प्रतिशत स्कूली बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को देखभाल की जरूरत है। यह कहीं ना कहीं अकेलेपन का नतीजा है, जो उन्हें कार्टून कार्यक्रमों को देखने का आदी भी बना रहा है। जाने-अनजाने बच्चों का मन इन कार्यक्रमों को देखने का आदी भी बन रहा है। एक अध्ययन के मुताबिक 2-5 साल तक के बच्चे एक हफ्ते में तकरीबन 32 घंटे कार्टून कार्यक्रम देखने में लगाते हैं। पेंडेमिक काल में यह समय बढ़ा ही है।

कहानियों से जोड़ें

आज के समय में किस्से-कहानियों के जरिए बच्चों का मनोरंजन करना बीते जमाने की बात हो गई लगती है। कहानियां, जो सही मायने में बच्चों का भाषायी ज्ञान और शब्दावली बढ़ाने में सहायक हैं, अब बचपन का हिस्सा ही नहीं रहीं। बालमनोवैज्ञानिक भी मानते हैं कि कहानियां बालमन को बौद्धिक और भावनात्मक दोनों ही स्तरों पर सकारात्मक ढंग से प्रभावित करती हैं। ऐसे में पेरेंट्स बच्चों को किस्सों कहानियों से जोड़ें।

क्राँतिकारी बाबू कुँअर सिंह, 80 वर्ष की आयु में संभाली थी क्रांति की कमान

26 अप्रैल 1858 : क्राँतिकारी बाबू कुँअर सिंह, 80 वर्ष की आयु में संभाली थी क्रांति की कमान

-रमेश शर्मा

भारतीय स्वाधीनता संग्राम में ऐसे असंख्य बलिदानी हुये जिन्होंने न अपने परिवार की चिंता की न आयु बाधा बनी। वे भारत की स्वाधीनता के लिये न्यौछावर हो गये। ऐसे ही बलिदानी थे बाबू कुँअर सिंह, जिन्होंने हाथ में बंदूक लेकर 80 वर्ष की आयु में क्राँति का मोर्चा संभाला। उनका जन्म 1777 को बिहार के शाहाबाद जिला अंतर्गत जगदीशपुर गांव में हुआ था। शाहाबाद का पुराना नाम भोजपुर था। बाबू कुँअर सिंह भोजपुर बसाने वाले इतिहास प्रसिद्ध राजा भोज के वंशज माने जाते थे लेकिन समय के साथ यह वंश परंपरा जगदीशपुर के जागीरदार तक पहुंची। अंग्रेजी राज में इस परिवार ने समन्वय का मार्ग निकाला। अंग्रेजों से संबंध तो ठीक रखे लेकिन अपनी जागीर के अंतर्गत सामान्य जनों पर कोई अतिरिक्त कर न थोपे। कृषि एवं खनिज उत्पाद का एक निश्चित लाभांश संबंधित प्रजा जनों को मिले इसका सिद्धांत बनाकर ही वे अपनी जागीर का संचालन करते थे इसलिए वे अपनी प्रजा में बहुत लोकप्रिय और सम्मानित भी थे।

अंग्रेज समर्थक टुकड़ी ने या तो घुटने टेक दिये अथवा भाग गई। यह 2 अगस्त 1857 की तिथि थी। पर क्राँतिकारियों की यह स्वतंत्र सत्ता अधिक न चल सकी। सितम्बर माह में अंग्रेजी फौज ने पहले आरा पर हमला बोला फिर बीबीगंज पर। अंग्रेजों के पास आधुनिक हथियारों से युक्त सैन्य टुकड़ी और तोखाना था। आरा और बीबीगंज में अंग्रेजों के भारी पड़ते ही क्राँतिकारी जगदीशपुर आ गये। अंग्रेजी फौज ने जगदीशपुर घेरा और गोलाबारी से किले की दीवारें ध्वस्त कर दीं। एक भी व्यक्ति को जीवित न छोड़ा। महल और किला दोनों खंडहर हो गये। वीर कुंवर सिंह किसी प्रकार सुरक्षित निकल गये। वे पहले मध्य प्रदेश के रीवा आये। रीवा राज परिवार में उनकी रिश्तेदारी थी। रीवा में कुछ दिन रुककर बांदा गये फिर कालपी। यहाँ उनकी भेंट तात्या टोपे और नाना साहब पेशवा से हुई।

बाबू कुँअर सिंह आगे चल रहे थे और अंग्रेज अधिकारी कॉलिन के नेतृत्व में एक सैन्य टुकड़ी निरंतर उनका पीछा कर रही थी। नाना साहब पेशवा ने बाबू कुंवर सिंह की सुरक्षा में रामगढ़ के सैनिकों की एक टुकड़ी तैनात कर दी थी। इस टुकड़ी की सतर्कता से पीछा कर रहे अंग्रेज सैनिकों का दांव न लग रहा था। कुँअर सिंह बांदा, आजमगढ़, बनारस, बलिया, गाजीपुर एवं गोरखपुर होकर बिहार लौटना चाहते थे। जब यह समूह गंगा पार करने के लिये नाव में बैठा तब पीछा कर रहे अंग्रेज सैनिकों ने मौका देखकर गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षा टुकड़ी ने जवाबी गोलीबारी तो की पर वे नाव में थे। बचाव असफल हो गया। अनेक क्राँतिकारी घायल हो गये। एक गोली वीर कुँअर सिंह को भी लगी। यह गोली उनकी बांह में लगी थी। किसी तरह बचकर जंगल की ओर गये। बहुत रक्त बह गया था। बचने की संभावना बहुत कम रह गई थी। वे अपने जन्मस्थान पर ही शरीर छोड़ना चाहते थे इसलिये जगदीशपुर की ओर चल दिये। वे 23 अप्रैल 1858 को जगदीशपुर पहुंचे। अधिक रक्त बहने और घाव बढ़ने से जीवन नाम मात्र का रह गया था। जगदीशपुर में उपचार हुआ किन्तु व्यर्थ गया और 26 अप्रैल 1858 को क्रान्ति के इस महान नायक ने शरीर त्याग दिया ।

इतिहास की पुस्तकों में इस 80 वर्षीय वीर महानायक का विवरण बहुत कम है पर भोजपुर के लोक जीवन में इनके संघर्ष की चर्चा कहानियों के रूप में आज भी जीवन्त है ।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

स्पीड न्यूज

पहलगाम के शहीदों को श्रद्धांजलि

कुजू। पहलगाम में आतंकी हमले के विरोध में डटमा मोड़ में मृतकों को श्रद्धांजलि दी गयी। श्रद्धांजलि में शामिल लोगों ने शहीदों के आत्मा की शान्ति के लिए उनके चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित श्रद्धांजलि अर्पित किया। साथ ही दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किया। वही सभी लोगों ने एक स्वर पीड़ितों को न्याय दिलाने की मांग किया। कहा कि पाकिस्तान को एक बार फिर से उसके घर मे घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक किया जाए। साथ ही विरोध प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान मुर्दाबाद समेत आतंकियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। सभी लोगों ने सरकार से पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग किया। कहा कि जिस तरह से आतंकियों हमारे हिन्दू भाइयों को धर्म पूछकर मारा, अब समय आ गया है कि हम लोग अपना धर्म बता कर उनको मारेंगे। श्रद्धांजलि सभा में मांडू विधायक तिवारी महतो, अमर सिंह, जगेश्वर प्रजापति, धर्मराज राम, ज्योतिंद्र प्रसाद साहु, मोती प्रसाद, इंद्रमोहन शर्मा, प्रेम प्रसाद, मुखिया जयकुमार ओझा, अनिल सिंह, कुलदीप प्रसाद, जनक प्रसाद, रतन प्रसाद साहु, चिंटू सिंह, नागेंद्र प्रसाद सिन्हा, ललन सिंह, जवाहर प्रसाद अग्रवाल, शिवा मेहता, अखिलेश सिंह, मोहसिन खान, आकाश ओझा, जयकिशोर महतो, फुदन मिश्रा, विकास सिंह, प्रदीप गुप्ता, सुनील सिंह, गौरी शंकर प्रसाद, अजीत सिन्हा, पप्पू ठाकुर सहित काफी संख्या में लोग शामिल थे।

दिगवार में निकाला कैंडल मार्च

कुजू। पहलगाम में आतंकी हमले के विरोध में शुक्रवार देर शाम दिगवार मे कैंडल मार्च निकला गया। दर्जनों की संख्या में शामिल लोगों ने अपने हाथों में कैंडल लेकर पाकिस्तान के विरुद्ध नारा लगाते हुए अपनी मार्च की शुरूआत की। कैंडल मार्च मैन चौक से प्रारंभ होकर हिंद चौक और बाद में दिगवार चौक पहुंचकर सभा कर इसकी समाप्ति की गई। मौके पर वक्ताओं ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कश्मीर की धरती एक बार फिर आतंक की आग में झुलस गयी। पहलगाम की वादियों में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकियों द्वारा 28 मासूम पर्यटकों की नृशंस हत्या ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। जिसको लेकर देशभर के लोगों के बीच गुस्सा है। बाद में पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगाने और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह एवं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से इसका प्रतिशोध लेने की मांग की। कैंडल मार्च में सांसद प्रतिनिधि मनोज गिरी, अर्जुन यादव, कुलदीप कुशवाहा, कुलदीप अमीन, सुनील प्रसाद साहू, रोहन लाल, विनोद प्रसाद, विनोद कुशवाहा, बुद्धदेव महतो, दिलेश्वर कुशवाहा, अर्जुन कुशवाहा, चंदन कुमार, बालेश्वर महतो, द्वारिका महतो, सुनीता दास, उर्मिला देवी, संगीता देवी, सुमन देवी, वीणा देवी, रूबी देवी, चिंता देवी, मंजू देवी, ऐतवारिया देवी,बिगु महतो, विनोद यादव, पवन यादव, रमेश यादव, नारायण महतो समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल थे।

भुरकुंडा में एनसीओइए की बैठक

भुरकुंडा (रामगढ़)। एनसीओईए (सीटू) भुरकुंडा ब्रांच की बैठक शुक्रवार को शाखा कार्यालय में हुई। इसकी अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष किरण कुमार ने किया। बैठक में 20 मई को प्रस्तावित हड़ताल को सफल बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई। मौके पर भुरकुंडा शाखा सचिव संतोष यादव ने कहा कि मजदूरों के अधिकारों की रक्षा और उनकी मांगों को लेकर यह हड़ताल बेहद अहम है। क्षेत्रीय सचिव रामनरेश सिंह ने हड़ताल के महत्व को विस्तारपूर्वक समझाया और संगठन को मजबूत बनाने पर प्रकाश डाला। बैठक में भुरकुंडा क्षेत्र के मजदूरों की विभिन्न समस्याओं जैसे वेतन, कार्य स्थितियों और सुविधाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में असगर अंसारी, सन्यासन घोष, प्रमोद सिंह, इसरफूल अंसारी, गणेश उरांव, एतवा उरांव समेत कई अन्य साथी उपस्थित थे।

तमिरे मिल्लत कमेटी की बैठक

भुरकुंडा (रामगढ़)। तमिरे मिल्लत कमेटी ब्लॉक पतरातु की हुई बैठक। बैठक में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 हिंदुओं की हत्या पर शोक व्यक्त किया गया। सदस्यों ने आतंकवादियों की इस कायराना हरकत की कड़े शब्दों में निंदा की और शहीदों के परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की। कमेटी ने केंद्र सरकार से मांग की कि इस जघन्य हमले में शामिल दोषियों को तत्काल गिरफ्तार कर उन पर कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कदम उठाने और सभी राजनयिक व व्यापारिक संबंधों को समाप्त करने की भी मांग उठाई गई। बैठक की अध्यक्षता कमेटी के अध्यक्ष रूसतम अंसारी एवं संचालन सचिव आजाद अंसारी ने किया। मौके पर मो. रुस्तम अंसारी, मो. आजाद अंसारी, मो. इरफान अंसारी, मो. अफजाल अंसारी, मो. शमशुल अंसारी, मो. मुबारक अंसारी, मो. सुल्तान अंसारी, मो. अनवर हुसैन, मो. सलाउद्दीन मंसूरी, मो. रियाज अहमद, मो. कयूम अंसारी, मो. समसुल अंसारी, मो. जहीर अंसारी, गुलाम जिलानी, हाफिज ताहिर हुसैन, कारी सरफुद्दीन साहब, मो. फिरदौस आलम, मो. साजिद अंसारी सहित कई लोग मौजूद थे।

पहलगाम हमले के विरोध में पूरी तरह बंद रहा हजारीबाग

चेंबर और व्यापारियों ने निकाला जुलूस

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की निर्मम हत्या के विरोध में शनिवार को हजारीबाग पूरी तरह बंद रहा। फेडरेशन ऑफ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, हजारीबाग के आह्वान पर आयोजित इस एकदिवसीय बंद को व्यापारियों, उद्यमियों और आमजनों ने स्वतःस्फूर्त समर्थन दिया। सुबह 9 बजे से ही बाजारों में चेंबर पदाधिकारी और व्यापारी जुलूस की शक्ल में निकले और बंद का व्यापक असर देखा गया। झंडा चौक पर पाकिस्तान के खिलाफ उग्र नारों के बीच आक्रोश प्रदर्शन हुआ। शहीदों अमर रहें और आतंकवाद मुर्दाबाद के नारों से गूंज उठा। जनता के चेहरों पर आतंकवाद के प्रति गुस्सा और मृतकों के प्रति गहरी संवेदना झलक रही थी। सांसद मनीष जायसवाल और विधायक प्रदीप प्रसाद ने भी बंद का समर्थन करते हुए अपने कार्यालय दिनभर बंद रखे। दोनों ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ

एकजुट हैं और इस हमले का निर्णायक जवाब दिया जाना चाहिए। चैंबर अध्यक्ष शंभू नाथ अग्रवाल, सचिव राकेश ठाकुर, उपाध्यक्ष सुबोध अग्रवाल और अन्य पदाधिकारियों ने जनता की एकजुटता की सराहना की और केंद्र सरकार से आतंकियों व उनके संरक्षकों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। चैंबर ने बंद को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी व्यापारियों और जनता का आभार व्यक्त किया।

भुरकुंडा में सदभावना मंच ने किया प्रदर्शन

भुरकुंडा (रामगढ़)। सद्भावना मंच रीवर साईड भुरकुंडा ने पिछले 22 अप्रैल को पहलगाम जम्मू कश्मीर में आतंकियों द्वारा 26 निहत्थे पर्यटकों के उपर हमला कर मौत के घाट उतारने के खिलाफ कैंडल जुलूस निकाला। कैंडल जुलूस में लोग भारतीय तिरंगा लेकर रीवर साईड के विभिन्न मार्गों से पर्यटकों के हत्यारों को सबक सिखाना होगा, सरकार आतंकियों को उनकी भाषा में जबाब दे सहित अन्य नारे लगा रहे थे।

आतंकियों के खिलाफ सदभावना मंच के बैनर तले दर्जनों लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए घटना की पुरजोर निंदा कर सरकार से अविलंब कड़ी कारवाई की मांग की।

मौके पर मुखिया प्रतिनिधि जानकी ठाकुर, संतोष यादव, नसीम अख्तर, डॉ

एसजे अख्तर, डॉ शकील अहमद, डॉ क्यू अली, हबीबुल्लाह, मो सफीउद्दीन, शमीम, रफीक, इकबाल, हारून, नौशाद, शाहिद, जीशान, सुफियान, इकबार आलम, जमालुद्दीन, सदरुद्दीन, खुर्शीद आलम, अफरोज आलम, रुस्तम अली, इरफान, अख्तर इमाम सहित अन्य लोग शामिल थे।

रामगढ़ में आठ दुकानों में छापेमारी

रामगढ़। सिविल सर्जन रामगढ़ डॉ महालक्ष्मी प्रसाद एवं जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ तूलिका रानी के निर्देशानुसार रामगढ़ थाना अंतर्गत जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी दीप श्री द्वारा कॉलेज गेट से ब्लॉक तक कोटपा 2003 के अंतर्गत छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान कोटपा अंतर्गत 6ए एवं धारा 4 के अंतर्गत 8 दुकानदारों से 1500 रुपए का आर्थिक दंड वसूला गया । बहुत से दुकानदारों से उनके दुकान पर लगे अवैध बैनर को निकलवाया गया। होटल और मॉल में धूम्रपान निषेध का बोर्ड नहीं होने की स्थिति में अर्थदंड लिया गया, उन्हें प्रारूप दिया गया तथा उसे लगाने हेतु निर्देश दिया गया।

राजद ने निकाला कैंडल मार्च

कुजू। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए 28 लोगों के आत्मा की शांति के लिए युवा राजद के प्रदेश सचिव ललन यादव के नेतृत्व में प्रेमनगर में कैंडल मार्च निकाला गया।

मौके पर युवा राजद के प्रदेश सचिव ललन यादव ने कहा कि आतंकियों ने कश्मीर के पहलगाम में पयर्टकों की हत्या किया है इससे पूरा देश में आक्रोश का माहौल है। उन्होंने शहीद हुए सभी लोगो को श्रद्धांजलि देते हुए भारत सरकार से मांग किया कि ऐसा कदम उठाए, जिससे भविष्य में आतंकवाद फन न उठा सके। कैंडल मार्च चौराहे से शुरू होकर राजद कार्यलय, बाजार से होते हुए पुनः प्रेमनगर आकर समाप्त हो गयी। कैंडल मार्च में शामिल आरजेडी के सभी समर्थकों ने आतंकी हमले को लेकर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। आतंकी हमले में मारे गए लोगों की आत्माशांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। मौके पर रामगढ़ जिला अध्यक्ष सुधीर कुमार,उपाध्यक्ष जीतेन्द्र यादव उर्फ जटल यादव,रामगढ़ जिला प्रवक्ता परमेसर गोप, मांडू प्रखंड अध्यक्ष पप्पू यादव, उपाध्यक्ष पप्पु यादव, उपाध्यक्ष कृष्णा यादव, संदीप यादव, चिंटू यादव, निशांत यादव, रणविजय कुमार, रविंदर राम, मनीष कुमार, टेम्पू तूरी, मोनू चौधरी, सहित सैकड़ों लोगों ने श्रद्धांजलि दी।

चबूतरे की मरम्मत करवा कर 60,000 रुपये का बिल बनाया

खबर मन्त्र संवाददता

इचाक। इचाक प्रखंड कार्यालय में बिना रिश्वत के फाइल का हिलना भी नामुमकिन है। प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा और स्वच्छ भारत मिशन जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं को जमकर लूटा जा रहा है। लाभुकों से योजनाओं का लाभ दिलाने के नाम पर 10,000 से 15,000 रुपये की वसूली की जा रही है। तिलरा के वार्ड नंबर 10 में मात्र 10,000 रुपये की लागत से चबूतरे की मरम्मत करवा कर 60,000 रुपये का बिल बनाया गया। मनरेगा में तो फर्जी मस्टर रोल के सहारे बिना काम कराए भुगतान कराए जा रहे हैं। आरटीआई कार्यकर्ता के खुलासे के मुताबिक, 50 से ज्यादा शौचालयों के पैसे बिना निर्माण कार्य के ही निकाल लिए गए। सूत्र बताते है कि पंचायत सचिव, रोजगार सेवक और जेई की मिलीभगत से योजनाओं की रकम का गोरखधंधा किया जा रहा है, और जिला प्रशासन की

रहस्यमयी चुप्पी पूरे खेल को संरक्षण दे रही है। शिकायत करने वाले ग्रामीणों को धमकाकर चुप कराया जा रहा है। अब सवाल उठता है कि जब भ्रष्टाचार ही सिस्टम का हिस्सा बन गया हो, तो आम आदमी किससे उम्मीद करे? इचाक की जनता जवाब मांग रही है। जिला प्रशासन से उम्मीद है कि वह तत्काल सख्त कदम उठाए, निष्पक्ष जांच कर दोषियों को बेनकाब करे और इस प्रखंड को भ्रष्टाचार के दलदल से बाहर निकाले। अगर अब भी चुप्पी साधी गई, तो इचाक का भविष्य अंधेरे में गुम हो जाएगा और एक उम्मीद भरा इलाका सिर्फ एक किस्सा बनकर रह जाएगा।

ए ला एंग्लाइज विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। ए ला एंग्लाइज विद्यालय बिरसा चौक भुरकुंडा में शनिवार को नर्सरी कक्षा के नन्हें बच्चों के लिए रंगीन और रचनात्मक हथेली चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों की कल्पनाशक्ति को प्रोत्साहित करना और उनमें रंगों के प्रति रुचि विकसित करना था। बच्चों ने अपनी नन्ही हथेलियों को अलग-अलग रंगों में रंगकर कागज पर सुंदर छापे बनाए। फूल, पत्ते, पक्षी और तितली जैसी आकृतियों को बच्चों ने जीवंत कर दिया। पूरे आयोजन में बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और उल्लास देखते ही बनता था।

केजी कक्षा की प्राचार्या अंजू पटेल ने कहा कि बच्चों ने अपनी कल्पनाशक्ति और रचनात्मकता का

अद्भुत प्रदर्शन किया। रंगों की मदद से बच्चों ने विविध आकृतियां रचीं जो अत्यंत मनोहारी रहीं। इस गतिविधि ने बच्चों को रंगों के साथ खेलने, सोचने और सृजनात्मकता के माध्यम से सीखने का अवसर दिया। बच्चों का उत्साह अद्वितीय था और उनके लिए यह अनुभव अत्यंत आनंददायक रहा। विद्यालय के प्रधानाचार्य विजयंत कुमार ने कहा कि नन्हीं हथेलियों ने रंगों से रचा सपनों का संसार। रंगों की छुअन से उभरी इन मासूम कल्पनाओं ने सभी का मन मोह लिया। इस तरह की गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास

हथेलियों ने रंगों से रचा सपनों का संसार : विजयंत कुमार

के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। शिक्षकों और स्टाफ सदस्यों ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया और उनके प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए। यह आयोजन बच्चों के लिए न सिर्फ मनोरंजक रहा, बल्कि सीखने का एक सुंदर और यादगार अवसर भी बना।

आयोजन को सफल बनाने में केजी की प्राचार्या अंजू पटेल, सचिव डॉ. गजाधर महतो प्रभाकर, जय किशोर प्रसाद महतो, धर्मेश सोनी, कंचन सोनी, कृष्ण अंबष्ठा, कंचन दास, सिद्धार्थ कुमार, राजन कुमार, वैभव कुमार, अजीत कुमार सिन्हा, प्रिसिला वर्षा टेटे, सपना मिंज, शबनम बानो, ट्विंकल पॉल, पूजा कुमारी और शीला देवी का विशेष योगदान रहा।

एक नजर में

डीएवी बरही में आस्था शरण हुयीं सम्मानित

बरही। डीएवी पब्लिक स्कूल, बरही ने यूपीएससी 2024 में 354वीं रैंक हासिल करने वाली जरहिया गांव की आस्था शरण का शनिवार को पूरे सम्मान के साथ स्वागत किया। एनसीसी के छात्रों ने उन्हें सैन्य परंपरा के साथ सलामी दी। समारोह में प्राचार्य डॉ. आशुतोष कुमार ने कहा कि कठिन संघर्ष ही सफलता की असली कुंजी है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि संघर्ष को जीवन का अंग मानें और कभी हार न मानें। आस्था शरण ने अपने अनुभव साझा करते हुए निरंतर अभ्यास, समर्पित प्रयास और माता-पिता व गुरुजनों के आशीर्वाद को सफलता का मूलमंत्र बताया। पूर्व छात्रा तपस्या ने नीट परीक्षा में सफलता पाने के टिप्स दिए, वहीं पूर्व शिक्षक शशि कुमार यादव ने सफलता के सूत्र बताए। प्राचार्य ने सभी शिक्षकों से अपील की कि वे बच्चों की प्रतिभा को तराशने में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम में उत्साह और गर्व का माहौल रहा।

बरियठ में रूद्रचंडी महायज्ञ को ले भूमि पूजन

इचाक । बरियठ गांव में श्री श्री 1008 रूद्रचंडी नौ दिवसीय महायज्ञ की सफलता के लिए शनिवार को भूमि पूजन और ध्वजारोहण हुआ। महायज्ञ की शुरूआत 1 मई को जल यात्रा के साथ होगी। पुरोहित धर्मेंद्र शास्त्री के नेतृत्व में पूजा-अर्चना और ध्वजारोहण कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की गई। पुजारी परमेश्वर मेहता और प्रदीप प्रसाद मेहता ने वैदिक विधि से कार्यक्रम संपन्न कराया। पूजा उपरांत, बाजे-गाजे, डीजे और जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा निकाली। श्रद्धालु 'जय श्रीराम' का पट्टा माथे पर और पीला वस्त्र पहनकर पूरे बरियठ गांव में जयघोष करते हुए निकले। शोभायात्रा देबी मंडप मंदिर परिसर में ध्वजारोहण के साथ सम्पन्न हुई। साथ ही श्रद्धालु बजरंगबली स्थान और अंबा टोला शिवालय में माता से यज्ञ की सफलता की कामना करने पहुंचे। कार्यक्रम में यज्ञ कमेटी, देवी मंडप निर्माण समिति के सदस्य, गण्यमान्य लोग, महिला-पुरुष श्रद्धालु और आसपास के गांवों से आए सैकड़ों भक्तों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बन गया है।

विधायक ने किया तीन योजनाओं का शिलान्यास

चौपारण। बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने शनिवार को चौपारण प्रखंड में करीब चार करोड़ रुपये की लागत से तीन महत्वपूर्ण विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। विधायक ने उत्क्रमित उच्च विद्यालय ब्रहमोरिया में चारदीवारी निर्माण, उत्क्रमित मध्य विद्यालय कुतलु केंदुआ तथा प्राथमिक विद्यालय नावाडीह, जगदीशपुर के उन्नयन कार्यों की आधारशिला रखी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक यादव ने कहा कि चौपारण क्षेत्र का सर्वांगीण विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। विशेष तौर पर शिक्षा के क्षेत्र में सुधार लाने के लिए हर गांव में मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता में कोई समझौता नहीं किया जाएगा और इसकी जिम्मेदारी विद्यालयों के शिक्षकों को सौंपी गई है। साथ ही संवेदकों को मानक के अनुरूप कार्य करने का सख्त निर्देश दिया गया। विधायक ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि कार्यों की निगरानी करें और कहीं भी गड़बड़ी होने पर तुरंत सूचना दें। इस मौके पर प्रमुख पूर्णिमा देवी, पूर्व मुखिया संघ अध्यक्ष राजदेव यादव, ब्रहमोरिया की मुखिया सरिता देवी, जगदीशपुर की मुखिया सुनीता देवी, भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी, नेता अशोक सिंह समेत कई गणमान्य लोग तथा क्षेत्र के शिक्षक व ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का माहौल उत्साहपूर्ण रहा।

इचाक में खतियानी परिवार की बैठक

इचाक। पुराने धरना स्थल के निकट अशोक राम की अध्यक्षता में खतियानी परिवार की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से चर्चा की गई कि जनता के सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि वे समझ नहीं पाते कि किसे अपना मत दें, क्योंकि नेता सत्ता में आने के बाद जनता की समस्याओं को भूल जाते हैं। गोंदलपुरा पंचायत के बड़का गांव के महिला-पुरुष विगत दो वर्षों से अपनी जमीन और अस्तित्व की रक्षा के लिए सत्याग्रह कर रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याओं का समाधान अब तक नहीं हो पाया है। जान देंगे पर जमीन नहीं देंगे के नारे के साथ आंदोलन जारी है, पर परिणाम निराशाजनक हैं। खतियानी परिवार ने आंदोलन को और व्यापक रूप से फैलाने की आवश्यकता पर बल दिया। वक्ताओं ने कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद के समर्थन में जनता की उम्मीदों के टूटने पर भी चिंता जताई। साथ ही कश्मीर के पहलगाम में 28 सेनानियों की निर्मम हत्या पर शोक व्यक्त करते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की गई। बैठक में कई प्रमुख सदस्य मौजूद थे।

धोबिया पहरी में महिला पर जान लेवा हमला

बरही। भंडारों पंचायत के धोबिया पहरी में एक महिला को बुरी तरह मारपीट कर जानलेवा हमला करने, एवं छीनतई का शिकार हुई महिला की हालत गंभीर बनी हुई है जिसका इलाज हजारीबाग के एक प्राइवेट अस्पताल में चल रहा है। उक्त जानकारी घायल महिला के पिता रामसहाय महतो पिता स्व सेवल महतो बरही थाना के तेलोडीह गांव निवासी ने बरही थाना में आवेदन देकर कर्रवाई की मांग किया। उन्होंने बताया कि मेरी पुत्री को 26 अप्रैल रात 1 बजे राजेन्द्र यादव पिता रामेश्वर यादव ,रामेश्वर यादव पिता स्व० रोहन यादव, नकुल यादव पिता राजेन्द्र यादव,रामचन्द्र यादव पिता कारू महतो , सीताराम यादव सभी ग्राम-डपोक थाना बरही जिला हजारीबाग के निवासी ने बुरा नियत से घर का दरवाजा उचका कर खोला और बसंती देवी को मारपीट कर उसके साथ जबरदस्ती का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि बेटी को मरा समझ कर सभी लोग भाग गये। तत्काल इलाज के लिए बरही हॉस्पीटल में लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के हजारीबाग रेफर किया गया। प्राइवेट हॉस्पीटल में उसका इलाज चल रहा है। अभी तक पुत्री की स्थिति नाजुक बनी हुई।

भारत व हिंदुओं के प्रति शत्रुता का गलत भाव

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

यह पहली बार नहीं है जब आतंकवादियों ने हिंदुओं और भारतीय रक्षा बलों पर कायराना हमला किया है। यह कई दशकों से नियमित बर्बर कार्रवाई रही है। पाकिस्तानी सेना द्वारा प्रशिक्षित आतंकवादियों को भारत में स्थानीय समर्थन प्राप्त है; स्थानीय सहायता के बिना, हमला असंभव है। भारत विरोधी तत्वों और कुछ राजनीतिक दलों के बीच का काला गठबंधन देश और हिंदू समुदाय के खिलाफ मुसलमानों का ब्रेनवॉश कर रहा है। भले ही भारत में मुसलमानों को हिंदुओं की तुलना में समान व्यवहार और लाभ मिले हों, फिर भी कई मुसलमान उनके प्रति शत्रुता क्यों रखते हैं?

मैं यह दावा नहीं कर रहा हूँ कि सभी मुसलमान एक जैसे हैं लेकिन बहुसंख्यक अच्छे मुसलमान कभी मानवता और राष्ट्र के खिलाफ इन आतंकवादियों के भयानक कृत्यों का सार्वजनिक रूप से विरोध क्यों नहीं करते? अगर अच्छे मुसलमान और बुद्धिजीवी मानते हैं कि भारत में मौजूदा सरकार मुस्लिम विरोधी है तो उन्हें शोध करना चाहिए और समझना चाहिए कि चीन में मुसलमानों के साथ किस तरह का व्यवहार किया जाता है, जिस विचारधारा को मुस्लिम समुदाय अपने करीब मानता है। किसी भी इस्लामिक संघटन या इस्लामिक राष्ट्र द्वारा चीनी सरकार के खिलाफ एक भी प्रदर्शन नहीं किया गया है। अच्छे मुसलमानों को इस रणनीति का मूल्यांकन और अध्ययन करना चाहिए ताकि यह समझा जा सके कि विभिन्न राजनीतिक दल, वामपंथी इस्लामिक संगठन और पाकिस्तान, बांग्लादेश और तुर्की जैसे देश व्यक्तिगत लाभ के लिए धार्मिक मान्यताओं का सहारा लेकर कैसे शोषण करते हैं।

चीनी मुस्लिम वयस्कों में से अधिकांश दस जातीय अल्पसंख्यक समूहों से हैं जो इस्लाम का पालन करते हैं, जिनमें से दो सबसे बड़े हैं- हुई और उइगर। चीन के अधिकांश मुसलमान उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में रहते हैं, विशेष रूप से गांसु, किंगहाई, निंग्ज़िया और झिंजियांग में। चीनी अधिकारियों और अंतरराष्ट्रीय शोधकताओं का अनुमान है कि चीन में 18 मिलियन मुस्लिम वयस्क हैं। अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने चीन की सरकार पर मानवाधिकारों के उल्लंघन और उइगर मुसलमानों के खिलाफ नरसंहार का आरोप लगाया है। कुछ चीनी मुस्लिम प्रोफेसरों को कथित तौर पर जेल में डाल दिया गया है, जबकि चीन में इस्लाम का अध्ययन करने वाले विदेशियों को देश में आने से रोक दिया गया है।

शिनजियांग में चीन की कार्रवाइयों के उनके व्यापक दस्तावेज इस बात की पुष्टि करते हैं कि कम से कम मार्च 2017 से स्थानीय अधिकारियों ने उइगर मुसलमानों और जातीय कजाकों और जातीय किर्गिज सहित अन्य जातीय और धार्मिक अल्पसंख्यकों के सदस्यों के खिलाफ दशकों से चल रहे दमन अभियान को नाटकीय रूप से बढ़ा दिया है। उनकी नैतिक रूप से घृणित नीतियों, प्रथाओं और दुर्व्यवहारों को जातीय उइगरों के साथ एक अलग जनसांख्यिकीय और जातीय समूह के रूप में भेदभाव करने और उन पर नजर रखने, प्रवास करने और स्कूल जाने की स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करने और सभा, भाषण और पूजा जैसे अन्य मौलिक मानवाधिकारों से वंचित करने के लिए डिजाइन किया गया है। उइगर महिलाओं का चीनी अधिकारियों द्वारा जबरन नसबंदी और गर्भपात कराया गया, उन्हें गैर-उइगरों से शादी करने के लिए मजबूर किया गया है और उनके परिवार से अलग कर दिया गया है।

मुस्लिम मान्यताओं पर प्रतिबंध

झिंजियांग के आधिकारिक अनुमानों के अनुसार, ह्यूमन राइट्स वॉच ने 2022 में कहा कि 2017 से 500,000 लोगों को दंडित किया गया है। एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार, चीन में हर पच्चीस में से एक व्यक्ति को आतंकवाद से संबंधित आरोपों में जेल की सजा सुनाई गई थी और वे सभी उइगर थे। पुनर्शिक्षा शिविरों में कैद अधिकांश कैदियों पर कभी कोई अपराध का आरोप नहीं लगाया गया था और उनके पास अपने कारावास का विरोध करने का कोई कानूनी सहारा नहीं था। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, बंदियों को कई कारणों से निशाना बनाया गया है, जिसमें तुर्की और अफगानिस्तान जैसे चीन विरोधी 26 संवेदनशील देशों में यात्रा करना या उनसे संपर्क करना; मस्जिद सेवाओं में भाग लेना; तीन से अधिक बच्चे होना और कुरान की आयतों वाले पाठ भेजना शामिल है। मानवाधिकार संगठनों का दावा है कि मुस्लिम होना उनका एकमात्र अपराध माना जाता है, और कई उइगरों को केवल इसलिए चरमपंथी कहा जाता है क्योंकि वे अपने मजहब का पालन करते हैं। बीजिंग सभी उइगरों को आतंकवादी या आतंकवादी समर्थक मानता है। बीजिंग के तियानमेन स्क्वायर, एक स्थानीय सरकारी कार्यालय, एक रेलवे स्टेशन और एक आउटडोर बाजार पर हुए हमलों के लिए अधिकारियों ने उइगरों को जिम्मेदार ठहराया।

शिक्षा, आतंकवाद-रोधी,

भारतीय नृत्य संस्कृति की संसार ने हमेशा सराहना की

अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस (29 अप्रैल) पर विशेष
डॉ. रमेश ठाकुर

नृत्य दुनिया भर की संस्कृतियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। नृत्य एक कला भी है और शिक्षा भी। मानव शरीर को स्वस्थ रखने की साधना भी। आज ह्यअंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवसह्ल है जिसकी शुरूआत 29 अप्रैल 1982 से हुई थी। आज का ये खास दिन नृत्य कला के महान सुधारक जीन-जॉर्जेस नोवरे की जन्म स्मृति पर आधारित है। जहां तक भारतीय नृत्यों की बात है, दुनिया भर में हमेशा से मशहूर रहे हैं। भरतनाट्यम और कथक नृत्य का आज भी कोई जवाब नहीं। इंग्लैंड की महारानी हों, या पाकिस्तान की पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो से लेकर कई देशों के प्रमुखों का पसंदीदा कथक नृत्य ही रहा। कथक नृत्य की वेशभूषा आज भी लोगों को आकर्षित करती है। आज का ये विशेष दिन यूनेस्को के अंतरराष्ट्रीय थिएटर इंस्टीट्यूट की अंतरराष्ट्रीय डांस कमेटी ने 29 अप्रैल को नृत्य दिवस के रूप में सर्वसम्मति से मनाने का निर्णय लिया था। वर्ष-2023 में ह्यअंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवसह्ल की थीम ह्लनृत्य-दुनिया के साथ संवाद करने का एक तरीकाह्ल थी।

भारत में नृत्य कला हजारों साल पुरानी है। हमारे यहां नृत्य की एक नहीं, कई विधाएं हैं जिनमें कथकली, मोहिनीअट्टम, आडिसी, कथक, भरतनाट्यम, कुचिपुडी व मणिपुरी प्रमुख हैं। इनके अलावा प्रदेश स्तरों पर भी किस्म-किस्म के नृत्य मौजूद हैं। इसके अलावा आधुनिक समय में नृत्य के रंग रूप और प्रारूप एकदम बदल चुके हैं, जिसके उदाहरण टीवी पर आयोजित होने वाले डांस प्रतियोगिताएं हैं। जहां नृत्य का लेबल देखकर प्रतीत होता है कि पारंपरिक नृत्य विधाएं बहुत पीछे छूट गई है। इस दिवस के मकसद की जहां तक बात है, तो वैश्विक स्तर पर इसके महत्व के बारे में लोगों को जागरूकता करना, भागदौड़ भरी लाइव में नृत्य को शामिल करने की ललक पैदा करना, विभिन्न संस्कृतियों में नृत्य की भूमिका को दर्शाना और विशेष रूप से नृत्य कला के प्रति प्रशंसा व्यक्त करने के लिए महत्वपूर्ण क्षणों का प्रचार-प्रसार करना। ये दिवस करीब 200 देशों में आज मनाया जा रहा है। जहां, नृत्य प्रदर्शन, कार्यशालाएं, और शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं।

भारतीय नृत्यों को लेकर कई देशों ने रिसर्च किया। कुछ मत ऐसे भी हैं कि नृत्य का जन्म भारत से ही हुआ। जो प्राचीन मान्यताओं में भी बताई जाती हैं। करीब 2000 वर्ष पूर्व त्रेतायुग में देवताओं के अनुरोध पर भगवान ब्रह्मा ने नृत्य वेद तैयार किया था। तभी से दुनिया भर में नृत्य की उत्पत्ति हुई। भारत के लिए नृत्य सिर्फ कला ही नहीं, एक परंपरा, संस्कृति और धरोहर भी है। तभी भारत की तमाम रंगमंच संस्थाएं और नृत्य समितियां नृत्य दिवस को खास अंदाज से मनाती है। आज के दिन महान कलाकारों को सम्मान दिया जाता है और उनके योगदान पर विमर्श होता है।

नृत्य के चिकित्सीय लाभ भी बहुतेरे हैं। डांस करने से फैट बहुत तेजी से घटता है। मात्र 30 मिनट के डांस में 150 कैलोरी तक फैट बर्न होता है। डांस से ब्रेन एक्टिव रहता है। चिकित्सक कार्डियोवैस्कुलर बीमारी के मरीजों को डांस करना जरूरी बताते हैं। एक्सरसाइज से कहीं बेहतर डांस को बताया गया है। डांस से कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी कम होता है। नियमित डांस से शरीर की एनर्जी बढ़ती है और थकान जैसी समस्या भी छूतंमर होती है। डांस से भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य में बहुत तेजी से सुधार होता है। भारत का एक बड़ा वर्ग इस क्षेत्र से जुड़ा है। देशभर में हजारों की संख्या में डांस अकेडमी संचालित हैं। प्रत्येक स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालयों में नृत्य के टीचर बच्चों को डांस का प्रशिक्षण देते हैं। राज्यों व केंद्र सरकार भी भरपूर संसाधन मुहैया कराते हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

बीडी पब्लिक स्कूल पंडरा, रांची में मोटिवेशनल प्रोग्राम

रांची। किसी भी सवाल का जबाव न जानना कोई शर्म की बात नहीं है जितना गलत जबाव देना गलत है। निरंजन को यह बात पूरी तरह से मालूम है कि डिटरमिनेशन आज की तारीख में सफलता के लिए सबसे आवश्यक है।

फ्रेंड्स कॉलोनी पंडरा के बीडी पब्लिक स्कूल में एक मोटिवेशनल कार्यक्रम आयोजित किया गया। शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम में मोटिवेशनल स्पीकर सह पत्रकार एनके मुरलीधर ने छात्रों से जीवन जीने का आधार और मानवीय गुणों के महत्व विषय पर संवाद स्थापित किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि हम लगातार बेहतर होने का प्रयास करें जिसमें हमारे वाणी बुद्धि और व्यवहार को लेकर हम सचेत रहें। अगर हमारी बुद्धि प्रखर होगी और उसे और प्रखर बनाने के लिये हम प्रयास करेंगे तो स्वतः वाणी और व्यवहार में एक बड़ा सुधार होगा। शैक्षणिक ज्ञान और मानवीय व्यवहार के अंतर को अधिक महत्व देकर समझना ही स्कूल आने का उदेश्य है। पढ़ाई लिखाई हमारी गुणवत्ता बढ़ाने का एक मात्र टूल्स है। उन्होंने न्यूटन का उदाहरण देते हुए समझाया कि किस प्रकार जिज्ञासा एक बड़ें अविष्कार को जन्म दे सकता है। जिज्ञासा के लिए आपकी शिक्षा और बुद्धिमानी का सामंजस्य आवश्यक होता है। श्री मुरलीधर ने बच्चों को किसी भी विषय वस्तु को समझने के लिए उदार होना अपने मित्रों से उसी विषय पर संवाद करने की प्रेरणा भी दी।

इस अवसर स्कूल के डायरेक्टर आलोक कुमार पाण्डे ने श्री मुरलीधर को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम से छात्रों को एक नई दिशा मिलती है प्रेरणा और एनर्जी मिलती है।

हम पर थोपा गया युद्ध

हृदयनारायण दीक्षित

दुनिया अनेक युद्धों की गिरफ्त में है। कहीं युद्ध जारी है और कहीं वैश्विक तनाव के कारण युद्ध की आशंकाएं हैं। भारत में कश्मीर के पहलगाम में हृदय विदारक जिहादी हमला हुआ है। इसे युद्ध कहना ज्यादा उचित होगा। यह स्वतंत्र घटना नहीं है। इसके पहले भी अनेक ऐसे ही हमले हुए हैं। क्या मुंबई के ह्ल26/11ह्ल के नाम से चर्चित नवंबर 2008 के हमले को केवल आतंकवादी घटना कहा जा सकता है? यह दरअसल अपने ढंग के जिहादी युद्ध का ही रौद्र रूप है। इस्लामिक विचारधारा के अंतरराष्ट्रीय विद्वान प्रोफेसर डेनियल पाइप (इन दि पाथ ऑफ गॉड,पृष्ठ 46) ने कहा था जिहाद एक अंतरराष्ट्रीय धारणा है। यह संसार के इंसानों को दो भागों में बांटती है। एक दारुल हरब, जहां इस्लाम का राज नहीं है। दूसरा दारुल इस्लाम जहां इस्लामी राज्य है। जिहाद इन लोगों के मध्य निरंतर युद्ध की स्थिति है। इस्लामी चिंतन के विद्वान मौलाना मौदूदी कहते हैं, ह्वदीन की स्थापना के मकसद से हुकूमत पर कब्जा करने के लिए युद्ध की इजाजत है।ह्व (इस्लामिक लॉ एंड कांस्टीट्यूशन, पृष्ठ 177, खुर्शीद अहमद)

दरअसल, इस्लामी चिंतन में युद्ध एक अनिवार्य धारणा है। कुरान (2/216) में कहा गया है कि, ह्वतुम पर युद्ध अनिवार्य किया गया है।ह्व यह भी हिदायत है, ह्वजो लोग अल्लाह के मार्ग में मारे जाएं, उन्हें मुर्दा न कहो बल्कि वह जिंदा हैं। कुरान (8.74) में कहा गया है, ह्वजो अल्लाह के मार्ग में लड़ेगा, वह मारा जाय या विजयी हो, हम शीघ्र ही उसको बड़ा बदला देंगे। जिहादी युद्ध के लिए अपने जांबाज समर्थक तैयार करने के लिए ऐसी विचारधारा उपयोगी है। लगातार युद्ध की इस्लामी धारणा आतंकवादी समर्थक विचारकों के शोध का नतीजा नहीं है। इस्लामी विद्वानों के तमाम लेख और विचार दुनिया के चिंतनशील लोगों के लिए बेचैनी है। दुनिया को इस्लाम में शामिल करना उनका लक्ष्य है। जिहादी आतंकवाद व्यवस्थित युद्ध का हिस्सा है।

भारतीय दर्शन में सत्य की विजय का आश्वासन है। सत्यमेव जयते की घोषणा मुण्डकोपनिषद में है। मगर जीवन में सत्य की विजय प्रायः नहीं दिखाई पड़ती। संसार में शक्ति की विजय ही दिखाई पड़ती है। इसे भारतीय विचार में ह्लमत्स्य न्यायह्ल कहा गया है और यूरोप में ह्लसर्वाइवल ऑफ फिटेस्टह्ल। छोटी मछली बड़ी मछली खा जाती है। बड़ी मछली को मछुआरे पकड़ लेते हैं। वन में शेर बलवान है। वह वनराज है। छोटे जीवों को बड़े जीव खा जाते हैं।

कठोपनिषद में कहा गया है कि आत्मतत्व का ज्ञान बलहीन को नहीं मिलता-नायेनात्मा बलहीन लाभ्यो। संसार कर्म क्षेत्र है। युद्ध क्षेत्र है। धर्म क्षेत्र है। शक्ति की विजय भौतिक अध्ययन के निष्कर्ष हैं। सारी दुनिया के इतिहास में युद्धों के किस्से हैं। पिता शाहजहां को औरंगजेब द्वारा पीने का पानी न उपलब्ध कराने की घटना महत्वपूर्ण है। परिवार में भाई द्वारा भाइयों की हत्या के उदाहरण भी तमाम हैं। क्या युद्ध मानव जाति का स्वभाव है?

भारतीय चिंतन में शक्ति का महत्व है। श्रीराम विश्व मानवता के मयार्दा पुरुषोत्तम हैं। स्वाभाविक महानायक हैं। गीता में श्रीकृष्ण श्रेष्ठ विभूतियों का उल्लेख करते हैं। कहते हैं, ह्लऋतुओं में बसंत मैं हूं। नदियों में गंगा मैं हूं। वृक्षों में पीपल का वृक्ष मैं हूं। शस्त्रधारियों में शस्त्रधारी श्रीराम मैं ही हूं।

श्रीराम के अनेक रूप हैं लेकिन शस्त्रधारी श्रीराम की बात ही दूसरी है। भारतीय देव प्रतीकों में शस्त्रधारियों की संख्या कम नहीं है। परमवीर हनुमान वज्रधारी हैं। परशुराम फरसा धारण करते हैं। ऋग्वेद में रुद्र बिजलियां गिराते हैं। दुर्गा देवी अनेक शस्त्र धारण करती हैं। श्रीकृष्ण सुदर्शन चक्र धारण करते हैं। वैदिक देवता इंद्र शस्त्र धारण करते हैं। भौतिकवादी दृष्टि से गीता का पूरा दर्शन युद्ध भूमि के तनाव की प्रेरणा है। अर्नाल्ड टायनबी ने ह्लदि स्टडी ऑफ हिस्ट्रीह्ल में सभ्यताओं के जन्म की परिस्थितियों का विवेचन किया है। उन परिस्थितियों का भी विवेचन है, जिनमें सभ्यताओं का पतन होता है।

डॉ. राधाकृष्णन ने एक भाषण माला (1924) में कहा था कि, ह्वसभ्यता मनुष्यों द्वारा आसपास की परिस्थितियों के साथ कठिन सम्बंधों में तालमेल बिठाने का परिणाम होती है।ह्व टायनबी ने इस प्रक्रिया को ह्लचुनौती और प्रतिभावनह्ल के ढंग की प्रक्रिया माना है। बदलती हुई परिस्थितियां समाजों के लिए चुनौती के रूप में सामने आती हैं और उनका सामना करने से भी सभ्यताओं का जन्म और विकास होता है।ह्ल अपने आपको परिस्थितियों के अनुकूल ढालने के अनवरत प्रयत्न का नाम जीवन है। जब हम अपने आपको सफलतापूर्वक उनके अनुकूल ढाल लेते हैं, तब हम प्रगति कर रहे होते हैं और जब बर्बरता चुनौती देती है तो युद्ध अनिवार्य हो जाता है। इसी भाषण माला में डॉ. राधाकृष्णन ने कहा है कि, ह्वयुद्ध अच्छे उद्देश्यों को पूरा करने के साधन है।ह्ल यहां कुछ उद्धरण दिए जाते हैं जिनसे यह बात स्पष्ट हो जाएगी। नीत्शे का कथन है, ह्वजो राष्ट्र दुर्बल और दयनीय होते जा रहे हैं, उनके लिए, युद्ध को औषधि के रूप में सुझाया जा सकता है।ह्व उसने कहा, ह्वपुरुषों को युद्ध का प्रशिक्षण दिया जाए। बाकी सब बातें बेहूदा हैं। यदि उद्देश्य अच्छा हो, तो उसके कारण युद्ध तक को भला समझा जा सकता है। अच्छे युद्ध के कारण किसी भी उद्देश्य को भला समझा जा सकता है।ह्व गीता में, परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्-युद्ध का उद्देश्य है।ह्ल रस्किन का कथन है, ह्वमहान राष्ट्रों ने अपने विचारों की सत्यता और सफलता को युद्धों में ही पहचाना है। युद्धों द्वारा वे राष्ट्र पनपे और शांति द्वारा नष्ट हो गए।ह्ल युद्ध में उनका जन्म हुआ और शांति में वह मर गए।ह्व मोल्टेक ने कहा, ह्वयुद्ध परमात्मा के संसार का आंतरिक अंग है, जो मनुष्य के सर्वोत्तम गुणों का विकास करता है। स्थाई शांति केवल एक स्वप्न है और वह भी कोई सुंदर स्वप्न नहीं।ह्व

बर्नहार्डी ने घोषणा की युद्ध एक प्राणी शास्त्रीय आवश्यकता है। यह मानव जाति के जीवन में एक अनिवार्य नियामक वस्तु है। युद्ध के अभाव में घटिया और चरित्रहीन जातियां स्वस्थ और सशक्त जातियों पर हावी हो जातीं और परिणामस्वरुप पतन ही होता। युद्ध नैतिकता का एक अनिवार्य उपकरण है। यदि स्थितियों के कारण आवश्यकता हो, तो युद्ध करवाना न केवल उचित है, अपितु राजनीतिज्ञों का नैतिक और राजनीतिक कर्तव्य भी है।

ओसवाल्ड स्पैंगलर लिखता

स्पीड न्यूज

ट्रक की चपेट में आने से सहायक शिक्षक की दर्दनाक मौत

गुमला। रायडीह थाना क्षेत्र के सिलम ढलान के समीप ट्रक की चपेट में आने से शहर के गोकुल नगर निवास 50 वर्षीय सहायक शिक्षक दीनानाथ केसरी की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार गोकुल नगर के रहने वाले सहायक शिक्षक दीनानाथ केसरी अपने बाइक से रायडीह बीआरसी परीक्षा देने के लिए जा रहे थे। तभी विपरीत दिशा छत्तीसगढ़ की ओर से बीड़ी पत्ता लदा हुआ एक ट्रक आ रहा था। जिसने उन्हें कुचलते हुए मौके से फरार हो गया। हालांकि सिसई थाना पुलिस ने उक्त ट्रक को पकड़े जाने की बात बताई जा रही है। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने सहायक शिक्षक को घटनास्थल से उठाकर सदर अस्पताल लेकर पहुंची। जहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। इधर सहायक शिक्षक दीनानाथ केसरी के निधन की सूचना पर अस्पताल परिसर में परिजनों व लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी और परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। बताया जाता है कि मृतक शिक्षक राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय सुमा कांटा में वर्ष 1994 से योगदान दिया था। तब से वहीं पर पदस्थापित थे। शव को पुलिस कब्जे में लेकर छानबीन में जुट गई है। दीनानाथ केसरी बहुत ही मृदु भाषी व सरल स्वभाव के व्यक्ति थे। उनके सरल स्वभाव के कारण लोग उन्हें बहुत ही इज्जत दिया करते थे। शिक्षक समाज में उनकी गहरी पैठ थी। उनका निधन शिक्षा सम्मान के लिए अपूरणीय क्षति समझी जा रही है।

आदिवासी संघर्ष मोर्चा व जमीन बचाओ समिति ने विधायक आवास के समक्ष दिया धरना

गुमला। आदिवासी संघर्ष मोर्चा एवं जमीन बचाओ संघर्ष समिति गुमला-जिला इकाई व रायडीह प्रखंड के लोगों विभिन्न समस्याओं को लेकर विधायक भूषण तीर्थ की क्या आवास के संबंध शनिवार को धरना दिया। धरना में लोथे उरांव, बिजू उरांव, आदिवासी संघर्ष मोर्चा के राज्य संयोजक - जगरनाथ उरांव, मरियम, फूलमनी देवी, पियूष उरांव,एलेश्वर उरांव,बहुरन उरांव,नवल उरांव,मनबहाल मिंज,बिरसो मिंज,बरतीला खाखला,फैदल उरांव,अन्य दर्जनों महिला-पुरुष शामिल थे। धरना से से पूर्व सर्किट हाऊस से रैली निकाली गई जो गुमला शहर में तीन किलोमीटर तक झंडा-बैनर लेकर,नारा लगाते हुए रैली-प्रदर्शन के माध्यम से विधायक भूषण तिर्की आवास पहुंचीं। जहां ग्रामीणों की यह रैली धरना में बदल गई। धरना की शुरुआत काश्मीर के पहलगाम में हुए 28 शहीदों के प्रति दो मिनट के मौन श्रद्धांजलि से की गई। धरना में सभी नेताओं ने अपनी-अपनी बातों को रखें। वहीं आवास के सामने प्रदर्शन कर रहे हैं लोगों से विधायक नहीं मिले। जिससे उन लोगों में आक्रोश देखा गया। ग्रामीणों का मांग पत्र विधायक के पीए ने लिया। ज्ञापन के माध्यम से लोगों ने विधायक से जन समस्याओं को सदन में उठाने व समाधान करने की मांग की।

ऑल बॉक्साइट माइन्स जन अधिकार संघर्ष समिति की बैठक संपन्न

घाघरा। आल बॉक्साइट माइन्स जन अधिकार संघर्ष समिति घाघरा की बैठक हिंडालको कर्मियों के साथ सीओ कार्यालय में हुई। बैठक में आल बॉक्साइट माइन्स जन अधिकार संघर्ष समिति के सदस्यों ने 18 सूत्री मांग को लेकर अपने प्रस्ताव रखें। जिस पर हिंडालको प्रबंधन द्वारा कोई ठोस पहल उक्त प्रस्ताव को लेकर नहीं किया गया। जिस पर बैठक असफल रहा। ऑल बॉक्साइट माइन्स जन अधिकार संघर्ष समिति के संरक्षक शिवकुमार भगत उर्फ टुनटुन ने कहा कि हिंडाल्को के पास मूलभूत सुविधा के साथ-साथ कई मांग रखी गई। लेकिन सभी मांगों पर हिंडालको प्रबंधन द्वारा कोई भी ठोस पहल नहीं की गई। जिसके कारण प्रस्तावित आगामी 27 अप्रैल से विमरला बॉक्साइट माइन्स अनिश्चितकालीन बंदी होगी। वही शिवकुमार भगत ने कहा कि हिंडालको कंपनी द्वारा मूलभूत सुविधा शिक्षा स्वास्थ्य साथ ही ट्रकों में उपचालक सहित कई प्रस्तावित मांगों को हिंडालको प्रबंधन के पास रखा गया।लेकिन प्रबंधन द्वारा नहीं माना गया। जिसे लेकर पूर्व प्रस्तावित अनिश्चितकालीन बंदी होगी। मौके पर सीओ आशीष कुमार मंडल, समिति के अध्यक्ष राजीव उरांव, विनोद राम, रूबेन किंडो, सचिन साहू, सुमंत ठाकुर हिंडालको प्रबंधन के सदस्य उपस्थित थे।

एक देश एक चुनाव लागू होने से देश की अर्थव्यवस्था होगी मजबूत : अमन

गुमला। भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा शनिवार को स्थानीय महिला महाविद्यालय मे एक देश एक चुनाव विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष संदीप प्रसाद ने की। कार्यक्रम की शुरूआत अध्यक्ष ने विषय प्रवेश कराते हुए किया और कहा की आज की मांग है की देश मे एक देश एक चुनाव कानून लागू हो। कार्यक्रम में उपस्थित भजयुमो के प्रदेश उपाध्यक्ष अमन यादव ने कहा एक देश एक चुनाव के कानून लागू हो जाने से देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और अनावश्यक होने वाले परेशानियों से आम जनों को भी निजात मिलेगी। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता और वरिष्ठ अधिवक्ता रविंद्र सिंह ने कहा एक देश एक चुनाव यह पहली बार मांग नहीं किया जा रहा है। आजादी के बाद 1962 तक यह होता आया था। लेकिन जिस भी कारणों से यह कानून आज के दिन में लागू नहीं है। जिसे पुनः लागू कर देश हित में एक मजबूत कदम उठाने की आवश्यकता है। बैठक को राजेश सिंह, रविंद्र सिंह और यशवंत सिंह ने भी संबोधित किया। सभी छात्राएं और उपस्थित लोगों ने एक स्वर में कहा कि यह कानून देश में लागू होना चाहिए। मौके पर विकास कुमार सिंह, पायल तिवारी, सावित्री मेहता, रेखा गुप्ता, मीना, देवी कुलदीप साहू, जय साहू, कौशलेंद्र जमुवार, प्राचार्य नीलम जायसवाल, हरी शंकर त्रिपाठी, ममता, सुषमा, शंभू नायक सहित दर्जनों छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

गुमला : चेंबर ने सदर अस्पताल में बेड़ों की संख्या तीन सौ करने व चिकित्सकों की संख्या बढ़ाने की मांग की

चेंबर का प्रतिनिधिमंडल सिविल सर्जन से मिला

खबर मन्त्र संवाददाता

गुमला। चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष राजेश सिंह के नेतृत्व में चेंबर का एक प्रतिनिधि मंडल ग सिविल सर्जन नवल कुमार से उनके कार्यालय में मुलाकात की। सर्वप्रथम उपाध्यक्ष अभिजीत जायसवाल ने सभी पदाधिकारी का परिचय कराया। तत्पश्चात अध्यक्ष राजेश सिंह ने गुमला के अस्पताल और स्वास्थ्य संबंधी कई बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए गुमला अस्पताल अभी की क्षमता बढ़ाकर 300 बेड की करने की मांग रखी। चेंबर अध्यक्ष ने कहा कि गुमला की जनसंख्या को देखते हुए गुमला नगर में और गुमला के सभी प्रखंड के स्वास्थ्य केंद्रों में भी डॉक्टरों की संख्या बढ़ानी चाहिए। इस संदर्भ में विभाग के पदाधिकारी की तरफ से सकारात्मक संकेत दिए गए और संबंधित मंत्रालय के सचिव को शीघ्र पत्राचार करने पर सहमति बनी।

इसके अलावा सिविल सर्जन ने बताया कि गुमला के पुराने समाहरणालय में नए स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण कराया जाएगा। गुमला अस्पताल में एमआरआई मशीन की व्यवस्था बहुत जल्द कर दी जाएगी और आने वाले दिनों में आवश्यकता अनुसार स्वास्थ्य संबंधी हर तरह की सुविधा की व्यवस्था की जाएगी। मौके पर अध्यक्ष राजेश सिंह के साथ उपाध्यक्ष अभिजीत जायसवाल, राजेश लोहानी, सचिव बबलू वर्मा, कोषाध्यक्ष अमित गोलू, पी आर ओ प्रतीक अग्रवाल, आदित्य गुप्ता आदि उपस्थित थे। इस आशय की जानकारी मीडिया प्रभारी इम्तेयाज मिनी ने दिया।

जिला विकास समन्वय समिति की बैठक में लोहरदगा डीसी ने दिये कई निर्देश

खबर मंत्र संवाददाता

लोहरदगा। डीसी डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय समिति की बैठक समाहरणालय सभागार में हुई। बैठक में मनरेगा अंतर्गत बिरसा हरित ग्राम योजना 2025-26, बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना, योजनाओं की पूर्णता, एरिया अफसर एप, पोटो हो खेल विकास योजना, मनरेगा में एमआर जेनरेशन, अबुआ आवास योजना में लाभुकों को पहली किश्त की राशि का भुगतान उपरांत एमआर जेनरेशन के स्थिति की समीक्षा के गयी। प्रधानमंत्री आवास योजना 2016-25 के प्रगति और पीएम जनमन योजना की समीक्षा की गई। आवास प्लस सर्वे 2.0 की समीक्षा की गई जिसमें आवास से वंचित लाभुकों को सर्वे में जोड़े जाने का निर्देश दिया गया। समाज कल्याण विभाग के निमार्णाधीन भवनों में रनिंग वाटर की सुविधा की समीक्षा गयी और जल जीवन मिशन से आंगनवाड़ी केंद्रों को आच्छादित करने का निर्देश दिया गया। आंगनवाड़ी केंद्रों में धात्री माताओं को मिलने वाले रेडी टू इट फूड की स्थिति की समीक्षा की गई। सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में खराब चापाकलों की सूची तैयार कर प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में डीडीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, अपर समाहर्ता जितेन्द्र मुंडा, अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार, सिविल सर्जन डॉ शम्भूनाथ चौधरी, सभी संबंधित कर्मी उपस्थित थे।

पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने घाघरा झखरा कुंबा में कांग्रेसियों के साथ की बैठक, कहा

पार्टी के पदधारी को कम करना होगा, नहीं तो पद छोड़ना होगा

खबर मन्त्र संवाददाता

घाघरा। झखरा कुंबा घाघरा में पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने कांग्रेसियों के साथ बैठक किया। बैठक में संगठन की मजबूती को लेकर चर्चा की। वहीं संगठन में होने वाली समस्या से संबंधित जानकारी कांग्रेसियों से ली। मौके पर पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी पूरे देश में संगठन सृजन 2025 का वर्ष मना रही है। संगठन में जो भी पद लिए है। उन्हें काम करना होगा और अगर वह काम नहीं करते हैं। तो ऐसे पद को स्वतः उन्हें छोड़ देना होगा। इसके साथ-साथ देश में केंद्र सरकार द्वारा संविधान के साथ छेड़छाड़ किया जा रहा है। संविधान को बचाना है। संविधान के बारे में उन्हें बताएं। संविधान बचाओ यात्रा कांग्रेस प्रखंड से लेकर जिला और विधानसभा से लेकर राज्य स्तर तक रैली यात्रा निकालने जा रही है। वहीं संगठन के मजबूती के लिए प्रखण्ड अध्यक्ष नई कमेटी का चयन करें। जहां कमेटी नही है और सिर्फ पेपर के लिए बनाया गया है।वहां 90 दिन का समय दिया गया है। उसे पूरा करें।नए कमिटी के चयन करें। पंचायत से लेकर जिला तक के कमेटी को वार्ड स्तर पर बना ले। ताकि संगठन को और भी सशक्त मजबूत बनाया जा सके। मौके पर कृष्णा कुमार लोहरा, अरुण कुमार पांडे, राजू उरांव, सौरभ भगत, परमेश्वर साय, सज्जाद खान, घुड़ा उरांव,विजय कुमार, मुखिया सोमारी देवी सहित कई लोग उपस्थित थे।

डीसी ने डीइओ, डीएसपी वह झारखंड शिक्षा परियोजना के कर्मियों के साथ की समीक्षा बैठक

बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों पर दर्ज करें प्राथमिकी : कर्ण सत्यार्थी

असैनिक निर्माण कार्य को लेकर जतायी नाराजगी

खबर मन्त्र संवाददाता

गुमला। डीसी कर्ण सत्यार्थी ने शनिवार को समाहरणालय स्थित सभागार कक्ष में जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक सहित झारखंड शिक्षा परियोजना गुमला के एडीपीओ, एपीओ, फील्ड मैनेजर, लेखा पदाधिकारी तथा सभी अभियंताओं के साथ बैठक करते हुए शिक्षा विभाग अंतर्गत संचालित गतिविधि की समीक्षा की। डीसी ने कहा कि सिकछा कर भेंट गतिविधि अंतर्गत जिले में शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारी एवं उत्कृष्ट कार्य कर रहे शिक्षकों तथा अन्य कर्मियों को साप्ताहिक रूप से प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जाएगा ताकि शिक्षकों का मनोबल बढ़े एवं लोग बेहतर तरीके से कार्य करें। प्रेरणा से परिवर्तन की ओर यात्रा संबंधी प्रोजेक्ट अजीत अंतर्गत प्रेरक शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र दिए जाने हेतु चयनित शिक्षकों में ज्वाला प्रसाद गुप्ता रा. मध्य विद्यालय अमलिया भरनो, बबीता साहू रा. प्रा. विद्यालय टाटी साहूटोली प्रखंड कामडारा व शशिकांत साहू रा. उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सरुडा, बसिया के नाम शामिल है। डीसी द्वारा समीक्षा के क्रम में जिले के सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय, नेताजी सुभाषचंद्र बोस आवासीय विद्यालय आदि में नामांकन हेतु सभी को निर्देशित किया गया कि चयनित छात्र छात्राओं का तत्काल नामांकन सुनिश्चित करते हुए एक मई से कक्षा संचालन सुनिश्चित करें। नए शैक्षणिक वर्ष में बच्चों को निःशुल्क पाठयपुस्तक और स्कूल बैग आदि यथाशीघ्र वितरण सुनिश्चित कराया जाए। असैनिक निर्माण कार्यों की समीक्षा अंतर्गत उपायुक्त द्वारा सभी अभियंताओं के कार्यों पर गहरी नाराजगी व्यक्त की गई तथा असैनिक निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने वाले संवेदकों पर जनजातीय बच्चों की शैक्षणिक व्यवस्था से खिलवाड़ करने के आरोप में तत्काल प्राथमिकी दर्ज करने के लिए निर्देशित किया गया।

महात्मा गांधी पुस्तकालय घाघरा प्रबंधन समिति की हुई बैठक

घाघरा। महात्मा गांधी पुस्तकालय घाघरा में विधि व्यवस्था को लेकर प्रबंधन समिति ने बैठक आयोजित किया। बैठक में बीडीओ दिनेश कुमार मौजूद रहे। पुस्तकालय में पढ़ने वाले बच्चों ने समय पर पुस्तकालय नहीं खोलने साथ ही कुछ किताब संबंधित मामलों को लेकर बीडीओ को लिखित आवेदन दिया था। जिस पर पहल करते हुए बीडीओ ने समय से पुस्तकालय खोलने व किताब की व्यवस्था को सुचारू कराया। इसके साथ ही बैठक में बच्चों ने बीडीओ और प्रबंधन के समक्ष पुस्तकालय में वाईफाई सुविधा नहीं मिलने, वाटर प्यूरीफायर खराब होने की शिकायत किया और कुछ किताबों की मांग की गई। जिस पर बीडीओ दिनेश कुमार ने कहा कि सभी चीजों को उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया जाएगा। जल्द ही अन्य समस्या का समाधान किया जाएगा। मौके पर बीडीओ ने बच्चों को मोटिवेट किया कि वह पढ़ाई में कैसे तैयारी करें ताकि वह सफल हो। मौके पर प्रबंधन के अध्यक्ष अगस्टिन महेश कुजूर, विपिन बिहारी सिंह, आशीष कुमार सोनी, संजय सिंह, संजय पांडे राजकुमार आदि उपस्थित थे।

जिला जज ने संप्रेषण, बाल गृह व नारी निकेतन का किया निरीक्षण

खबर मन्त्र संवाददाता

निरीक्षण के क्रम में बच्चियों से बात करते डालसा सचिव व उपस्थित जिला जज

गुमला। जिला एवं सत्र न्यायाधीश ध्रुव चंद्र मिश्र ने संप्रेषण गृह एवं नारी निकेतन तथा बाल गृह का दौरा कर निरीक्षण किया। सर्वप्रथम जिला जज संप्रेषण गृह पहुंचे।

वहां बच्चे विद्यालय में थे और पढ़ाई कर रहे थे। उन्होंने संप्रेषण गृह के अधीक्षक एवं पदाधिकारीयों से मिलकर वहां की विधि व्यवस्था की जानकारी ली तथा बच्चों से मिले और उन्होंने पूछा की क्या सभी का वकील हैं, जो उनका केस का पैरवी कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी का वकील नहीं है तो जिला विधिक सेवा प्राधिकार को आवेदन देकर तुरंत वकील प्राप्त कर कर सकते हैं। जो उनका केस का पैरवी निशुल्क करेगा। उन्होंने भोजन व्यवस्था, कंप्यूटर की पढ़ाई व रहन-सहन आदि विषयों का विस्तृत रूप से जानकारी लिया।

तत्पश्चात जिला जज नारी निकेतन पहुंचे और वहां के अधीक्षिका तथा वहां रह रहे महिलाओं से मिले और उनका हाल-चाल पूछा। साथ ही उनके बच्चों के पढ़ाई के विषय में जानकारी ली। इसके उपरांत जिला जज बाल गृह पहुंचे जहां बच्चियों से मिले और सभी बच्चियों से एक-एक कर उनका हाल-चाल जाना। जिला जज के साथ एडीजे प्रथम प्रेम शंकर, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार राम कुमार लाल गुप्ता, न्यायिक दंडाधिकारी एवं अध्यक्ष किशोर न्याय बोर्ड पूनम कुमारी, स्थाई लोक अदालत के सदस्य शंभू सिंह आदि उपस्थित थे।

दादा- दादी, नाना-नानी सम्मान समारोह हमारे समाज की मूल आत्मा : शशिधर लाल अग्रवाल

लोहरदगा। शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर में शनिवार को दादा-दादी, नाना-नानी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि विद्यालय प्रबंधकारणी समिति के अध्यक्ष शशिधर लाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष विनोद राय, सचिव अजय प्रसाद, प्रधानाचार्य बिपिन कुमार दास एवं मधुमिता शर्मा एवं करुणा देवी ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती, ऊं, भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन किया। अतिथियों का परिचय प्रधानाचार्य बिपिन कुमार दास ने किया। प्रधानाचार्य बिपिन कुमार दास कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य भैया-बहनों में अपने दादा-दादी एवं नाना नानी के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान का भाव विकसित करते हुए भारतीय कुटुंब व्यवस्था को समृद्ध करना है। उपाध्यक्ष विनोद राय ने कहा कि भारतीय संस्कृति के प्रवाह को सतत बनाने के लिए यह कार्यक्रम भारत कुटुंब व्यवस्था के अनुरूप है हमारे संस्कृति परंपरा को निरंतर प्रवाहित करने के लिए ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। अध्यक्ष शशिधर लाल अग्रवाल ने कहा कि दादा दादी एवं नाना नानी सम्मान समारोह न केवल एक भावनात्मक आयोजन है बल्कि हमारे समाज की मूल आत्मा संस्कार श्रद्धा और संस्कृति का सजीव उदाहरण है। मंच संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम प्रमुख मधुमिता शर्मा ने किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में कक्षा षष्ठ से नवम तक के भैया-बहन, उनके अभिभावक एवं विद्यालय के आचार्य-दीदी एवं कर्मचारियों का सहयोग रहा। शांति मंत्र के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

लोहरदगा कांग्रेस ने निकाली कैंडल मार्च

खबर मन्त्र संवाददाता

लोहरदगा। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुखैर भगत के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यालय राजेंद्र भवन से कैंडल मार्च निकाला गया। मार्च पावरगंज चौक स्थित सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा के समक्ष कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या को लेकर दिवंगत आत्मा की शांति हेतु श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर सुखैर भगत ने कहा कि यह कायराना और सुनियोजित आतंकी हमला है इस घटना का हम सभी कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। हम कह सकते हैं कहीं ना कहीं यह घटना सुरक्षा में भारी चूक का परिणाम है, जिसकी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष हाजी शकील अहमद, प्रदेश प्रतिनिधि नेसार अहमद, सचिव जगदीप भगत, जिला परिषद अध्यक्ष रीना भगत, सांसद प्रतिनिधि साजिद अहमद चंगू, आलोक साहू, सनीयारों उरांव, संगीता उरांव, मुजम्मिल अंसारी,सोनू कुरैशी, प्रकाश उरांव, मुस्ताक अहमद, अनिल उरांव, जुगल भगत, तनवीर गौहर, विनोद सिंह खेरवार, राजू कुरैशी, रूस्तम अंसारी, राजेश लाल, जुल्फान अंसारी, मुनीम अंसारी, रफीक, तारिक अनवर, मो मोखतार, राजू उरांव, कबीर अंसारी, फिरोज अंसारी, हबीबुल खान, अब्दुल रऊफ समेत अन्य कांग्रेस की उपस्थित थे।

एस कॉलेज में विकसित भारत विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ आगाज

लोहरदगा। बी एस कॉलेज में विकसित भारत विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आगाज हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि रांची विवि के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिंहा एवं विशिष्ट अतिथि ओपन यूनिवर्सिटी झारखंड के कुलपति टी एन साहू एवं पद्मश्री मुकुंद नायक ने संयुक्त रूस से दीप प्रज्वलित करेंगे। कुलपति डॉ अजीत कुमार सिंहा ने कहा कि झारखंड के युवा विकसित भारत के सपनों को साकार करने में महत्व पूर्ण भूमिका निभा सकते है।युवा जॉब सीकर न बने जॉब गिवर बने। इस अवसर पर नागपुर नीरी के वैज्ञानिक तनवीर आफरीन ने झारखंड के परिप्रेछ में के संदर्भ में विकसित भारत के लिए सतत विकास के लिए आवश्यक पाथवे की बात की। डॉ डी एन वर्मा, रामपुरहाट, प बंगाल के आदिवासी जनजातियों का इतिहास संथाल परगना के संदर्भ में अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। डॉ प्रभात कुमार ने बटर फ्लाईबगर्डन की बात की। डॉ पवेज हसन, डॉ सुनील केरकेट्टा, डॉ प्रसंजित मुखर्जी ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ सुमित पाठक,डॉ संगीता, योगदा सत्संग कॉलेज रांची, डॉ आभा मुखर्जी, डाल्टनगंज, डॉ चित्र शर्मा, डॉ टी उरांव, डॉ टी तिर्की, डॉ सोहेब अंसारी, डॉ गजनफर अली आदि लोग सम्मिलित हुए।

भाईचारा नहीं हमें तो हमेशा से चारा बनाया गया : सुनील अग्रवाल

लोहरदगा। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में देश के 28 निर्दोषों को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने बर्बरता पूर्वक गोली मार के हत्या कर दी उसे लेकर सेन्हा प्रखण्ड के बरही डिप्पा चौक में आतंकवादियों का पुतला जला कर विरोध प्रदर्शन किया गया और उन शहीदों के आत्मा के शान्ति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। जय श्रीराम समिति के जिला अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने कहा बचपन से सिखाई गई भाई चारा परंतु अब हमें समझ में आया कि हम सब चारा है और इसका जीता-जागता उदाहरण है आंतकवादियों के द्वारा धर्म पूछ कर गोली मारना। आगे कहा कि सनातन समाज को एकजुट होने का समय आ चुका है संगठित होकर ही भारत के दुश्मनों को सबक सिखा सकते हैं। महावीर प्रसाद ने कहा आतंकवादियों का भी धर्म होता है यह पूरी दुनिया जान चुकी है। अब समय है पाकिस्तान को मिट्टी में मिलाने का, मोदी जी आप आगे बढ़े हम सब आपके साथ हैं। मौके पर जय श्रीराम समिति के जिला अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, जय मां दुर्गा पूजा समिति बरही के आजीवन संरक्षक रवींद्र साहू, भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष आजाद शत्रु, विश्व हिंदू परिषद जिला अध्यक्ष रितेश कुमार, विनोद साहू, समाज सेवी महावीर प्रसाद, विहिप के बाबा होमन दास, अजय शुक्ल,युवा कार्यकर्ता नितेश कुशवाहा, अंजू ठाकुर, नरेश महतो, उदित महतो, लखन महतो, एवं अन्य मौजूद थे।

छोटानागपुर बॉक्साइड एंड कोल वर्कर्स यूनियन को और मजबूत बनाया जायेगा: धीरज साहू

खबर मन्त्र संवाददाता

ट्रकों मालिकों की समस्याओं को लेकर जल्द मिलेंगे सीएम से

लोहरदगा। पूर्व राज्यसभा सांसद सह ट्रक आँनर एसोसिएशन के संरक्षक धीरज प्रसाद साहू के लोहरदगा स्थित साहू आवास में लोहरदगा गुमला ट्रक आँनर एसोसिएशन ,झारखंड पठारी चंदवा बॉक्साइट ट्रक ओनर एसोसिएशन एवं झारखंड ट्रक ओनर्स एसोसिएशन विमरला के पदाधिकारियों की एक संयुक्त बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई और आने वाली समस्याओं से संरक्षक को अवगत कराया गया। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने धीरज प्रसाद साहू को बताया की हिंडाल्को कंपनी से नया भाड़ा एक अप्रैल से तय होना चाहिए था किंतु हिंडाल्को कंपनी की टालमटोल नीति के कारण अभी तक भाड़ा नहीं तय किया गया है ।इस पर एसोसिएशन एवं संरक्षक ने तय किया है कि एक सप्ताह के अंदर कंपनी नया भाड़ा अगर तय नहीं करती है और 1 अप्रैल से एरियर जोड़कर नहीं देती है और तो बहुत तेज आंदोलन की शुरूआत की जाएगी । इसके अलावा झारखंड सरकार के द्वारा 15 साल से पुराने व्यावसायिक वाहनों को दक्षिण छोटानागपुर प्रादेशिक प्राधिकार (आरटीए) के द्वारा रोड परमिट नहीं दिया जा रहा है जबकि झारखंड में ही अन्य प्रमंडलो में 15 साल से पुराने व्यावसायिक वाहनों को रोड परमिट दिया जा रहा है। एक ही राज्य में दो तरह की नीतियां अफसरो ने लागू की हुई है , सारी चीजों से अवगत कराते हुए संरक्षक श्री साहू को बताया गया। एक और सरकार वाहनो से टैक्स ले रही है और उन्ही वाहनों को रोड परमिट नहीं दे रही है । इस पर संरक्षक श्री साहू ने कहा कि इस संबंध में मैं परिवहन मंत्री एवं मुख्यमंत्री से शीघ्र मिलकर इस समस्या का निदान कराऊंगा। वहीं दूसरी ओर संगठन के तमाम पदाधिकारियों ने संरक्षक को अवगत कराया कि कुछ छोटे निजी माइंस ऑनर एवं एक बाहर से आई हुई कंपनी के द्वारा लोहरदगा में बड़ी गाड़ियों का परिचालन शुरू किया गया है, जिसका हम लोग पुरजोर विरोध करते हैं और वह कंपनी हिंडाल्को कंपनी से काफी कम भाड़ा दे रही है। इस पर यह तय हुआ कि एसोसिएशन जिला प्रशासन एवं सभी निजी माइंस ओनरों एवं प्राइवेट कंपनी को लिखित में यह अल्टीमेटम देगी की हिंडाल्को के बराबर भाड़ा दिया जाए और बड़ी गाड़ियों का परिचालन किसी भी कीमत पर नहीं होगा क्योंकि यहां चलने वाले लगभग दो हजार 6 चक्का बॉक्साइट ट्रक कहां जाएंगे और इन ट्रकों से जुड़े हुए विभिन्न तरह के लोग चाहे वह ड्राइवर, खलासी, लोडर, अनलोडर, ट्रक मालिक, गैरेज, पेट्रोल पंप, टायर दुकान, पार्टस दुकान, होटल लगभग पचास हजार से 1 लाख लोग इस व्यवसाय से प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। इसपर धीरज प्रसाद साहू ने कहा कि आप लिखित में उनको अल्टीमेटम दे दीजिए और बड़ी गाड़ियों का परिचालन हर हालत में रोकिए वहीं दूसरी ओर धीरज प्रसाद साहू एवं तीनों संगठन के पदाधिकारियों ने यह तय किया है कि ट्रक मालिक एवं मजदूर को सभी माइंसों एवं सभी स्थानों से जोड़कर इंटक को और मजबूत बनाया जाएगा और सभी लोग एकजुट होकर धीरज प्रसाद साहू के नेतृत्व में काम करेंगे क्योंकि धीरज प्रसाद साहू जी ने ट्रक मालिको, श्रमिकों के लिए बहुत काम किया है । इससे पूर्व उनके बड़े भाई स्वर्गीय शिव प्रसाद साहू के द्वारा भी मजदूर हित में बहुत सारे काम किए गए हैं। इसलिए सभी ट्रक मालिक एकजुट होकर धीरज प्रसाद साहू के नेतृत्व में काम करते आ रहे हैं और करते रहेंगे। इस बैठक में विधायक प्रतिनिधि निशिथ जायसवाल, लोहरदगा गुमला ट्रक ओनर एसोसिएशन के अध्यक्ष कवलजीत सिंह, उपाध्यक्ष अभय सिंह, रहमत अंसारी, मो बबलू, राजेश शर्मा, झारखंड पठारी चंदवा बॉक्साइट ट्रक ओनर एसोसिएशन के सचिव धर्मेंद्र कुमार, मुद्रिका यादव, समसुल अंसारी, धर्मवीर कुमार, झारखंड ट्रक ओनर एसोसिएशन विमरला के कोषाध्यक्ष शशिकांत दास, अजमल कुरैशी व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

अधिवक्ताओं व लिपिकों को ई फाईलिंग एवं डिजिटल कार्य को लेकर दिया गया प्रशिक्षण

खबर मन्त्र संवाददाता

लोहरदगा। ई कमिटी सुप्रीम कोर्ट, नई दिल्ली के निर्देशानुसार एवं जुडिशल एकेडमी रांची एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डालसा राजकमल मिश्रा के मार्गदर्शन में 50 अधिवक्ताओं एवं अधिवक्ता लिपिक का ऑनलाइन फाईलिंग एवं ई कोर्ट कार्य पद्धति पर एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राजकमल मिश्रा, डालसा सचिव राजेश कुमार, अधिवक्ता हेमंत कुमार सिन्हा, एलएडीसीएस चीफ नसीम अंसारी, डीएसए महेश प्रसाद सिन्हा सहित अन्य ने संयुक्त रूप से किया। बताया गया कि ई कोर्ट के माध्यम से केस की स्थिति, संख्या सहित केस से संबंधित सभी प्रकार की जानकारी आसानी से उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने कहा कि पूर्व में केस फाइलिंग होने के बाद लोगों को केस की स्थिति की जानकारी नहीं हो पाती थी। लेकिन अब लोग अपने मामलों के बारे में ई कोर्ट के माध्यम से खुद से पता कर सकते हैं। कहा कि ई-फाइलिंग के होने से पेपरलेस कार्य को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही समय और धन की भी बचत होगी। वहीं उन्होंने बताया कि पहले फाइलिंग प्रक्रिया फिजिकल मोड में होती है। लेकिन ई कोर्ट के तहत फाइलिंग डिजिटल मोड में होगा। जिसके लिए सभी अधिवक्ता और अधिवक्ता लिपिक को पंजीकृत होना आवश्यक है। जो अधिवक्ता या अधिवक्ता लिपिक पंजीकृत नहीं होंगे उन्हें फाईलिंग करने में समस्या उत्पन्न होगी। उन्होंने कहा कि परिवर्तन को रोके नहीं जा सकता बल्कि परिवर्तन को लोगों को स्वीकार करने के लिए प्रेरित करने चाहिए। वहीं डीएसए महेश प्रसाद सिन्हा ने वीडियो दिखलाकर ई फाइलिंग में पंजीकृत होने की विधि को विस्तार से बताया। मौके पर अधिवक्ता, लिपिक उपस्थित थे।

प्रियांश और प्रभसिमरन की मेहनत पर फिरा पानी

कोलकाता में बारिश के कारण रद्द हुआ मैच, केकेआर और पंजाब को मिले एक-एक अंक

एजेंसी

कोलकाता। आइपीएल 2025 में कोलकाता नाइटराइडर्स और पंजाब किंग्स का मुकाबला बारिश के भेंट चढ़ गया है। ईडन गार्डन्स के मैदान पर कोलकाता नाइटराइडर्स की पारी शुरू होते ही बारिश आ गई। एक घंटे से ज्यादा समय इंतजार करने के बाद भी मैच शुरू नहीं हुआ। इसके बाद इसे रद्द करने का ऐलान कर दिया गया। पंजाब किंग्स ने मैच में पहले खेलते हुए 4 विकेट पर 201 रन बनाए थे। बारिश आने के समय केकेआर का स्कोर एक विकेट पर 7 रन था। दोनों टीमों को 1-1 पॉइंट मिला है।

प्रभसिमरन और प्रियांश के बीच शतकीय साझेदारी

प्रभसिमरन सिंह (83) और प्रियांश आर्य (69) की अर्धशतकीय पारियों और दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 72 गेंद में 120 रन की साझेदारी के बूते पंजाब किंग्स ने इस स्कोर तक पहुंच पाई। प्रभसिमरन ने 49 गेंद की पारी में छह छक्के और इतने ही चौके जड़े जबकि चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अपना पहला शतक जड़ने वाले प्रियांश ने 35 गेंद की पारी में आठ चौके और चार छक्के लगाये। पंजाब की टीम 14वें ओवर के बाद एक विकेट पर 158 रन बनाकर बड़े स्कोर की तरफ बढ़ रही थी लेकिन केकेआर के गेंदबाजों ने आखिरी छह ओवर में सिर्फ 43 रन पर तीन विकेट लेकर उन्हें 201 रन पर रोक दिया। पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया और प्रभसिमरन तथा प्रियांश की जोड़ी ने उसे सही साबित किया।

प्रियांश ने आते ही गेंदबाजों पर अटैक किया

प्रियांश ने शुरूआती ओवरों में आक्रामक रूख अपनाया तो वहीं

आइपीएल 2025 में कोलकाता के खिलाफ सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी

सलामी जोड़ी	रन
प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य	120
शुभमन गिल और साई सुदर्शन	114
मिचेल मार्श और ऐडन मार्करम	99
विराट कोहली और फिल सॉल्ट	95

आइपीएल 2025 में पावरप्ले में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज

बल्लेबाज पावरप्ले में	रन
प्रियांश आर्या	222*
यशस्वी जायसवाल	213
फिल सॉल्ट	212
साई सुदर्शन	203
मिचेल मार्श	196

उनके आउट होने के बाद प्रभसिमरन ने तेजी से रन बनाये। प्रभसिमरन एक समय 34 गेंद में 32 रन पर खेल रहे थे लेकिन उन्होंने अगले 17 गेंद में 49 रन जोड़ डाले। प्रभसिमरन के आउट होने के बाद हालांकि पंजाब के बल्लेबाज तेजी से रन बनाने के लिए संघर्ष करते दिखे। कप्तान श्रेयस अय्यर 16 गेंद में नाबाद 25 और जोश इंग्लिस ने छह गेंद में नाबाद 11 रन का योगदान दिया। केकेआर के लिए वैभव अरोड़ा ने 34 रन देकर दो विकेट लिये। प्रियांश को आउट कर पहले विकेट की साझेदारी तोड़ने वाले आंद्रे रसेल ने 27 रन पर एक सफलता हासिल की। वरुण चक्रवर्ती (39 रन पर एक विकेट) और सुनील नारायण ने भी आखिरी ओवरों में कसी हुई गेंदबाजी करते हुए पंजाब को और बड़ा स्कोर खड़ा करने से रोक दिया। पंजाब किंग्स के बल्लेबाजों ने 10वें से 15वें ओवर के बीच 71 रन बटोर तब लग रहा था कि टीम आसानी से 230 रन के करीब पहुंच जायेगी। शुरूआती ओवरों में गेंद सही गति से बल्ले पर आ रही थी और 23 साल के आर्य ने शानदार स्टोक्स के साथ इसका फायदा उठाया। उन्होंने अरोड़ा की गेंद पर दिलकश कवर ड्राइव पर चौका जड़ने के बाद हर्षित राणा के वाइड यॉर्कर गेंद पर शानदार छक्का लगाया। प्रियांश ने परिपक्वता से बल्लेबाजी करते हुए बिना जोखिम लिए तेजी से रन बनाते हुए अपना दबदबा कायम किया। प्रभसिमरन ने धीमी शुरूआत से उबरते हुए अच्छी आक्रामक तेवर दिखाये।

आइपीएल 2025 पॉइंट्स टेबल

टीम	मैच	जीत	हार	रद्द	अंक	रन रेट
गुजरात	08	06	02	00	12	+1.104
दिल्ली	08	06	02	00	12	+0.657
बेंगलुरु	09	06	03	00	12	+0.482
पंजाब	09	05	03	01	11	+0.177
मुंबई	09	05	04	00	10	+0.673
लखनऊ	09	05	04	00	10	-0.054
कोलकाता	09	03	05	01	07	+0.212
हैदराबाद	09	03	06	00	06	-1.303
राजस्थान	09	02	07	00	04	-0.665
चेन्नई	09	02	07	00	04	-1.302

पर्पल कैप
16 विकेट
प्रसिद्ध कृष्णा
गुजरात

ऑरेंज कैप
417 रन
साई सुदर्शन
गुजरात

लय बरकरार रखने उतरेगी मुंबई, सामने होगी लखनऊ की चुनौती, रोहित- पंत पर रहेंगी नजरें

एजेंसी

मुंबई। मुंबई इंडियंस का रविवार को लखनऊ सुपर जाएंट्स से सामना होगा। इस मैच में हार्दिक पांड्या की टीम जीत की लय बरकरार रखने और अंक तालिका में आगे निकलने का लक्ष्य लेकर उतरेगी। वहीं, ऋषभ पंत की अगुआई वाली लखनऊ की निगाह जीत के अलावा अपने नेट रन रेट में सुधार करने पर भी होगी क्योंकि आगे इसकी भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। इन दोनों टीम के अभी तक समान 10 अंक हैं लेकिन मुंबई बेहतर नेट रन रेट के आधार पर चौथे जबकि लखनऊ की टीम छठे स्थान पर है। अब तक नौ मैचों में से इन दोनों ने पांच मैच जीते हैं और चार हारे हैं।

खराब फॉर्म से जूझ रहे पंत

जहां ये दोनों टीमें वानखेड़े स्टेडियम में मैदान पर वर्चस्व के लिए भिड़ेंगी, वहीं मुंबई की भीषण गर्मी और उमस भी खिलाड़ियों की विपरीत परिस्थितियों में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की तैयारी को परखने में अपनी भूमिका निभाएगी। लखनऊ के लिए कप्तान ऋषभ पंत की खराब फॉर्म चिंता का विषय है क्योंकि उन्होंने अब तक नौ मैचों में 106 रन बनाए हैं। मुंबई के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण के सामने उनकी कड़ी परीक्षा होगी।

मुंबई की शानदार वापसी

मुंबई की टीम सही समय पर अपने चरम पर पहुंची है। उसने लगातार चार मैच जीत कर खुद को प्लेऑफ में पहुंचने की दौड़ में आगे कर दिया है और उसकी टीम अपना विजय अभियान जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध होगी। उसकी टीम यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ है और वह इसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगी। मुंबई के प्रमुख खिलाड़ी रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, ट्रेंट बोल्ट और यहां तक कि हार्दिक पंड्या सही समय पर फॉर्म में लौट आए हैं और उनसे पार पाना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होगा।

रोहित की फॉर्म में वापसी

रोहित ने चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ दो विस्फोटक अर्धशतकों के साथ लय हासिल कर ली है और अब वह विरोधी टीमों के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गए हैं। हालांकि सूर्यकुमार को लेकर कोई बड़ी चिंता नहीं थी, लेकिन आईपीएल की शुरूआत में इस शीर्ष टी20 बल्लेबाज की परिचित चमक गायब थी, लेकिन दाएं हाथ का बल्लेबाज भी तिलक वर्मा की तरह अपनी लय हासिल करने में सक्षम है।

कोहली की विराट फार्म से भी जूझेगी दिल्ली

नयी दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूद सत्र में अब तक 392 रन ठोक चुके विराट कोहली की शानदार फॉर्म रविवार को यहां मेजबान दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के अभियान का अहम हिस्सा होगी। अरुण जेटली स्टेडियम में कल शाम आइपीएल की दो शीर्ष टीमें आमने सामने होंगी। कोहली की शीर्ष पर निरंतरता आरसीबी के हालिया प्रदर्शन का आधार रही है, जिससे टीम को अपने पिछले चार मैचों में से तीन में जीत मिली है। कोहली ने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 70 रन की मैच जिताऊ पारी खेली थी।

धर्मशाला में खेले जाने वाले मैचों के टिकटों की ऑफलाइन बिक्री आज

धर्मशाला। चंडीगढ़ के नए पीसीए स्टेडियम में अपने पहले चार घरेलू मैच खेलने के बाद पंजाब अब अपने दूसरे घरेलू मैदान एचपीसीए स्टेडियम धर्मशाला में चार मई से 11 मई के बीच तीन मैच खेलेगा। धर्मशाला में चार और आठ मई को धर्मशाला में खेले जाने वाले पहले दो मैचों के ऑफलाइन टिकट 27 अप्रैल यानि कल रविवार से धर्मशाला में मिलना शुरू हो जाएंगे। चार मई को पहले मैच के लिए पंजाब और लखनऊ के बीच खेले जाने वाले मैच के लिए 27 और 28 अप्रैल को टिकट काउंटर लगेंगे। वहीं दूसरे मैच में पंजाब और दिल्ली के बीच होने वाले मैच के लिए 30 अप्रैल और एक मई को टिकट की बिक्री होगी। पंजाब किंग्स के एक प्रवक्ता ने बताया कि लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच के लिए बॉक्स ऑफिस 27 और 28 अप्रैल को खुला रहेगा।

महिला त्रिकोणीय सीरीज के पहले मुकाबले में श्रीलंका से भिड़ेगा भारत

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार को कोलंबो में महिला त्रिकोणीय श्रृंखला के पहले मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी। यह सीरीज इस साल के अंत में भारत में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जहां खासतौर पर गेंदबाजी संयोजन को परखने पर जोर रहेगा। बल्लेबाजी विभाग फिलहाल काफी संतुलित और मजबूत नजर आ रहा है। इस सीरीज की तीसरी टीम दक्षिण अफ्रीका की है। भारतीय टीम इस समय तेज गेंदबाजी संसाधनों की चुनौती से जूझ रही है। रेणुका सिंह, पूजा वस्त्रकार और तीतास साधु चोटिल हैं, जिससे टीम को अरुंधति रेड्डी और ऑलराउंडर अमनजोत कौर पर निर्भर रहना पड़ रहा है। तेज गेंदबाजों के सीमित विकल्पों के बीच कप्तान हरमनप्रीत

कौर युवा तेज गेंदबाज काश्वी गौतम को भी मौका देकर परखना चाहेंगी। काश्वी ने हाल ही में महिला प्रीमियर लीग में गुजरात जायंट्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने नौ मैचों में 6.45 की इकॉनमी रेट से 11 विकेट झटके थे। उनकी फॉर्म भारतीय टीम के लिए उत्साहजनक संकेत है। प्रेमदासा स्टेडियम की धीमी पिचों को देखते हुए भारतीय टीम का भरोसा स्पिनरों पर होगा। सीनियर ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा के साथ मुंबई इंडियंस की बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी भी 50 ओवरों में से 30 ओवर तक गेंदबाजी कर सकती हैं। ऑलराउंडर अमनजोत कौर भी जरूरत पड़ने पर अपने ऑफ ब्रेक से गेंदबाजी आक्रमण को विविधता दे सकती हैं। टीम की बल्लेबाजी इकाई में कप्तान हरमनप्रीत कौर, उप-कप्तान स्मृति मंधाना, पावर-हिटर ऋचा घोष, भरोसेमंद जेमिमा रोड्रिग्स और हरलीन देओल शामिल हैं, जो टीम को स्थिरता और आक्रामकता दोनों प्रदान करते हैं। हालांकि एक बार फिर शैफाली वर्मा को चयनकर्ताओं ने नजरअंदाज किया है, लेकिन दीप्ति शर्मा और अमनजोत कौर की ऑलराउंड क्षमताएं भारत को गहराई प्रदान करती हैं। सही दिन पर भारतीय टीम किसी भी प्रतिद्वंद्वी को आसानी से पटखनी दे सकती है। मेजबान श्रीलंका ने इस श्रृंखला के लिए अपनी टीम में छह बदलाव किए हैं, जिसमें चार अनकैप्ड खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। अनुभवी बाएं हाथ की स्पिनर इनोका रानावीरा की वापसी से टीम को मजबूती मिली है। उनके साथ सुगंधिका कुमारी, इनोशी प्रियदर्शनी और कविशा दिलहारी जैसे अन्य स्पिनर भी भारतीय बल्लेबाजों को चुनौती देने के लिए तैयार हैं। भारतीय टीम वेस्टइंडीज और आयरलैंड के खिलाफ अपने पिछले छह वनडे मुकाबले जीतकर इस त्रिकोणीय सीरीज में उतर रही है।

भारत ने पक्के किए 43 पदक

अम्मान (जॉर्डन)। भारतीय बॉक्सिंग टीम ने वर्ल्ड बॉक्सिंग से मान्यता प्राप्त नयी एशियाई बॉक्सिंग संस्था की आयोजित पहली एशियन अंडर-15 और अंडर-17 बॉक्सिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए अब तक कुल 43 पदक पक्के कर लिए हैं। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अनुसार, प्रतियोगिता के सातवें दिन चार और भारतीय मुक्केबाज सेमीफाइनल में पहुंच गए। भारत ने अब अंडर-15 वर्ग में कम से कम 25 और अंडर-17 वर्ग में 18 पदक सुनिश्चित कर लिए हैं, क्योंकि सेमीफाइनल में पहुंचने वाले सभी खिलाड़ी कम से कम कांस्य पदक के हकदार होते हैं। अंडर-17 बालकों के वर्ग में अमन सिवाच (63 किग्रा) और देवांश (80 किग्रा) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फिलीपींस और जॉर्डन के खिलाड़ियों के खिलाफ रेफरी स्टॉप्ड कंटेस्ट के जरिए मुकाबले जीते और सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

शैली ने तोड़ा 23 साल पुराना अंजू का रिकॉर्ड, बोलीं-यह तो बस शुरूआत है

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय एथलेटिक्स को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हुए युवा लॉन्ग जम्पर शैली सिंह ने नेशनल फेडरेशन कप में धमाकेदार प्रदर्शन किया। उन्होंने शुक्रवार को 6.64 मीटर की शानदार छलांग लगाकर दिग्गज एथलीट अंजू बॉबी जॉर्ज का 23 साल पुराना मीट रिकॉर्ड तोड़ते हुए देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया। इस ऐतिहासिक जीत के बाद शैली ने जो भावुक बयान दिया, उसने खेल प्रेमियों के दिल जीत लिए। रिकॉर्ड तोड़ने के बाद अपनी खुशी जाहिर करते हुए शैली सिंह ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान में कहा, अंजू मैम का लंबे समय तक कायम रहा फेडरेशन कप रिकॉर्ड तोड़ना मेरे लिए गर्व का पल है। उनकी उपलब्धियां हमेशा मेरी प्रेरणा रही हैं और उनके नक्शेकदम पर चलना

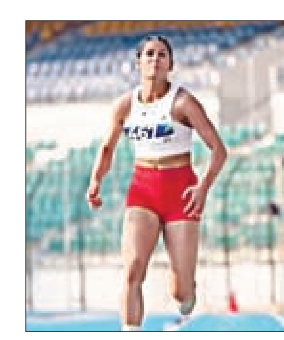

मेरे जीवन का सबसे बड़ा सपना रहा है। यह रिकॉर्ड 23 वर्षों तक बना रहा, जो उनकी महानता को दर्शाता है और आज इस विरासत का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। शैली ने कहा, यह तो बस शुरूआत है। मैं इस उपलब्धि से संतुष्ट नहीं हूं। मेरा सपना है कि मैं भारतीय एथलेटिक्स को और भी ऊंचाइयों तक ले जाऊं। मैं लगातार मेहनत करती रहूंगी ताकि देश का नाम अंतरराष्ट्रीय मंचों पर रोशन कर सकूं।

आस्ट्रेलिया ए ने भारतीय महिला हॉकी टीम को 5-3 से हराया

महिमा टेटे, नवनीत कौर और लालरेमसियामी ने भारत के लिए दागे गोल

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के अपने पहले मुकाबले में शानदार संघर्ष किया, लेकिन वे पर्थ हॉकी स्टेडियम में शनिवार को खेले गए मैच में आस्ट्रेलिया 'ए' टीम से 3-5 से हार गई। भारत की ओर से महिमा टेटे (27'), नवनीत कौर (45') और लालरेमसियामी (50') ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया 'ए' के लिए नीसा फ्लिन (3'), ओलिविया डाउनस (9'), रूबी हैरिस (11'), टैटम स्टुअर्ट (21') और केंड्रा फिट्जपैट्रिक (44') ने गोल दागे।

तेज शुरूआत के बाद आस्ट्रेलिया 'ए' ने बनाई मजबूत बढ़त

मैच की शुरूआत तेज रफ्तार के साथ हुई, जिसमें आस्ट्रेलिया 'ए' ने शुरूआती बढ़त बनाते हुए नीसा फ्लिन (3') के फील्ड गोल से खाता खोला। इसके बाद टीम ने लगातार दबाव बनाए रखा और ओलिविया डाउनस (9') व रूबी हैरिस (11') ने भारतीय डिफेंस में चूक का फायदा उठाकर दो और फील्ड गोल दाग दिए। पहले क्वार्टर के बाद आस्ट्रेलिया 'ए' ने 3-0 की मजबूत बढ़त बना ली थी।

नवनीत और लालरेमसियामी ने दिखाई वापसी की झलक

तीसरे क्वार्टर में केंड्रा फिट्जपैट्रिक (44') ने एक और गोल कर आस्ट्रेलिया 'ए' को 5-1 की बढ़त दिलाई। इसके तुरंत बाद भारत ने जवाबी हमला बोला और उपकप्तान नवनीत कौर (45') ने फील्ड गोल कर स्कोर 2-5 किया। अंतिम क्वार्टर में दोनों टीमों ने मौके बनाए। भारत की ओर से लालरेमसियामी (50') ने एक और शानदार फील्ड गोल किया, लेकिन इसके बावजूद भारतीय टीम वापसी पूरी नहीं कर पाई और मुकाबला 3-5 पर समाप्त हुआ।

भारत ने दिखाई जुझारूपन, लेकिन बढ़त कायम रही

दूसरे क्वार्टर में भी आस्ट्रेलिया 'ए' का दबदबा बना रहा। लगातार पेनल्टी कॉर्नर अर्जित करने के बाद टैटम स्टुअर्ट (21') ने एक को गोल में बदलकर स्कोर 4-0 कर दिया। हालांकि, भारतीय टीम ने हार नहीं मानी और महिमा टेटे (27') ने शानदार फील्ड गोल कर भारत के लिए खाता खोला। हाफ टाइम तक स्कोर 1-4 था।

पहलगाम हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि: इस मैच के दौरान भारतीय महिला हॉकी टीम ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों के सम्मान में काली पट्टियां बांधकर खेला। टीम ने पूरे आस्ट्रेलिया दौरे के दौरान काली पट्टी पहनने का फैसला किया है, ताकि पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की जा सके।

अगला मुकाबला रविवार को : भारतीय महिला हॉकी टीम अब रविवार को आस्ट्रेलिया 'ए' के खिलाफ अपना दूसरा मुकाबला खेलेगी। यह मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 1:40 बजे शुरू होगा। टीम मजबूत वापसी की उम्मीद के साथ मैदान में उतरेगी।

सबालेंका ने ब्लिंकोवा को हराकर तीसरे दौर में

एजेंसी

मैड्रिड। वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने मैड्रिड ओपन में अपने खिताब की रक्षा की शुरूआत शानदार अंदाज में की। उन्होंने शुक्रवार को दूसरे दौर में रूस की अन्ना ब्लिंकोवा को 6-3, 6-4 से हराया। सबालेंका की यह इस टूर्नामेंट में कुल 18वीं जीत रही, जबकि उन्हें सिर्फ 4 बार हार मिली है। वह 2021 और 2023 में यह खिताब जीत चुकी हैं और पिछले साल स्वियातेक के खिलाफ उपविजेता रही थीं। मैच की शुरूआत में ही सबालेंका ने 5-0 की बढ़त बना ली थी। हालांकि उन्होंने एक ब्रेक गंवाया, लेकिन 48वें मिनट में तीसरे सेट प्वाइंट पर पहला सेट अपने नाम किया। दूसरा सेट पूरी तरह एकतरफा रहा, जिसमें उन्होंने शुरूआती ब्रेक के बाद बढ़त बनाए रखी। अब तीसरे दौर में उनका सामना एलिस मर्टेंस या कोलंबिया की कैमिला ओसोरियो से होगा। हालांकि सबालेंका के तीनों ग्रैंड स्लैम खिताब हार्ड कोर्ट पर आए हैं, लेकिन उन्होंने क्ले कोर्ट पर भी दो फाइनल जीतकर अपनी ताकत साबित की है। उन्होंने माना कि फ्रेंच ओपन उनके लिए चुनौतीपूर्ण रहा है, जहां वह 2023 में सेमीफाइनल और 2024 में क्वार्टरफाइनल में हार गई थीं। उन्होंने कहा, हर बार जब मैं रोलां गैरोज जाती हूं, तो यह एक चुनौती होती है, लेकिन मुझे ऐसी चुनौतियां पसंद हैं। उम्मीद है कि एक दिन वह खूबसूरत ट्रॉफी मेरी कलेक्शन में होगी। 2022 की चैंपियन ट्यूनीशिया की ओंस जबूर पहले ही दौर में जापान की मोयुका उचिजिमा से 4-6, 6-3, 6-4 से हारकर बाहर हो गईं। वहीं ग्रीस की मारिया सक्कारी ने 29वीं सीड माग्दा लिनेट को 7-6(5), 6-3 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। पुरुष वर्ग में जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने स्पेन के रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुत को 6-2, 6-2 से हराया। उन्होंने मैच में 32 विनर्स लगाए और सिर्फ 24 अनफोर्स्ड एरर किए। दो बार के मैड्रिड चैंपियन ज्वेरेव ने कहा, यह कोर्ट मेरी फेवरेट सेंटर कोर्ट है। मैंने यहां पूरी जिंदगी में सिर्फ दो मैच हारे हैं और उम्मीद है कि यह सिलसिला अगले 10 दिनों तक जारी रहेगा।

बोकारो : विहिप एवं बजरंग दल ने नया मोड़ बिरसा चौक पर किया प्रदर्शन व पुतला दहन

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल बोकारो के संयुक्त तत्वावधान में बोकारो स्टील सिटी के नया मोड़ बिरसा चौक पर विहिप एवं बजरंग दल कार्यकर्ताओं सहित आम नागरिकों ने पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा निर्दोष हिंदुओं की बर्बरता पूर्व हत्या के खिलाफ आक्रोश पूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। मौके पर वक्ताओं ने कहा कि इस मुद्दे पर पूरा भारत एक है।मौके पर पाकिस्तान के सेना प्रमुख व प्रधानमंत्री का पुतला दहन किया गया। विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री संजीव कुमार ने कहा कि कश्मीर के पुलवामा में निर्दोष हिंदुओं पर आतंकियों द्वारा की गई बर्बरतापूर्ण हत्या के बदले किसी भी सूरत में पाकिस्तान को या उसके गुर्गों को इस नापाक हरकत का अंजाम भुगतना होगा। उक्त विरोध प्रदर्शन में भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रोहित लाल सिंह विश्व हिंदू परिषद के पूर्व जिला मंत्री गिरीश सिंह सरजू गोस्वामी प्रो राजकुमार प्रो पीएल वर्णवाल सामाजिक कार्यकर्ता अनु सिंह सहित अन्य उपस्थित थे। मौके पर विहिप के पूर्व बोकारो जिला मंत्री गिरीश सिंह ने भारत सरकार को इजरायल की गुप्तचर संस्था मोसाद के सिद्धांत- ना हम भूलते हैं ना माफ करते हैं, का अनुकरण करते हुए यथाशीघ्र सख्त कार्रवाई कर पाकिस्तान को सबक सिखाने पर जोर दिया। आतंकवादियों की कटू भर्त्सना करते हुए सिंह ने कहा कि आज समय की पुकार है- रामधारी सिंह दिनकर की पंक्ति को व्यवहारतः चरितार्थ करने की आवश्यकता है- हित वचन नहीं तूने माना- मैत्री का मूल्य न पहचाना। तो लो मैं भी अब जाता हूं- अंतिम संकल्प सुनाता हूं। याचना नहीं अब रण होगा- जीवन जय या कि मरण होगा। पूर्व जिला अध्यक्ष रोहित लाल सिंह सहित अन्य वक्ताओं ने भी पाकिस्तान के शह पर आतंकवादियों की बर्बरता पूर्ण करतूत पर अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए सरकार से जवाबी कार्रवाई करने पर जोर दिया।

गोड्डा में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं पर रोक को लेकर एसपी से मिले विधायक प्रदीप

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। जिले में चोरी की घटनाओं में लगातार हो रही वृद्धि ने आम जनता के बीच भय और असुरक्षा का माहौल पैदा कर दिया है। मोटरसाइकिल चोरी, चैन-स्नैचिंग, घरों में सेंधमारी और गोदामों को निशाना बनाए जाने की घटनाएं अब आम हो चली है। दिनदहाड़े होने वाली इन वारदातों ने लोगों का चैन छीन लिया है। वहीं स्थानीय निवासियों का कहना है कि चोर बेखौफ होकर अपराध को अंजाम दे रहे हैं, जिससे रात-दिन की शांति भंग हो रही है। बाजारों, गलियों और आवासीय इलाकों में चोरी की घटनाएं बढ़ने से लोग अपने घरों और संपत्ति की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। खासकर महिलाएं और बुजुर्ग इस स्थिति से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं, क्योंकि चैन-स्नैचिंग और लूटपाट की घटनाएं उनकी सुरक्षा के लिए खतरा बन रही हैं। इस गंभीर समस्या से परेशान होकर स्थानीय लोगों ने पोड़ैयाहाट विधायक प्रदीप यादव से मिले। जहां प्रदीप यादव ने जनता की चिंताओं को गंभीरता से लेते हुए गोड्डा के पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी से मुलाकात की। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए ठोस एवं त्वरित कदम उठाने की मांग की। विधायक ने कहा कि जनता की सुरक्षा सर्वोपरि है और इन अपराधों का बढ़ना जिले की शांति और कानून-व्यवस्था के लिए खतरा है। उन्होंने पुलिस से गश्त बढ़ाने, संदिग्धों की निगरानी करने और सीसीटीवी कैमरों जैसे तकनीकी संसाधनों का उपयोग कर चोरों को पकड़ने का आग्रह किया। पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी ने इस मुद्दे पर त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस जनता की परेशानियों को समझती है और चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए हरसंभव प्रयास करेगी। इसके लिए गश्त को और प्रभावी किया जाएगा, सीसीटीवी कैमरों की निगरानी बढ़ाई जाएगी और मुखबिर तंत्र को मजबूत किया जाएगा। मौके पर डीवाईएसपी जेपीएन चौधरी, एसडीपीओ अशोक प्रियदर्शी, कांग्रेस जिला अध्यक्ष दिनेश यादव व अन्य मौजूद थे।

एक नजर में

बाइक की चपेट में आकर 12 वर्षीय बच्चे की मौत

गोड्डा। सरकंडा चौक पर हुए एक सड़क हादसे में करीब 12 वर्षीय एक बच्चे की मौत हो गई। घटना शुक्रवार शाम की है, मृतक की पहचान नगर थाना क्षेत्र के सरकंडा निवासी 12 वर्षीय रोमन मुर्मू के रूप में हुई है। रोमन मुर्मू सरकंडा स्कूल में चौथी कक्षा का छात्र था, वह अपने परिवार में सबसे छोटा था। मृतक के चाचा शिवलाल मुर्मू के अनुसार, रोमन खेलने गया था। इस दौरान सड़क पार करते समय वह एक बाइक की चपेट में आ गया और घटना घटित हुई। वहीं स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना नगर थाना पुलिस को दी। नगर थाना प्रभारी दिनेश महली अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और बाइक को जब्त कर लिया। वहीं मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए गोड्डा सदर अस्पताल भेज दिया गया। वहीं इस घटना के बाद परिवार के परिजन स्तब्ध हैं। वहीं इस मामले में नगर थाना प्रभारी दिनेश महली से हुई वार्ता में बताया गया कि बाइक पर दो लोग सवार थे। इस सड़क दुर्घटना में दोनों को भी चोटें आई हैं, फिलहाल दोनों का उपचार सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। फिलहाल बाइक को जब्त कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

रोटरी क्लब चास ने की जरूरतमंद की मदद

बोकारो। रोटरी क्लब चास ने चंदनक्यारी के एक जरूरतमंद की बेटी की शादी के लिए उपहार एवं नगद धनराशि देकर मदद का हाथ बढ़ाया। यह सहयोग राशि एवं उपहार लड़की के पिता को दिए गए। रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा ने कहा कि बेटी की शादी में मदद करना पुण्य का काम है। बिनोद चोपड़ा ने कहा कि रोटरी क्लब चास सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर भागीदारी करता है। श्री चोपड़ा ने क्लब के सदस्यों को इस पुनीत कार्य में सहयोग करने पर बधाई दी। रोटरी क्लब चास के सचिव मुकेश अग्रवाल ने कहा कि रोटरी क्लब चास द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में सेवाएं प्रदान की जा रही है। मुकेश ने कहा कि समाज सेवा के क्षेत्र में सहयोग आगे भी जारी रहेगा। सहयोग राशि एवं उपहार पाकर लड़की के पिता ने रोटरी क्लब चास का आभार व्यक्त किया एवं प्रसन्नता जताई। इस अवसर पर संजय बैद नरेंद्र सिंह धनेश बंका आंनद अग्रवाल दीपक अग्रवाल मंजीत सिंह अंकित चोपड़ा आदि उपस्थित थे।

सीसीएल ढोरी में एक दिवसीय योगा एवं ध्यान कार्यशाला का आयोजन

बेरमो। सीसीएल ढोरी के ऑफिसर क्लब में एक दिवसीय योग और ध्यान कार्यशाला का आयोजन शनिवार का किया गया। योग शिविर का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर व सीसीएल के कॉपरेट गीत के साथ किया गया। इस कार्यशाला में सीसीएल ढोरी, बीएंडके एरिया व कथारा के अधिकारी सहित कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि बीसीसीएल के पूर्व सीएमडी एके सिंह और योगाचार्य अमरेंद्र झा ने योग और ध्यान के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रभारी जीएम सह अमलो पीओ राजीव कुमार सिंह ने कहा कि नियमित योग अभ्यास से शारीरिक, मानसिक और आत्मिक स्वास्थ्य में सुधार होता है साथ ही जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव आता है योग एक जीवनशैली है जो आपको स्वस्थ और खुशहाल बनाने में मदद कर सकती है। नियमित अभ्यास से आप अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

वरीय अधिवक्ता के निधन पर शोक सभा का आयोजन

बेरमो/तेनुघाट कोर्ट। व्यवहार न्यायालय परिसर में आयोजित शोक सभा में जिला जज प्रथम फहीम किरमानी अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष, महासचिव सहित अधिवक्तागण शामिल थे। व्यवहार न्यायालय परिसर में जिला जज प्रथम फहीम किरमानी ने शोक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि दिवंगत फलाहारी महतो वर्ष 1968 से हजारीबाग जिला से वकालत शुरू की। वे लगभग 85 वर्ष की आयु के थे। उनके निधन से सभी मर्माहत हैं। भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। इससे पूर्व अधिवक्ता संघ भवन में संघ के अध्यक्ष कामेश्वर मिश्रा की अध्यक्षता में शोक सभा की गई। वे अपने पीछे दो पुत्र, चार पुत्री सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। शोक सभा में तेनुघाट व्यवहार न्यायालय के कुटुंब न्यायालय प्रेमनाथ पांडेय, जिला जज द्वितीय सूर्य मणि त्रिपाठी, एसीजेएम मनोज कुमार प्रजापति, सब जज द्वितीय राज कुमार पांडेय, मुंसिफ शिवराज मिश्रा, प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी दिग्विजय नाथ शुक्ला, अधिवक्ता संघ के उपाध्यक्ष वेंकट हरि विश्वनाथन, संयुक्त सचिव पुस्तकालय राकेश कुमार, चन्द्रशेखर प्रसाद, बासु कुमार डे, अरुण सिन्हा, बी एन पोद्दार, जगदीश मिस्त्री, , जीतेंद्र दे व अधिवक्तागण मौजूद थे।

स्पीड न्यूज

हंसडीहा : फरार वारंटी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हंसडीहा। न्यायालय द्वारा निर्गत वारंटी जतरु मांझी गांव कुसुमडीह थाना हंसडीहा को पुलिस ने गिरफ्तार करके शनिवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया जानकारी के अनुसार वारंटी जतरु मांझी के खिलाफ कोर्ट द्वारा वारंट जारी किया गया था। जिसके बाद पुलिस जतरू मांझी की तलाश में जुट गई थी। शुक्रवार को पुलिस को सूचना मिली की आरोपी युवक अपने घर पर है जिसके बाद थाना प्रभारी प्रकाश सिंह अवर निरीक्षक एलबी पासवान पुलिस बल के साथ आरोपी युवक के घर दबिश देकर युवक को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया जिसे शनिवार को जेल भेज दिया गया।

कस्तूरबा की छात्राओं ने जल संरक्षण पर किया जागरुक

गोपीकांदर। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय गोपीकांदर के छात्राओं ने जल संरक्षण को लेकर रैली निकाली। रैली के माध्यम से छात्रों ने प्रार्थना सभा में सभी छात्राओं, शिक्षकों और कर्मचारियों द्वारा जल संरक्षण की शपथ लेना, विद्यालय परिसर या आसपास के क्षेत्र में जल संरक्षण पर आधारित रैली का आयोजन, छात्राओं द्वारा जल संरक्षण पर पोस्टर और स्लोगन बनाना, जल ही जीवन है₹ या ₹जल संरक्षण की आवश्यकता₹ जैसे विषयों पर निबंध लेखन, जल संरक्षण पर आधारित चित्र बनाना, जल संरक्षण पर आधारित लघु नाटक का मंचन, छात्राओं द्वारा अपने घरों में जल स्रोतों का सर्वेक्षण करना और रिपोर्ट तैयार करने जैसे 20 तरह के जल संरक्षण पर जागरूक किया। इस दौरान वार्डन ज्ञान प्रभा, शिक्षिका सीमा रानी दत्ता, दीपा पन्ना, मिनोति कुमारी, अनु मुर्मू, रुसकर खातून और रिया कुमारी शामिल रही।

भाकपा माले में शामिल हुए संगीता तिवारी और पीएन तिवारी

बेरमो। भाकपा माले झारखंड का 7वां राज्य सम्मेलन में बोकारो की कांग्रेस नेत्री संगीता तिवारी व वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पी एन तिवारी ने भाकपा माले में शामिल हुए। इस अवसर पर माले राष्ट्रीय महासचिव कॉमरेड दीपांकर भट्टाचार्य, विधायक कॉ अरूप चटर्जी, पूर्व विधायक कॉ बिनोद सिंह, पोलित ब्यूरो सदस्य कॉ हलधर महतो, कॉ अब्दुल हमीद अंसारी, कॉ दिलीप तिवारी, महिला मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य कॉ सुषमा मेहता, महिला प्रदेश अध्यक्ष कॉ गीता मंडल आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर बिहार विधान परिषद सदस्य कॉ शशि यादव ने संगीता तिवारी को पार्टी का झंडा और फुलमाल देकर पार्टी में स्वागत किया, वहीं पूर्व विधायक कॉ बिनोद सिह ने कॉ पी एन तिवारी को फूल माला पहना कर भाकपा माले में स्वागत किया। वहीं कॉ संगीता तिवारी और कॉ पी एन तिवारी ने माले राष्ट्रीय महासचिव कॉ दीपांकर भट्टाचार्य को पुष्प गुछ देकर आभार व्यक्त करते हुए पार्टी के सिध्दांतों पर विश्वास जताते हुए पार्टी के सिद्धांत पर कार्य करने व संगठन को मजबूत बनाने का विश्वास दिलाया।

मजदूरों की समस्या का निदान प्रबंधन की प्राथमिकता : पीओ

एसडीओसीएम प्रबंधन के समक्ष आरसीएमयू ने रखी बात

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। सीसीएल ढोरी क्षेत्र के एसडीओसीएम परियोजना कार्यालय में पीओ के साथ राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन (आरसीएमयू) प्रतिनिधियों ने रखी दर्जनो कामगार की समस्या। आयोजित बैठक में आरसीएमयू की ओर से क्षेत्रीय अध्यक्ष हरेंद्र सिंह की अगुवाई में पीओ को मजदूर समस्या से अवगत कराया गया। बैठक में क्षेत्रीय सचिव शिवनंदन चौहान और शाखा अध्यक्ष मुरारी प्रसाद सिंह ने कहा कि खदानों की सुरक्षा सर्वोपरि है। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती है। अधिक से अधिक कोयला उत्पादन कराने में श्रमिक संगठन अपनी पूरी भागीदारी देगी। कहा कि मुख्यालय की ओर से मिले लक्ष्य को पाने के लिए प्रबंधन मशीनों का रख रखाव सही तरीके से करे, ताकि उत्पादन में बाधा उत्पन्न न हो। कहा गया कि उत्पादन उत्पादकता के साथ-साथ प्रबंधन मजदूरों के मूलभूत सुविधाओं का भी ख्याल रखे। सेफ्टी सहित अन्य बैठक आदि नियमित किया जाए, तभी समस्याओं का निदान समय पर हो सकता है। इस अवसर पर पीओ शैलेश प्रसाद ने यूनियन प्रतिनिधियों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि मजदूरों की समस्या का निराकरण प्रबंधन की शीर्ष प्राथमिकता है। इसके लिए यूनियन प्रतिनिधियों को प्रबंधन को सहयोग देना होगा। मजदूरों के सहयोग से ही एसडीओसीएम का उत्पादन लक्ष्य हासिल किया जाएगा। बैठक में राजीव कुमार, अरविंद कुमार ऋषि, कार्मिक प्रबंधक मोहम्मद तौकीर आलम, पीई एक्स कुमार अमित, राम लखन कुमार, सुबल दत्ता सहित आरसीएमयू के शाखा सचिव रवि शंकर ठाकुर, मो कलीमुद्दीन अंसारी, कोषाध्यक्ष मुरारी प्रसाद सिंह सहित बैजनाथ कुमार, जितेंद्र राय, उपेंद्र नाथ सिंह, कृष्णा गोप, नरसिंह मिश्रा, बाल्मीकि यादव, बिगन तुरी, राजन कमार, कामदेव मिश्रा, राम उदित चौहान, मंगल नोनिया, गोला साहू आदि उपस्थित थे।

बेरमो : कथारा महाप्रबंधक ने किया प्रवेश द्वार निर्माण का शिलान्यास

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। बोकारो जिला के कथारा महाप्रबंधक कार्यालय के समीप मुख्य सड़क पर बनने वाले प्रवेश द्वार का क्षेत्र के महाप्रबंधक संजय कुमार ने 25 अप्रैल को शिलान्यास किया। मौके पर तमाम क्षेत्रीय स्तर के अधिकारी आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर महाप्रबंधक संजय कुमार ने कहा कि इस प्रवेश द्वार के बनने से दुर से यहां आने वाले अधिकारियों, व्यवसायियों तथा आम जनों को यह एहसास होगा कि क्षेत्र अपने आप में अलग पहचान बनाए हुए हैं। साथ ही प्रवेश द्वार के बनने से इसकी भव्यता में चार चांद लग जाएगा। मौके पर जीएम के अलावा महाप्रबंधक सह विभागाध्यक्ष विद्युत एवं यांत्रिक विपिन कुमार, विभागाध्यक्ष कार्मिक एवं प्रशासन रामानुज प्रसाद, विभागाध्यक्ष असैनिक संजय सिंह, विभागाध्यक्ष योजना एवं परियोजना अर्जुन कुमार प्रसाद, क्षेत्रीय वित्त प्रबंधक राजीव रंजन, क्षेत्रीय सुरक्षा पदाधिकारी सुनील कुमार गुप्ता, क्षेत्रीय सेफ्टी अधिकारी राजकुमार वर्णवाल, क्षेत्रीय सर्वेक्षण अधिकारी बीके मजूमदार, महाप्रबंधक के तकनीकी सहायक राहुल कुमार सिंह, महाप्रबंधक कार्यालय के उप प्रबंधक असैनिक मोहम्मद फिरदौस, अभियंता सहायक असैनिक कृष्ण मोहन, सुजीत कुमार, महाप्रबंधक के वरीय निजी सहायक निरंजन विश्वकर्मा, संतोष पांडेय, कार्य संवेदक गोविंद यादव, पवन यादव आदि उपस्थित थे। ज्ञात हो कि 17 लाख 38 हजार की लागत से बनने वाले उक्त प्रवेश द्वार का महाप्रबंधक तथा अन्य अधिकारियों द्वारा विधिवत तरीके से पूजा अर्चना कर शिलान्यास किया गया। शिलान्यास के मौके पर उपस्थित जनों के बीच लड्डू बांटे गए।

पेज एक का शेष

एटीएस ने छापामारी...

यरुशलम में हुआ था एचयूटी का गठन : आतंकी संगठन हिज्ब उत तहरीर का गठन 1953 में यरुशलम में हुआ था। आतंकी संगठन का मकसद विश्व में खलीफा यानी इस्लामिक स्टेट की स्थापना करना है। साल 2010 में भारत सरकार ने इस इस्लामी कट्टरपंथी समूह पर प्रतिबंध लगा दिया था। इस संगठन का मुख्य काम युवाओं को कप्तरपंथी बनाने और उन्हें विभिन्न आतंकी संगठनों में शामिल होने के लिए प्रेरित करना है। ये आतंकी गतिविधियों के जरिये लोकतांत्रिक सरकारों को उखाड़ कर भारत सहित दुनिया भर में इस्लामी राष्ट्र और खिलाफत स्थापित करने के लिए काम करता है।

स्वीडन में हेमंत...

स्पेन समझौते से झारखंड में खुलेंगे निवेश के द्वार--- वहीं इससे पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने स्पेन के साथ व्यापारिक समझौते पर चर्चा की। इस दौरान दोनों पक्षों ने निवेश और व्यापार संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया। स्पेनिश कंपनियों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की, जिनमें निर्माण, बुनियादी ढांचा, अक्षय ऊर्जा, और डेटा सेंटर शामिल हैं। सीएम श्री सोरेन ने स्पेनिश कंपनियों को झारखंड आकर निवेश के अवसरों का पता लगाने का आमंत्रण दिया। इससे राज्य में नये निवेश और रोजगार के अवसर पैदा हो सकते हैं।

सैन्य अभियान के...

जब तक कि अभियान समाप्त न हो जाये। यदि किसी चैनल द्वारा इस नियम का उल्लंघन किया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। इसका सख्ती से पालन करना अनिवार्य है।

पाकिस्तानी कनेक्शन की पुष्टि : पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान की भूमिका को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निर्णायक कार्रवाई शुरू कर दी है। भारत ने विदेशी सरकारों के सामने तकनीकी खुफिया और मानव स्त्रोतों के जरिए जुटाए गए ठोस सबूत पेश किये हैं, जिनसे साफ होता है कि इस हमले में पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों की सीधी भूमिका है। एजेंसियों ने इस हमले के लिए जिम्मेदार आतंकियों की पहचान कर ली है। जांच में यह सामने आया है कि हमले में शामिल आतंकियों का सीधा संबंध पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट से है, जो लश्कर-ए-तैयबा का सहयोगी संगठन है। इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस में इन आतंकियों के सिग्नल पाकिस्तान के दो ठिकानों से जुड़े पाये गये हैं।

पाकिस्तान के फूले हाथ-पांव : भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान ने बड़ा कदम उठाते हुए पाकिस्तान सुपर लीग सीजन 10 के दौरान काम कर रहे 23 भारतीय नागरिकों को वापस भारत भेज दिया। भारत ने पहलगाम हमले के बाद अटारी-वाघा सीमा को बंद करने की घोषणा की थी। इसके साथ ही भारत ने पाकिस्तान के नागरिकों के लिए वीजा छूट योजना भी रद्द कर दी है, जिससे पाकिस्तानी नागरिक अब विशेष अनुमति के बिना भारत नहीं आ सकेंगे। पाकिस्तान ने कहा है कि भारत से आने-जाने वाला हर प्रकार का सीमापार यातायात फिलहाल पूरी तरह से निलंबित रहेगा।

आपके हाथों में...

बेटियों की तारीफ : देश की बेटियों की तारीफ करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत आज जो कीर्तिमान गढ़ रहा है उसमें हर वर्ग की भागीदारी बढ़ रही है और हमारी बेटियां दो कदम आगे ही चल रही हैं। हमारी नारीशक्ति ब्यूरोक्रेसी से लेकर स्पेस और साइंस के क्षेत्र में नई बुलंदियों को छू रही है। सरकार का विशेष ध्यान ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण पर भी है। भारत की बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं।

अन्नपूर्णा देवी ने प्रदान किये नियुक्ति पत्र : केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने विज्ञान भवन में आयोजित रोजगार मेले में कई युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपें। उन्होंने कहा कि यह मेला सिर्फ नियुक्ति नहीं, नए भारत की नई उम्मीदों का प्रतीक है। पीएम मोदी के नेतृत्व में सरकार युवाओं को अवसर देने और आत्मनिर्भरता की दिशा में लगातार कार्य कर रही है।

मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने किया मैरिज हॉल सह गेस्ट हाउस का उद्घाटन

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो/बांधकथारा। झारखंड सरकार के पेयजल स्वच्छता एवं मध निषेध तथा उत्पादन मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने शुक्रवार की देर संध्या कथारा झिरकी मार्ग पर आईबीएम कॉलोनी के समीप बने राधा कृष्ण मैरैज हॉल सह गेस्ट हाउस का उद्घाटन किया इस अवसर पर मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि यहां उक्त मैरैज प्लेस के बनने से कथारा सहित आसपास के दर्जनों ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों को विभिन्न समारोह आयोजित करने में सहूलियत होगी उन्होंने बताया कि हाल के वर्षों में खासकर विवाह समारोह के आयोजन के दौरान ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र में स्थानाभाव को लेकर लोग अपनी सहूलियत के अनुसार मैरिज हॉल में जाकर समारोह आयोजित करते हैं इसके तहत एक ही जगह पर उन्हें तमाम सुविधा मिलती है बैंक्विट हॉल के संचालक कौशल यादव के अनुसार उक्त तीन मंजिलें बैंक्विट हॉल 5 हजार स्क्वायर फीट में बनाया गया है जिसके प्रथम तथा द्वितीय तले पर विवाह समारोह बैठके बर्थडे पार्टी आदि की व्यवस्था की गई है जबकि तीसरे माले पर आगंतुको के ठहरने तथा रहने की उत्तम व्यवस्था है। मौके पर मथुरा सिंह यादव रूपलाल यादव बालेश्वर को गोविंद यादव नागेश्वर यादव हेमंत दुलारचंद यादव मो हाशिम मो कलीम देवेंद्र यादव सीडी यादव नारायण यादव रंजय सिंह देवनारायण यादव बबलू यादव कुलेश्वर यादव राजेंद्र यादव कौशल यादव, शोबी देवी तीन पुत्र अनिल यादव संजय यादव गौतम यादव, उर्मिला देवी, बेबी देवी सुनीता यादव आदि उपस्थित थे।

बेरमो : विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र में गांधीनगर थाना के देवर भाभी की हत्या के बाद शव खेत में फेंका

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। बीते दिनों विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के जमनीजारा स्थित एक खेत में एक युवक और एक महिला का शव देख क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी के बाद पुलिस मौके पर पहुची और वहां उपस्थित लोगों से उन दोनों की शिनाख्त करने की कोशिश की गई मगर किसी ने भी उन दोनों की शवों को नही पहचाना मगर कुछ ही समय बाद वाटशाप ने अपना कमाल दिखाया और दोनों शवों की शिनाख्त हो गई जिसके अनुसार मृतकों की पहचान गांधीनगर थाना क्षेत्र के जरीडीह बस्ती निवासी लगभग 34 वर्षीय मोहन महतो के पुत्र विजय कुमार महतो और महिला की पहचान 32 वर्षीय मुकेश कुमार महतो की पत्नी तिलिया देवी के रूप में की गई। महिला का चेहरा बुरी तरह कुचल दिया गया था। पुलिस के अनुसार दोनों की हत्या अवैध संबंध के कारण हुई है। वही पुलिस तिलिया देवी के पति से पूछताछ कर रही है तथा दोनों शवों को पुलिस पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज भेज दिया है।

इस संबंध में एसडीपीओ बैजनाथ प्रसाद ने बताया कि तिलिया देवी 23 अप्रैल से ही जरिडीह बाजार से गायब थी जिसे लेकर उसके पति द्वारा गांधीनगर थाना मे गुमशुदगी की सनहा भी दर्ज करवाई गई थी। दोनों के बीच अवैध संबंधों को लेकर गांव में पंचायती भी हुई थी- पुलिस के अनुसार तिलिया देवी और विजय महतो रिश्ते में देवर और भाभी था और महिला दो बच्चों की मां बताई जाती है। दोनो के बीच अवैध संबंध को लेकर गांव में पंचायती भी हुई थी। मगर दोनों के सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ा था। एसडीपीओ द्वारा बताया गया कि महिला के लापता होने के बाद उसके मायके वाले खोजबीन के लिए ससुराल गये थे मगर उन्हें वहां से फटकार कर भगा दिया गया था। पुलिस घटना स्थल से कई साक्ष्य किए हैं बरामद-घटना स्थल से पुलिस मोबाइल भी बरामद किया है जिसका सीडीआर यानी कॉल डिटेल रिपोर्ट निकालने के लिए टेक्निकल विभाग से सम्पर्क किया गया है। इस घटना की जांच के लिए विष्णुगढ़ की पुलिस टीम गांधीनगर थाना की भी मदद व सहयोग ले रही है। वही मृत्तिका की मां कुसुबा गांव निवासी पनवा देवी पति भीम महतो के आवेदन पर विष्णुगढ़ थाना में हत्या का मामला दर्ज किया गया है। दर्ज मामले में एक व्यक्ति को नामजद और अन्य अज्ञात को अभियुक्त बनाया गया है। बहरहाल एक बार फिर प्रेम परवान चढ़ने से पहले ही दोनों प्रेमियों का अस्तित्व ही मिटा डाला। अब देखना बाकी होगा कि पुलिस के अनुसंधान के बाद जो कहानी सामने आयेगी उसमे विलेन कौन निकलता है।

डीपीएस बोकारो में 'चित्रांजलि' कार्यशाला आयोजित प्रशिद्ध कलाकार विजय चित्रकार ने सिखाये गुर

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न विधाओं में अपने विद्यार्थियों के समग्र विकास की कटिबद्धता के तहत डीपीएस बोकारो में एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। चित्रांजलि नामक इस कार्यशाला में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने झारखंड की पारंपरिक पाटकर चित्रकला की बारीकियां सीखीं। जमशेदपुर के अमाडुबी पानीजिया ग्रामीण पर्यटन केंद्र से आमंत्रित पाटकर पेंटिंग के लब्ध-प्रतिष्ठित कलाकार विजय चित्रकार ने बच्चों को इस लोक-कला के गुर सिखाए। किस प्रकार कागज की शीटों को जोड़कर लंबे स्क्रॉल व एकल शीट अथवा कपड़े पर प्राकृतिक रंगों की मदद से विभिन्न तरह के चित्र बनाए जाते हैं- इसके बारे में सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी उन्होंने दी। विद्यार्थियों ने नदी तट के पत्थरों हल्दी पेड़ों की पत्तियां पुटुस के फूल आदि से प्राकृतिक रंग तैयार करने का प्रशिक्षण लिया। उन्हें बताया गया कि पाटकर पेंटिंग को कपड़े या कागज पर बनाया जा सकता है। चित्रों को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए प्राकृतिक रंगों में नीम या बबूल की गोंद मिला दी जाती है। इसके बाद बच्चों ने श्री चित्रकार के निर्देशन में रामायण महाभारत आदिवासी जनजीवन करम पर्व आदि विषयों पर चित्रांकन कर अपनी रचनात्मक प्रतिभा दिखाई। तत्पश्चात उनके द्वारा तैयार चित्रों की आकर्षक प्रदर्शनी भी लगाई गई। इस क्रम में विजय चित्रकार ने सृष्टि की उत्पत्ति तथा प्रकृति व मानवीय जीवन-चक्र पर आधारित अपनी एक स्क्रॉल पेंटिंग दिखाते हुए क्रमवार उसकी व्याख्या की। प्रशिक्षक विजय चित्रकार ने बताया कि पाटकर चित्रकला स्थानीय संताली कथाओं प्रकृति ग्रामीण जीवन और पौराणिक कथाओं पर आधारित होती है।

बेरमो : मासिक लोक अदालत में 15 मामलों का हुआ निष्पादन

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो/तेनुघाट कोर्ट। तेनुघाट व्यवहार न्यायालय में शनिवार को मासिक लोक अदालत का आयोजन माननीय झालसा के निदेर्शानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो के आदेशानुसार व्यवहार न्यायालय परिसर में मासिक लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 2 बेंचो (पीठों) का गठन किया गया।

बेंचों में अपराधिक मामलो, वन विभाग के मामलो, उत्पाद विभाग के मामलो, एन आई एक्ट (चेक बाउंस) एवं बिजली से संबंधित मामलों एवं अन्य मामलों का निष्पादन किया गया। जिसमें कुल 15 मामले निष्पादित हुए। इस मासिक लोक अदालत के सफल संचालन के लिए दो बेंच का गठन किया गया था।

जिसके पहले बेंच पर जिला जज प्रथम फहीम किरमानी एवं अधिवक्ता सुजीत कुमार जायसवाल तथा दूसरे बेंच पर प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी दिग्विजय नाथ शुक्ला और अधिवक्ता प्रशांत पाल मौजूद थे। उक्त बातों की जानकारी अनुमंडल विधिक सेवा प्राधिकार समिति के प्रभारी सचिव सह प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी दिग्विजय नाथ शुक्ला ने दी और आगे बताया कि मासिक लोक अदालत के सफल संचालन में न्यायिक दंडाधिकारी गण, लीगल एंड डिफेंस काउंसिल के सदस्य एवं पैनल अधिवक्ता गण की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

स्पीड न्यूज

ईरान के बंदरगाह पर धमाका, चार मौत व 500 से ज्यादा घायल

दुबई। ईरान के बंदर अब्बास शहर में शनिवार को जबरदस्त धमाका हुआ। इसमें 500 से ज्यादा लोग घायल हो गए, जबकि 4 लोगों की मौत हो गई। ये धमाका ऐसे वक्त में हुआ है, जब ओमान में अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु वार्ता का तीसरा दौर चल रहा है। हालांकि विस्फोट के कारणों का तुरंत पता नहीं चल पाया। धमाका बंदर अब्बास शहर के शाहिद राजी बंदरगाह पर हुआ। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया और बंदरगाह की गतिविधियों को रोक दिया गया। धमाका इतना तेज था कि कई किलोमीटर दूर तक खिड़कियां टूट गईं।

जेलेंस्की से मिले ट्रंप युद्ध विराम पर चर्चा

रोम । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार को वेटिकन सिटी में कैथोलिक ईसाई धर्म गुरु पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार से इतर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की। जेलेंस्की ने शनिवार को एक्स पर अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ बातचीत की तस्वीर साझा करते हुए अपनी पोस्ट में लिखा कि अच्छी बैठक। हमने एक-एक करके बहुत चर्चा की। हमने जो कुछ भी कवर किया है, उसके परिणाम की उम्मीद है। हमारे लोगों के जीवन की रक्षा करना। पूर्ण और बिना शर्त युद्ध विराम। विश्वसनीय और स्थायी शांति जो एक और युद्ध को छिड़ने से रोकेगी। अगर हम मिलकर अच्छा परिणाम हासिल करते हैं तो यह बैठक ऐतिहासिक बन सकती है। धन्यवाद।

पाक के बलूचिस्तान में नौ आतंकवादी ढेर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अभियान में नौ आतंकवादी मारे गए है। आतंकवाद निरोधक विभाग (सीटीडी) के अनुसार आतंकवादियों की मौजूदगी की खबर के बाद पिशिन जिले के खानोई बाबा इलाके में चलाए गए अभियान में छापेमारी के दौरान गोलीबारी हुई । मुठभेड़ में नौ आतंकी मारे गए। सुरक्षा बलों ने छापेमारी कर भारी मात्रा में स्वचालित हथियार, ग्रेनेड और गोला-बारूद सहित हथियारों और विस्फोटकों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया है । बलूचिस्तान के सीएम सरफराज बुगती ने अभियान के लिए एजेंसियों की प्रशंसा की।

लाहौर हवाई अड्डे पर आग से उड़ानें बाधित

लाहौर। पाकिस्तान में लाहौर के अल्लामा इकबाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गयी और सभी उड़ानें रद्द कर दी गयी। आग से हवाई अड्डे पर नागरिकों में अफरा-तफरी मच गयी, जिसके कारण निकासी और अन्य कर्मचारियों के संचालन में बाधा उत्पन्न हुई। आग लगने का कारणों का अभी पता नहीं चला है।

पिकअप ने छह सफाई कर्मियों को रौंदा, मौत

गुरुग्राम। हरियाणा के नूंह जिले में फिरोजपुर झिणका के पास मुंबई-दिल्ली एक्सप्रेसवे पर शनिवार सुबह एक पिकअप की चपेट में आने से छह सफाईकर्मियों की मौत हो गई और अन्य पाँच घायल हो गए। दुर्घटना इब्राहिम बास गाँव के निकट पूर्वाह्न 10 बजे घटी। सफाईकर्मी एक्सप्रेसवे पर सफाई कर रहे थे जब तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें कुचल दिया। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि कुछ शवों के क्षत-विक्षत हो गए। पुलिस के अनुसार सीसीटीवी फुटेज की मदद से घटना की जांच की जाएगी।

पोप फ्रांसिस को बेसिलिका डी सांता मारिया मैगीगोर में दी गयी अंतिम विदाई

170 देशों के नेताओं ने दी पोप को अंतिम विदाई

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैंक्रो, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की, और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने पोप को किया नमन

एजेंसी

वेटिकन सिटी। वेटिकन में शनिवार को पोप फ्रांसिस का अंतिम संस्कार कैथोलिक चर्च के रीति-रिवाज के साथ सेंट पीटर बेसिलिका के स्थान पर बेसिलिका डी सांता मारिया मैगीगोर में किया गया। अंतिम संस्कार की प्रार्थना सभा पूरी होने के बाद यहां पूरे राजकीय सम्मान के साथ ईसाई कैथोलिक धर्मगुरु के ताबूत को दफनाया गया। करीब ढाई लाख लोग इसके साक्षी बने। लगभग 170 देशों के प्रतिनिधिमंडल में शामिल नेताओं ने पोप को अंतिम विदाई दी। इनमें करीब 50 राष्ट्राध्यक्ष और 10 सम्राट भी शामिल हैं। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैंक्रो, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की, अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने पोप को नमन किया। विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे भी अंतिम संस्कार समारोह के दौरान कुछ सैनिकों के बगल में खड़े नजर आए। वेटिकन प्रेस कार्यालय के अनुसार, इससे पहले रोमन कैथोलिक चर्च के 266वें 'पोप' पोप फ्रांसिस के ताबूत के अंतिम दर्शन बंद कर दिए गए। ताबूत को सील करने की रस्म शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार रात आठ बजे रोम के सेंट पीटर बेसिलिका में हुई। वेटिकन न्यूज के अनुसार, इस रस्म के दौरान नए पोप के चयन तक वेटिकन के अंतरिम प्रबंधक कार्डिनल केविन फैरेल ने दस्तावेज पढ़ा। दस्तावेज को इस समारोह के आखिर में ताबूत में रख दिया गया। वेटिकन प्रेस कार्यालय ने बताया कि तीन दिन में लगभग 250,000 लोग पोप फ्रांसिस को श्रद्धांजलि देने सेंट पीटर्स बेसिलिका पहुंचे। ताबूत को सील करने के अनुष्ठान के दौरान कार्डिनल जियोवानी बतिस्ता रे, पिएत्रो पारोलिन, रोजर महोनी, डोमिनिक मैम्बर्टी, मौरो गैम्बेटी, बाल्डासारे रीना और कोनराड क्रेजवेस्की भी मौजूद रहे। आर्कबिशप एडगर पेना पारा, आर्कबिशप इल्सन डी जीसस मोंटानारी, मोनसिग्नोर लियोनार्डो सैपिएन्जा, वेटिकन चैप्टर के कैनन, वेटिकन के साधारण माइनर पेनिटेंटियरीज, दिवंगत पोप के सचिव और पोंटिफिकल लिटर्जिकल समारोह के मास्टर और आर्कबिशप डिएगो रवेली ने इस रस्म के दौरान मदद की। सेंट पीटर बेसिलिका में अंतिम संस्कार की रस्म के वक्त भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप और कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष और विदेशी प्रतिनिधिमंडल के नेता नजर आए।

राष्ट्रपति मुर्मू पोप फ्रांसिस के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए 25 अप्रैल को वेटिकन सिटी पहुंचीं। राष्ट्रपति मुर्मु ने पोप के अंतिम संस्कार में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने सरकार और भारत के लोगों की ओर से संवेदना व्यक्त की। पोप फ्रांसिस के निधन पर भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शोक व्यक्त किया था। उन्होंने कहा था कि भारत के लोगों के प्रति पोप का स्नेह हमेशा याद रखा जाएगा। भारत ने पोप के निधन पर तीन दिन का राजकीय शोक घोषित किया। भारत ने गुरुवार को घोषणा की कि 26 अप्रैल को पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार के सम्मान में राजकीय शोक मनाया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा था कि पूरे भारत में उन सभी भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा, जहां इसे नियमित रूप से फहराया जाता है और कोई आधिकारिक मनोरंजन नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि पोप फ्रांसिस 13 मार्च, 2013 को पोप बेनेडिक्ट (सोलहवें) से पदभार ग्रहण करने के बाद रोमन कैथोलिक चर्च का नेतृत्व करने वाले पहले लैटिन अमेरिकी पोप थे।

तीन और आतंकियों का घर ध्वस्त

पहलगाम हमला

सुरक्षाबलों ने शोपियां, कुलगाम और पुलवामा में तीन लश्कर आतंकियों के घरों को उड़ाया

एजेंसी

श्रीनगर। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारतीय सुरक्षाबलों ने शुक्रवार रात को जम्मू-कश्मीर के विभिन्न जिलों शोपियां, कुलगाम और पुलवामा में तीन कुख्यात आतंकियों के घरों को ध्वस्त कर दिया गया। ये सभी आतंकी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े हुए थे। शोपियां में लश्कर के शीर्ष कमांडर शाहिद अहमद कुट्टे का घर गिरा दिया गया। वह पिछले 3-4 वर्षों से आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्त था। कुलगाम में आतंकी जाहिद अहमद का घर तोड़ा गया। पुलवामा में आतंकियों अहसान उल हक, एहसान अहमद शेख और हारिस अहमद के घरों को विस्फोट से ध्वस्त किया गया। इससे पहले, गुरुवार को भी दो आतंकियों आदिल हुसैन और आसिफ शेख के घरों को भी उड़ा दिया गया था। इन दोनों पर पहलगाम हमले में शामिल होने का शक है, जहां बैसरण घाटी में पर्यटकों पर गोलीबारी की गई थी। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा पहलगाम हमले में शामिल संदिग्ध तीन आतंकवादियों के स्केच जारी किए गए। पुलिस ने हमलावरों के स्केच जारी कर दिए हैं और दो पाकिस्तानी संदिग्धों को पकड़ने में मदद करने वालों को 20 लाख रुपये के इनाम की घोषणा की है। भारत ने इस हमले के जवाब में पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया है।

कुलगाम में दो आतंकियों के दो सहयोगी गिरफ्तार

कुलगाम। सुरक्षाबलों ने संयुक्त कार्रवाई में कुलगाम के कैमोह में नाके के दौरान शनिवार को आतंकवादियों के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। गिरफ्तार लोगों की पहचान बिलाल अहमद भट पुत्र अब्दुल सलाम भट और मोहम्मद इस्माइल भट पुत्र गुलाम मोहम्मद भट दोनों निवासी थोकरपोरा कैमोह के रूप में हुई है। उनके कब्जे से दो पिस्तौल, 25 पिस्तौल राउंड, दो पिस्तौल मैगजीन सहित हथियार गोला-बारूद बरामद किया है।

इधर कुपवाड़ा जिले में शनिवार को सुरक्षाबलों ने एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ कर भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। सुरक्षाबलों ने मौके से पांच एके-47 राइफल, आठ एके-47 मैगजीन, एक पिस्तौल और एक पिस्तौल मैगजीन बरामद की है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि विशेष खुफिया सूचना के आधार पर सुरक्षाबलों ने उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के मुश्ताकाबाद माछिल के सेदोरी नाला के जंगली इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान एक आतंकवादी ठिकाने का सफलतापूर्वक पता लगाया गया।

▶▶ **कुपवाड़ा में आतंकी ठिकाने का पर्दाफाश, भारी मात्रा में हथियार व गोला-बारूद जब्त**

एलओसी पर पाक की नापाक हरकत
सेना ने दिया मुंहतोड़ जवाब

श्रीनगर। पाकिस्तान ने कश्मीर घाटी में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर बिना उकसावे के गोलीबारी कर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया, जिसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया। रक्षा विभाग के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। श्रीनगर में अधिकारी ने कहा कि 25-26 अप्रैल की मध्य रात्रि कश्मीर में एलओसी के पार पाकिस्तान की कई सैन्य चौकियों ने गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि भारतीय जवानों ने इस उल्लंघन का करारा जवाब दिया। उन्होंने यह भी जोड़ा कि इस गोलीबारी में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। यह घटना पहलगाम आतंकवादी हमला के बाद बढ़े तनाव के बीच हुई, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। 25-26 अप्रैल की मध्य रात्रि कश्मीर में एलओसी के पार पाकिस्तान की कई सैन्य चौकियों से बिना उकसावे के गोलीबारी की गई। उन्होंने कहा कि सेना के जवानों ने संघर्ष विराम उल्लंघन का मुंह तोड़ जवाब दिया। भारत ने संकल्प लिया है कि वह पहलगाम हमले में शामिल आतंकवादियों को खोज निकालेगा।

सिंधु संधि रद्द करने पर बिलबिलाया पाकिस्तान

भारत ने पानी रोका तो नदियों में बहेगा खून : बिलावल भुट्टो

एजेंसी

इस्लामाबाद। पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को स्थगित करने के भारत के फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो-जरदारी ने धमकी दी कि अगर पानी रोका गया तो नदियों में खून बहेगा।पूर्व विदेश मंत्री कहा कि सिंधु हमारी है और हमारी ही रहेगी या तो हमारा पानी इसमें बहेगा या उनका खून। बिलावल ने यह बात शुक्रवार को अपने गृह प्रांत सिंध के सुक्कुर इलाके में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कही। सिंधु नदी प्रांत से होकर बहती है और सिंधु घाटी सभ्यता का शहर मोहनजोदड़ो इसके किनारों पर बसा था। बिलावल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दावा किया है कि भारत हजारों साल पुरानी सभ्यता का उत्तराधिकारी है, लेकिन मोहनजोदड़ो सभ्यता लरकाना में है। हम इसके सच्चे संरक्षक हैं और हम इसकी रक्षा करेंगे। बिलावल ने कहा कि मोदी सिंध और सिंधु के लोगों के बीच सदियों पुराने रिश्ते को नहीं तोड़ सकते। उन्होंने कहा किभारत सरकार ने पाकिस्तान के पानी पर अपनी नजरें टिका रखी हैं और हालात की मांग है कि चारों प्रांतों को अपने पानी की रक्षा एवं सुरक्षा के लिए एकजुट होना होगा।

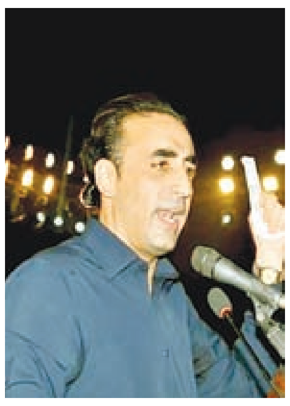

एक्शन से घबराए पाक आर्मी चीफ मुनीर ने फिर उगला जहर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने शनिवार को एक बार फिर जहर उगला है। मुनीर ने कहा कि हिंदू और मुसलमान दो अलग-अलग राष्ट्र हैं। शनिवार को मुनीर खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के काकुल इलाके में पाकिस्तान मिलिट्री अकादमी में कैडेटों की पासिंग आउट परेड को संबोधित कर रहे थे। अपने विवादित बयानों के लिए कुख्यात मुनीर ने कहा कि उनके पूर्वजों का मानना था कि हिंदू और मुसलमान जीवन के हर संभव पहलू में अलग हैं। करीब एक हफ्ते पहले भी एक कार्यक्रम में बोलते हुए मुनीर ने विदेश में रहने वाले पाकिस्तानियों से अपने बच्चों को देश की कहानी सुनाने को कहा था। मुनीर ने कहा कि मुसलमान जीवन के सभी पहलुओं धर्म, रीति-रिवाज, परंपरा, सोच और आकांक्षाओं में हिंदुओं से अलग हैं। मुनीर आकाओं के इशारे पर पाकिस्तान की आवाम में अपनी ही सरकार के खिलाफ उठ रही विद्रोह की आवाज को भटकाने के लिए ऐसे ऊल-जलूल बयान देते रहते हैं।

अहमदाबाद में 890 और सूरत में 134 अवैध बांग्लादेशी नागरिक पकड़े गये

▶▶ **गुजरात सरकार ने घुसपैठियों को 2 दिनों में सरेंडर करने का दिया अल्टीमेटम**

एजेंसी

सूरत। गुजरात सरकार के निर्देश पर राज्य में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ महाअभियान शुरू किया गया। शुक्रवार-शनिवार रात राज्य में अब तक के सबसे बड़े अभियान की शुरूआत करते हुए अहमदाबाद में 890 और सूरत में 134 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया है। सूरत पुलिस आयुक्त कार्यालय में शनिवार को गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने राज्य के सभी जिलों के पुलिस अधीक्षक, रेंज आईजी, लॉ एंड ऑर्डर समेत आईबी कि उच्चाधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए मीटिंग की।

उन्होंने सभी अधिकारियों को इस अभियान को तेज करने के साथ सख्त से सख्त कदम उठाने का निर्देश दिए। संघवी ने पुलिस अधिकारियों से बांग्लादेशी घुसपैठियों की सभी गतिविधियों के संबंध में सूक्ष्म जांच करने को कहा। संघवी ने अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों को दो दिनों में अपने समीप के पुलिस थाने में सरेंडर करने की चेतावनी दी है। ऐसा नहीं करने वाले बांग्लादेशी घुसपैठियों के विरुद्ध प्रशासन कठोर कार्रवाई करेगा। संघवी ने अवैध घुसपैठियों को आश्रय देने वालों के विरुद्ध भी सख्त कदम उठाने का निर्देश दिया है। दूसरी ओर अहमदाबाद पुलिस आयुक्त के कार्यालय में डीजीपी विकास सहाय ने कहा कि एक ही रात में अहमदाबाद में 890 और सूरत में 134 अवैध बांग्लादेशी पकड़े गए हैं। फर्जी दस्तावेज बनाने वाले बंगाल के आपराधिक नेटवर्क के संबंध में अभी जांच जारी है। पकड़े गए बांग्लादेशियों की कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उन्हें उनके मूल देश बांग्लादेश भेज दिया जाएगा।

सभी पाकिस्तानी को बिहार से वापस जाना पड़ेगा : सम्राट चौधरी

पटना। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 26 हिंदू पर्यटकों की हत्या के बाद भारत सरकार ने आतंकवाद प्रायोजित करने वाले पाकिस्तान के नागरिकों का वीजा रद्द करने का जो फैसला लिया है, वह बिहार में भी पूरी तरह लागू होगा। हर पाकिस्तानी नागरिक को वापस जाना पड़ेगा। चौधरी ने कहा कि पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे में भारत छोड़ देने को कहा गया है और यह समय सीमा कल 27 अप्रैल को समाप्त हो रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में जो पाकिसानी नागरिक रह रहे हैं , उनकी पहचान कर ली गई है और जरूरत पड़ी तो उन्हें डिपोर्ट भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वीजा रद्द होने के बाद किसी पाकिस्तानी के यहाँ रहने का कोई सवाल ही नहीं है।

श्रीनगर में 63 आतंकियों के सहयोगियों के आवासों पर पुलिस ने की छापेमारी

श्रीनगर। श्रीनगर पुलिस ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों के 63 आतंकवादी सहयोगियों के आवासों पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज मामलों की जांच को आगे बढ़ाने के लिए शहर भर में कई स्थानों पर व्यापक तलाशी ली। पुलिस ने एक बयान में कहा कि आतंकवादी पारिस्थितिकी तंत्र को खत्म करने के अपने अथक प्रयासों में श्रीनगर पुलिस ने यूएपी अधिनियम के तहत दर्ज मामलों में शामिल आतंकवादी सहयोगियों के आवासों पर शहर भर में तलाशी ली। तलाशी जम्मू-कश्मीर पुलिस के अधिकारियों की देखरेख में कार्यकारी मजिस्ट्रेट और स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में उचित कानूनी प्रक्रियाओं के अनुसार की गई। तलाशी हथियार, दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस आदि जब्त करने के लिए की गई जिसका उद्देश्य राष्ट्र की सुरक्षा के खिलाफ किसी भी षड्यंत्रकारी या आतंकवादी गतिविधि का पता लगाने और उसे रोकने के लिए साक्ष्य संग्रह और खुफिया जानकारी एकत्र करना था।

जून से अगस्त तक होगी कैलाश मानसरोवर यात्रा

▶▶ **इस वर्ष 50-50 यात्रियों के 15 बैच जायेगा, उत्तराखंड में लिपुलेख दर्रे के रास्ते से पांच बैच और सिक्किम में नाथू ला दर्रे के रास्ते से 10 बैच जायेंगे**

▶▶ **केएमवाई डॉट जीओवी डॉट इन पर रजिस्ट्रेशन प्रारंभ**

एजेंसी

नयी दिल्ली। तिब्बत में स्थित कैलाश मानसरोवर की यात्रा छह वर्ष के बाद फिर से शुरू होने जा रही है और विदेश मंत्रालय ने इसके लिए पंजीकरण शुरू कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि कैलाश मानसरोवर यात्रा जून से अगस्त के दौरान आयोजित की जाएगी। इस वर्ष 50-50 यात्रियों के कुल 15 बैच जाएंगे जिनमें से पांच बैच, उत्तराखंड में लिपुलेख दर्रे के रास्ते से और 10 बैच सिक्किम में नाथू ला दर्रे के रास्ते से जाएगी। लिपुलेख दर्रे से होकर जाने पर 22 दिन और नाथू ला दर्रे से होकर 21 दिन का समय लगेगा। विदेश मंत्रालय ने कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए बनी विशिष्ट वेबसाइट केएमवाई डॉट जीओवी डॉट इन पर पंजीकरण शुरू कर दिया है। यात्रियों का चयन आवेदकों में से एक निष्पक्ष, कंप्यूटर-जनित, यादृच्छिक और लिंग-संतुलित चयन प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। उत्तराखंड के रास्ते से जाने वाले यात्रियों को अब पैदल नहीं चलना पड़ेगा। लिपुलेख दर्रे तक सड़क बन गई है। उन्हें केवल सीमा पार करने के लिए करीब एक किलोमीटर ही चलना होगा।

यात्रा की खर्च के बारे में वेबसाइट में बताया गया है कि उत्तराखंड वाले मार्ग के लिए लगभग एक लाख 74 हजार रुपये तथा सिक्किम के रास्ते से जाने वालों के लिए दो लाख 83 हजार रुपये प्रति यात्री का शुल्क लिया जाएगा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यात्रा के चयन तक ऑनलाइन आवेदन के साथ शुरू होने वाली पूरी प्रक्रिया पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत प्रक्रिया है। इसलिए, आवेदकों को जानकारी प्राप्त करने के लिए पत्र या फैक्स भेजने की आवश्यकता नहीं है। वेबसाइट पर प्रतिक्रिया विकल्पों का उपयोग जानकारी प्राप्त करने, टिप्पणियों को पंजीकृत करने या सुधार के लिए सुझाव देने के लिए किया जा सकता है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के कार्यकारी निदेशक बने अनंत अंबानी

नयी दिल्ली। उद्योगपति मुकेश अंबानी के सबसे छोटे बेटे अनंत को एक मई से पांच साल के कार्यकाल के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. में कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया है। रिलायंस ने शेयर बाजार को दी और कहा कि कंपनी के निदेशक मंडल ने 25 अप्रैल को बैठक में मानव संसाधन, नामांकन और पारिश्रमिक समिति की सिफारिश पर विचार किया और गैर-कार्यकारी निदेशक अनंत एम. अंबानी को पूर्णकालिक निदेशक के रूप में नियुक्त किया। उन्हें कंपनी का कार्यकारी निदेशक नामित किया गया है। उनकी नियुक्ति एक मई, 2025 से पांच साल की अवधि के लिए होगी।